



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 32

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 12, 1989/श्रावण 21, 1911

No. 32 | NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 12, 1989/SRAVANA 21, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की छोड़कर)
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम,
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली 19 जुलाई, 1989

सा तथा नि. 578 --राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय अग्रगण्य अभिलेख गृह मंत्रालय
के कंप्यूटर और पद्धति प्रभाग में उपनिदेशक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :--

1. भर्ती नाम और प्रारम्भ--(1) इन नियमों का भर्ती नाम गृह मंत्रालय (राष्ट्रीय अग्रगण्य और पद्धति प्रभाग) उपनिदेशक भर्ती नियम, 1989
है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या वर्गीकरण और वेतनमान--उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों में उपाबद्ध अनुसूची
के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति आयु सीमा और अन्य शर्तें आदि--उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु सीमा शर्तें आदि और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी
जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट है।

4. निरर्हता--यह व्यक्ति--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अर्थात् अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. भिन्न करने की शक्ति: यहाँ केन्द्रीय सरकार की यह शक्ति है कि ऐत. करना आवश्यक या सर्वोत्तम है यहाँ यह शक्ति कि, जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाधन आदेश द्वारा भिन्न कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आय-सीमा में छूट और अन्य विवरणों पर प्रसार नहीं डेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इन संबंध में समय-समय पर लिहाजे गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रयोग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	व्यय पर अथवा अवयव पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जो हुए, वर्षों का पदमय केन्द्रीय गिदिल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अर्थात् अनुसूचित नहीं
1	2	3	4	5	6	7
उपनिदेशक (कम्प्यूटर)/ उपनिदेशक (सिस्टम)	2* (1988)	म. धारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	5100-150-5400- 150-6150 रुपये	लागू नहीं होगा	50 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी दिश. गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार स्थायी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक भिन्न की जा सकती है) टिप्पण: आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में प्रस्थितियों से (उन्मेष भिन्न जो अंज-मान और निवोबार होप तथा मधुहोप से है) आवेदन प्राप्ता करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं

*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य शर्तें: सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक शर्तें प्राप्त व्यक्तियों की सेवा में लागू होंगी या नहीं

8	9	10
आवश्यक:	आयु: नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।
(i) सांख्यिकी/गणित/मंकिया अनुसंधान/भौतिक विज्ञान या अर्थ-शास्त्र/वाणिज्य/सांख्यिकी सहित) में मास्टर डिग्री, या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरी/कम्प्यूटर विज्ञान में डिग्री या समतुल्य:	शैक्षिक शर्तें: हाँ	
(ii) उपनिदेशक सिस्टम के लिए:		
इलेक्ट्रॉनिक आंकड़े प्रक्रमण कार्य का 12 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 7 वर्ष का अनुभव कम्प्यूटरीकृत सूचना भंडार और उपयोग प्रणाली को डिजाइन, विकास या संगठनों में पर्यवेक्षीय हैसियत का होता चाहिए।		
उपनिदेशक (कम्प्यूटर) के लिए:		

द्वैतद्वैतनिक आकृष्ट प्रक्रमण कम्प्यूटर अनुसूच सूचना ईटलमीकरण में 12 वर्ष का अनुसूच। जिसमें कम से कम 7 वर्ष का अनुभव कम्प्यूटर कार्यक्रम और सिस्टम डिजाइन में उत्तर-दायी हैसियत का होना चाहिए।

टिप्पण :

- (1) अर्हताएं अथवा सुगृहीत अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।
- (2) अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग/सदस्य प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (है) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग/सदस्य प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित पदों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन सन्तानों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वांछनीय :

- (1) प्रणाली विश्लेषण या उच्च कम्प्यूटर प्रणाली में परिक्षण
- (2) निम्नलिखित में एक या अधिक क्षेत्र में अनुभव,
- (क) डाटाबेस प्रबंध सूचना प्रणाली का विकास
- (ख) ईटलमीकरण समस्याओं के कम्प्यूटरी हल रैखिक मिश्र पूर्णांक प्रोग्राम
- (ग) संक्रामक अव्यवस्थानुसार योजना माडलों का कम्प्यूटरी हल।
- (3) इंजीनियरी/कम्प्यूटर विज्ञान/कम्प्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर डिग्री या आवश्यक अर्हताएं शीर्षक के (1) में उल्लिखित किसी भी विषय में डाक्टरेट डिग्री।

भर्ती का पदनिर्देशों को ध्यान में रखते हुए या प्राप्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पदों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा।

11

12

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण अल्प कालिक (संविदा सहित) द्वारा जिसके तहत होने पर संघ भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण, जिसमें अल्पकालिक संविदा भी है।
केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारें/विश्वविद्यालय/मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थाओं/लोक उपक्रमों/कानूनी/प्रदूषण सरकारों या स्वायत्तता संगठनों के ऐसे अधिकारी:-

- (क) (1) जो नियमित आधार पर सर्वप्रथम धारण करने हैं, या
- (2) जिनमें 4500-5700 रुपये वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 2 वर्ष नियमित सेवा की है,
- (ख) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्लैब 8 में विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव है।

ऐसे विभागीय सहायक निदेशों जिनमें इस श्रेणी में 10 वर्ष नियमित सेवा की पर भी वाहरी व्यक्तियों के साथ विचार विधा अगुआ और यदि पद पर नियुक्ति के लिए चयन कर लिया जाता है तो उक्त पद प्रोन्नति द्वारा भरा गया समझा जाएगा।

(फॉवर प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के

पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति विभाग व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति संविदा की अवधि, जिसमें अनुसूचित केन्द्रीय सरकार के द्वारा या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किया गया कांवर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

(3) जिन्होंने 3700-5000 रु. वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है,

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

मानी करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

14

13

समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति:
(पुष्टि के लिए)

1. सचिव, गृह मंत्रालय—अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (पुलिस)—सदस्य
3. निदेशक राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो—सदस्य

टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनाथ भेजी जाएंगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[(म. 33/10/87-प्रशा. 1/एन.पी.आर.बी./कामिका-1)

सुदर्शन प्रवीण, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th July, 1989

G.S.R. 578.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Deputy Director in the Computer and Systems Divisions of the National Crime Records Bureau under the Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Home Affairs (National Crime Records Bureau), Computer and Systems Divisions, Deputy Director Recruitment Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Number of posts, classification and scale of pay.—The Number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.
3. Method of Recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.
4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving. —Nothing in these rules shall affect relaxations, relaxations of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders and instructions issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Computer)-I Deputy Director (Systems)-I	2* (1989) Subject to variation dependent on workload	General Central Service, Group 'A', Gazetted.	Rs. 5100-150-5400 150 6150	Not applicable.	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). NOTE : The crucial date for the determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	No.
Educational and other qualifications required for direct recruit				Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
				8	9	10
ESSENTIAL : (i) Master's Degree in Statistics/Mathematics/Operations Research/Physics or Economics/Commerce (with Statistics). OR Degree in Engineering/Computer Science of a recognised University or equivalent (ii) For Deputy Director (Systems) 12 years' experience of electronic data, data processing work, out of which at least 7 years' experience should be in a supervisory capacity in Design, Development or organising Computerised Information Storage and Retrieval System. For Deputy Director (Computer) : 12 years' experience of electronic data processing/computer oriented optimisation of information, out of which at least 7 years should be in responsible capacity on actual Computer Programming and system Design.				Age : No. Educational Qualifications : Yes	1 year for direct recruits.	By promotion transfer or deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.
Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2. The qualification(s) regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public						

Service Commission in the area of an 'A' category belonging to the Scheduled Casts and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from above communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

DESIRABLE :

- (i) Training in Systems Analysis or Advanced Computer System.
- (ii) Experience of one or more of the following fields :
 - (a) Development of Data Base Management Information System.
 - (b) Computer solutions of optimisation problems, linear programming, mixed integer programming.
 - (c) Computer solutions of operational economy-wise planning models.
- (iii) Master's degree in Engineering/Computer Science/Computer Applications OR Doctorate in any of the subjects mentioned in (i) above under the "Essential Qualifications".

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
12	13	14

<p>Promotion/Transfer on deputation (including short-term contract) :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Officers under the Central/State Governments/Universities/Recognised Research Institutions/Public Undertakings/Statutory, Semi-Government or Autonomous Organisations— (a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or (ii) with 2 years' regular service in posts in the scale of Rs. 4500-5700 or equivalent; or (iii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3700-5000 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8. 2. The Departmental Assistant Directors with 10 years' regular service in the grade will also be considered along with the outsiders and in case he is selected for appointment to the post the same shall be deemed to have been filled by promotion. <p>(The Departmental Officers in the feeble category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation/contract including period of deputation in another ex-aequo post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 5 years).</p>	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for confirmation)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Secretary Ministry of Home Affairs. — Chairman 2. Joint Secretary (Police) Ministry of Home Affairs. — Member 3. Director, National Crime Records Bureau — Member <p>Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If however these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	<p>Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.</p>
--	---	---

क्षेत्रीय परिषद सचिवालय

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1989

सा.वा.नि. 579-1989पति सचिवालय के अनुसूद्ध 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और क्षेत्रीय परिषद (क्षेत्रीय राजपत्रित पद) भर्ती नियमावली, 1981 और उत्तर क्षेत्रीय परिषद सचिवालय (गृह मंत्रालय) (समिति अधिकारी) भर्ती नियमावली, 1982 के अधिवर्ष में (ऐसे अधिवर्ष पञ्च-वर्षीय कार्यवाही को छोड़कर) राष्ट्रपति इसके द्वारा गृह मंत्रालय के अधीन उत्तर क्षेत्रीय परिषद सचिवालय में समूह 'घ' राजपत्रित पदों की भर्ती की विधि के विनियमन के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, तामयः

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) ये नियम उत्तर क्षेत्रीय परिषद सचिवालय (समूह 'घ' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1989 में जायेगे।

(2) ये सरकार राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे सम्बद्ध वेतनमान वर्गी होगा जो इन नियमावली के साथ संलग्न अनुसूची के स्तर 3 से 5 में विनिर्दिष्ट किया गया है।

3. भर्ती की विधि, आय-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पदों की भर्ती की विधि, उनके विधि आय-सीमा, अर्हताएं और इनसे संबंधित अन्य बातें यही होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तर 6 से 15 तक विनिर्दिष्ट है।

4. निरर्हताएं :—कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या विवाह का करार किया है अथवा

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है या विवाह का करार किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनजाने है और ऐसा करने के अन्य साक्ष्य हैं तो वह विधि व्यक्ति को इस विधान के पारित्व में छूट दे सकता है।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उसके लिये जोशर्त है उन्हें लिखित रूप से संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्ग के व्यक्तियों के लिए आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आश्रयों, आय-सीमा में छूट और अन्य स्थितियों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुचित जातियों, अनुचित जनजातियों, अनुपूर्व भूमिकों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम सं.	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अथवा अथवा पद	संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आय-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
1. समिति अधिकारी	1* (1989) *कार्यभार को देखते हुए परिवर्तनीय	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित अनुसूचित	र 2000-60- 2300-र.रो.- 75-3200-100- 3500		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए, लिखित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्षन व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं		परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे होगी या प्रोक्षन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता		प्रोक्षन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोक्षन/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोक्षन समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
10	11	12	13	14	15		
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रोक्षन/प्रतिनियुक्ति पर स्थाना- न्तरण द्वारा।	प्रोक्षन/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी जो	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक		

13

(क) (1) नियमित आधार पर
सदृश पद पर नियुक्त हो
सकता है।

2. आय 1640-2900 या
समकक्ष वेतनमान वाले पदों
में तीन वर्ष की नियमित सेवा हो;
हो;

अथवा

3. आय 1400-2300/2600
या समकक्ष वेतनमान वाले पदों
में 8 वर्ष की नियमित सेवा हो;
और

ब. सरकारी बैठकों, सम्मेलनों
आदि जिसमें राज्य सरकारों/
सरकारी उद्यमों के वरिष्ठ
अधिकारियों के साथ बैठके भी
शामिल हैं, में संबंधित समन्वय
कार्य का प्रत्यक्ष हो जैसे बैठक
के स्थान, तारीख और समय
का निर्धारण कार्यसूची, सारांश
और बैठक का कार्यवृत्त तैयार
करना आदि।

2. तीन वर्ष की नियमित सेवा
वाला विभागीय अधीक्षक भी
बाहर से बुलाये गये उम्मीद-
वारों के साथ विचारणीय होगा
और इस पद पर उनका चयन
हो जाने की स्थिति में उसे
पदोन्नति द्वारा नियुक्त माना
जाएगा।

(जिन विभागीय अधिकारियों में
पद भरे जाते हैं, और जो
संश्लेष पदोन्नति की खातों में हो
उन्हें प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति
के लिये दिखाने करने योग्य
नहीं माना जाएगा। इसी तरह
प्रतिनियुक्ति वालों को पदो-
न्नति द्वारा नियुक्ति के दिखाने
के लिए योग्य नहीं माना
जाएगा। प्रतिनियुक्ति की
अवधि इस नियुक्ति से तुरन्त
पूर्व केन्द्रीय सरकार के अधीन
हमी या किसी दूसरे विभाग/
संगठन में दूसरे मंशरी बाह्य
पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि
सहित सामान्यतया 3 वर्ष से
अधिक नहीं होगी।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2	अधीक्षक	1* (1989) *कार्यभार को देखते हुए, परिवर्तनीय।	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह राजपत्रित अनुसन्धीय	रु. 1640-60- 2600-द.रो.-75- 2900	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

10	11	12	13	14	15
सांग नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा जिसके त होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा।	पदोन्नति : वरिष्ठ आणवित्तीय सहायक जिन की प्रपत्र ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे कर्मचारी/अधिकारी। (क) (1) जो नियमित आधार पर सदृश पदों पर नियुक्त हो अथवा 2 रुपये 1400-2300/2600 या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर जिनकी 5 वर्ष की नियमित सेवा हो और (ख) जिनके पास निम्नलिखित अर्हताएं और अनुभव हो :— 1. मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता 2. प्रशासनिक और स्थापना कार्य का अनुभव। ऐसे विभागीय अधिकारी जिनमें पद भरा जाना हो और वे सीधे पदोन्नति की पाठन में हो। प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के विचारणीय नहीं है। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त अधिकारी पदोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचारणीय नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि इस नियुक्ति से तुरन्त पूर्व केन्द्रीय सरकार के इसी या किसी दूसरे संगठन/विभाग में संलग्न बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित सामान्यता 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।	समूह 'ख' विभागीय पदोन्नति समिति (पदोन्नति के लिये) 1. संयुक्त सचिव, उत्तर क्षेत्रीय परिषद सचिवालय गृह मंत्रालय—अध्यक्ष। 2. उपसचिव (प्रशा.) गृह मंत्रालय—सदस्य। 3. उपसचिव, उत्तर क्षेत्रीय परिषद सचिवालय गृह मंत्रालय—सदस्य।	संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श आवश्यक नहीं।

टिप्पणी :

- (1) उत्तर क्षेत्रीय परिषद सचिवालय (गृह मंत्रालय) (समिति अधिकारी) भर्ती नियमावली, 1982 भारत सरकार मु असाधारण राजपत्र के भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (i) सा.का.नि. 775 (ई) में 30 दिसम्बर, 1982 को अधिसूचित की गई थी।
- (2) क्षेत्रीय परिषद (श्रेणी 2, राजपत्रित पद) भर्ती नियमावली, 1964 फा.सं. 15/6/62 एम.आर. (आर.) दिनांक 10-12-1964 (जी.एम.आर. सं. 1790) को अधिसूचित की गई थी। परवर्ती संशोधन फा.सं. 15/23/67 एम. आर. दिनांक 24/6/1968 (जी.एम.आर. सं. 1240), सं. 15/5/68-एम.आर. दिनांक 14/3/1970 (जी.एम.आर. सं. 452), सं. 15/5/68-एम.आर. दिनांक 24-2-1971 (जी.एम.आर. सं. 314 और संख्या एम 14012/2/74 एम.आर. दिनांक 26-12-1975 (जी.एम.आर. सं. 382) द्वारा अधिसूचित किये गये थे।

[फा. सं. -25/18/88 जेड. सं. एम.]

बी.बी.मुरमु संयुक्त सचिव, क्षेत्रीय परिषद सचिवालय एवं पदेन उप-सचिव

(Northern Zonal Council Secretariat)

New Delhi, the 20th July, 1989

G.S.R. 579.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Zonal Council (Class II, Gazetted posts) Recruitment Rules, 1964 and the Northern Zonal Council Secretariat (Ministry of Home Affairs) (Committee Officer) Recruitment Rules, 1982 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby

2095 GI/89--2

makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'B' Gazetted posts in the Northern Zonal Council Secretariat under the Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Northern Zonal Council Secretariat (Group 'B' Gazetted posts) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the Schedule annexed to these rules.

3. The method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 15 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

S. No.	Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	6	8	9
1.	Committee Officer.	1* (1989)	General Central Service Group 'B' Gazetted, Ministerial.	Rs. 2000-60-2300-BB-75-3200-100-3500.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
*Subject to variation dependent on workload.								
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.			Period of probation if any.			Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.		
10			11			12		
Not applicable.			Not applicable.			By promotion/transfer or deputation.		
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.			If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?			Commission to be set up by the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitments.		
13			14			15		
Promotion transfer on deputation. Officers under the Central Government :—			Not applicable.			Consultation with the Union Public Service Commission necessary.		
(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or								
(ii) with 3 year's regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; or								
(iii) with 8 year's regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent; and								
(b) possessing experience in coordination work relating to official meetings,								

13

14

15

conferences etc. including meetings with senior officials of the State Govts./Public Sector Undertakings i.e. fixation of venue, date and time, preparation of agenda, briefs and proceedings, follow-up action etc

2. The departmental Superintendent with 3 years regular service in the grade will also be considered along with the outsiders and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion.

(The departmental Officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation.

Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2: Superintendent	1* (1989)	General Central Service, Group 'B', Gazetted. Ministerial.	Rs. 1640 60-2600 EB-75-2900.	Selection	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
*Subject to variation dependent on workload.								
10			11			12		
Not applicable.			Two years.			By promotion failing which by transfer on deputation.		

PROMOTION	Group 'B' Departmental Promotion Committee (for promotion)	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary.
Senior Stenographers/Assistants with 5 years' regular service in the grade.	1. Joint Secretary, Northern Zonal Council Secretariat, Ministry of Home Affairs — Chairman	
Transfer on deputation	2. Deputy Secretary, (Admn.) Ministry of Home Affairs — Chairman	
Officers under the Central Government—	— Member	
(a) (i) holding analogous posts on regular basis: or	3. Deputy Secretary, Northern Zonal Council Secretariat, Ministry of Home Affairs — Member	
(ii) with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 1400-1300/2600 or equivalent: and		
(b) possessing the following qualifications and experience:		
(i) Degree of a recognised University or equivalent.		
(ii) Experience of administrative and establishment work.		

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationist shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period

13

14

15

of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years).

Note 1. The Northern Zonal Council Secretariat (Ministry of Home Affairs) (Committee Officer) Recruitment Rules, 1982 were notified vide GSR 775(E) in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) published on December 30, 1982

2. The Zonal Councils (Class II. Gazetted posts) Recruitment Rules, 1964 were notified vide No. P. 15/6/62-SR(R) dated 10th December, 1964 (GSR No. 1790). Subsequent amendments were notified vide No. F.15/23/67-SR dated 24th June, 1968 (GSR No. 1240) No. 15/5/68-SR dated 14-3-1970 (GSR No. 452); No. 15/5/68-SR dated 24-2-1971 (GSR No. 314) and No. S-14012/2/74-SR dated 26-12-1975 (GSR No. 38).

[File No. 25/18/88-ZCS]

B.B. M JRMU, Jr. Secy. & Ex. Offr to Dy. Secy.

का.मि.क, लोक शिक्षायात तथा पेशत मंत्रालय

(कामिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1989

मा.का.नि. 580. - केन्द्रीय सरकार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिक्षा) नियमावली, 1954 के नियम 7 के साथ पठित अधिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिविक तथा मध्य लोक सेवा आयोग के परामर्श से भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिक्षाधीन व्यक्तियों की अंतिम परीक्षा) विनियमावली, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाने हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिक्षाधीन व्यक्तियों की अंतिम परीक्षा) संशोधन विनियमावली, 1989 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिक्षाधीन व्यक्तियों की अंतिम परीक्षा) विनियमावली, 1955 में--

(1) दूसरी अनुसूची के लिए निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

“दूसरी अनुसूची”

(देखें विनियम 4 का खण्ड (ख))

राज्य प्रादेशिक भाषा

आंध्र प्रदेश तेलगू या उर्दू

असम-मेघालय असमी, बंगाल, खासी या गारो

राज्य

प्रादेशिक भाषा

बिहार

हिन्दी

गुजरात

गुजराती

हरियाणा

हिन्दी या उर्दू

हिमाचल प्रदेश

हिन्दी

जम्मू व कश्मीर

उर्दू, कश्मीरी या डोगरी

कर्नाटक

कन्नड़

कोरल

मलयालम

मध्य प्रदेश

हिन्दी

महाराष्ट्र

मराठी

मणिपुर-त्रिपुरा

मणिपुरी, बंगाल या हिन्दी

नागालैण्ड

नागा (रोमन लिपि में)

उड़ीसा

उड़िया

पंजाब

पंजाबी (गुरुमुखी लिपि में)

या हिन्दी

राजस्थान

हिन्दी

सिक्किम

नेपाली

तमिलनाडु

तमिल

उत्तर प्रदेश

हिन्दी

पश्चिम बंगाल

बंगाल या हिन्दी

ए. जी. एम. यू.

असमी, हिन्दी, मलयालम

(अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम,

मराठी, मिजो, तमिल,

तथा सप्त राज्य क्षेत्र)

उर्दू और गुजराती।

टिप्पण: मूल विनियम अधिसूचना सं. 4/3/54-अ.भा.से. (ii), तारीख 6 जून, 1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :

1. अधि.सं. 13/21/56-अ.भा.से. (iii) तारीख 22-2-56
2. अधि.सं. 4/5/59-अ.भा.से. (i) तारीख 5-8-61
3. अधि.सं. 28/18/68-अ.भा.से. (iii) सी तारीख 15-5-69
4. अधि.सं. 28/3/69-अ.भा.से. (iii) तारीख 12-9-69
5. अधि.सं. 28/18/68-अ.भा.से. (iii)-ई तारीख 15-8-69
6. अधि.सं. 29/6/70-अ.भा.से. (ii)-सी तारीख 16-3-72
7. अधि.सं. 12/2/72-अ.भा.से. (iii)-ए तारीख 13-6-73
8. अधि.सं. 12/2/72-अ.भा.से. (iii)-ए तारीख 21-3-74
9. अधि.सं. 11041/1/77-अ.भा. (iii) तारीख 14-8-78
10. अधि.सं. 11037/4/86-अ.भा.से. (iii) तारीख 25-8-86
11. अधि.सं. 11041/2/88-अ.भा.से. (iii)-ए.बी. व सी. तारीख 21-7-88

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS
(Department of Personnel & Training)
New Delhi, the 12th July, 1989

G.S.R....580...To exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 7 of the Indian Administrative Service (Probation) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Sikkim and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administration Service (Probationers' Final Examination) Regulations, 1955, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Probationers' Final Examination) Amendment Regulations, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Administrative Service (Probationers' Final Examination) Regulations, 1955.—

(i) for the Second Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

“The Second Schedule”

[See Clause (b) of Regulation(4)]

State	Regional Language
1	2
Andhra Pradesh	Telugu or Urdu
Assam Meghalaya	Assamese, Bengali, Khasi or Garo
Bihar	Hindi
Gujarat	Gujarati
Haryana	Hindi or Urdu
Himachal Pradesh	Hindi
Jammu & Kashmir	Urdu, Kashmiri or Dogri
Karnataka	Kannada
Kerala	Malayalam
Madhya Pradesh	Hindi
Maharashtra	Marathi
Manipur-Tripura	Manipur, Bengali or Hindi
Nagaland	Nagamese (in Roman Script)
Oissa	Oryia
Punjab	Punjab. (in Gurmukhi script) or Hindi.
Rajasthan	Hindi
Sikkim	Nepali

1	2
Tamil Nadu	Tamil
Uttar Pradesh	Hindi
West Bengal	Bengali or Hindi
AGMU (Arunachal Pradesh, Mizoram & Union Territories).	Assamese, Hindi, Malayalam, Marathi, Miso, Tamil, Urdu & Gujarati.

[No. 11041/1/82-AIS(III)-A]

Note : Principal regulations published vide notification No. 4/3/54-AIS-II dated 6th June, 1955 subsequently amended by:

1. No. 13/21/56-AIS-III-E dated 22-2-56
2. No. 4/5/59-AIS-I dated 5-8-61
3. No. 28/18/68-II-C dated 15-5-69
4. No. 28/3/69 AIS-III dated 12-9-69
5. No. 28/18/68 AIS-III(E), 15-9-69
6. No. 29/6/70 AIS-II(C) dated 16-3-72
7. No. 12/2/72 AIS-III(A) dated 13-6-73
8. No. 12/2/72 AIS-III dated 21-3-74
9. No. 11041/1/77 AIS-III dated 14-8-78
10. No. 11037/4/86 AIS-III dated 25-8-86
11. No. 11041/2/86 AIS-III AB&C dated 21-7-1988.

सा.का.नि. 581.-केन्द्रीय सरकार भारतीय वन सेवा (परिबीक्षा) नियमावली, 1968 के नियम 8 के साथ पठित अधिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिक्किम तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से भारतीय वन सेवा (परिबीक्षाधीन व्यक्तियों की अंतिम परीक्षा) विनियमावली, 1968 में और आगे संशोधन करने के लिए, एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है :-

(1) इन विनियमों का नाम भारतीय वन सेवा (परिबीक्षाधीन व्यक्तियों की अंतिम परीक्षा) संशोधन विनियमावली, 1989 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय वन सेवा (परिबीक्षाधीन व्यक्तियों की अंतिम परीक्षा) विनियमावली, 1968 में :-

(1) दूसरी अनुसूची के लिए, निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

“दूसरी अनुसूची”
(देखे विनियम 5(2))

राज्य	प्रादेशिक भाषा
आन्ध्र प्रदेश	तेलुगु या उर्दू
असम-मेघालय	असमी, बंगला, खासी या गारो
बिहार	हिन्दी
गुजरात	गुजराती
हरियाणा	हिन्दी या उर्दू
हिमाचल प्रदेश	हिन्दी
जम्मू व कश्मीर	उर्दू, कश्मीरी या डोगरी
कर्नाटक	कन्नड़
केरल	मलयालम
मध्य प्रदेश	हिन्दी

1	2
महाराष्ट्र	मराठी
मणिपुर-त्रिपुरा	मणिपुरी, बंगला या हिन्दी
नागालैण्ड	नागाजीज
उड़ीसा	उड़िया
पंजाब	पंजाबी (गुरुमुखी लिपि में या हिन्दी)
राजस्थान	हिन्दी
सिक्किम	नेपाली
तमिलनाडु	तमिल
उत्तर प्रदेश	हिन्दी
पश्चिम बंगाल	बंगला या हिन्दी
ए जी एम यू (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम और संघ राज्य क्षेत्र)	असमी, हिन्दी, मलयालम, मराठी, मिजो, तमिल, उर्दू या गुजराती

[सं. 11041/1/82-अ.भा.से. (III)-ग]

टिप्पणी :—मूल वनियम अधिसूचना संख्या 4/3/64-अ.भा.से. (ii) तारीख 6 जून, 1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

1. अधिसूचना संख्या 13/21/56-अ.भा.से. (iii), तारीख 22-2-56
2. अधिसूचना संख्या 4/5/59-अ.भा.से. (i), तारीख 5-8-61
3. अधिसूचना संख्या 28/18/68-अ.भा.से. (iii)-ग, तारीख 15-5-69
4. अधिसूचना संख्या 28/3/69-अ.भा.से. (iii), तारीख 12-9-69
5. अधिसूचना संख्या 28/18/68-अ.भा.से. (iii)-ई, तारीख 15-9-6
6. अधिसूचना संख्या 29/6/70-अ.भा.से. (ii)-ग तारीख 16-3-72
7. अधिसूचना संख्या 12/2/72-अ.भा.से. (iii)-ए, तारीख 13-6-73
8. अधिसूचना संख्या 12/2/72-अ.भा.से. (iii)-ए, तारीख 21-3-74
9. अधिसूचना संख्या 11041/1/77-अ.भा.से. (iii), तारीख 14-8-78
10. अधिसूचना संख्या 11037/4/86-अ.भा.से. (iii) तारीख 25-8-86
11. अधिसूचना संख्या 11041/2/86-अ.भा.से. (iii)-ग. बी. व सी तारीख 21-7-1988

G.S.R....581...In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule of the Indian Forest Service (Probation Rules, 1968 the Central Government, in consultation with the Government of Sikkim and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Forest Service (Probationer's Final Examination) Regulations, 1968 namely :—

(k) These regulations may be called the Indian Forest Service (Probationer's Finance Examination) Amendment Regulations, 1989.

(z) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Forest Service (Probationer's Final Examination) Regulations, 1968,—

(i) for the second Schedule, the following schedule shall be substituted, namely :—

"Second Schedule"
[See Regulation 5(2)]

State	Regional Language
1	2
Andhra Pradesh	Telugu or Urdu (Assame, Bengali

1	2
Assam-Meghalaya	Assamese, Bengali, Khasi or or Garo.
Bihar	Hindi
Gujarat	Gujarati
Haryana	Hindi or Urdu
Himachal Pradesh	Hindi
Jammu & Kashmir	Urdu, Kashmiri or Dogri
Karnataka	Kannada
Kerala	Malayalam
Madhya Pradesh	Hindi
Maharashtra	Marathi
Manipur-Tripura	Manipuri, Bengali or Hindi
Nagaland	Nagamese (in Roman Script)
Orissa	Oriya
Punjab	Punjabi (in Gurmukhi Script) or Hindi.
Rajasthan	Hindi
Sikkim	Nepali
Tamil Nadu	Tamil
Uttar Pradesh	Hindi
West Bengal	Bengali or Hindi
AGMU (Arunachal Pradesh, Goa, Misoram & Union Territories.)	Assamese, Hindi, Malayalam, Marathi Mizo, Tamil Urdu, or Gujarati

[No. 11041/1/82-AIS(III)-C.]

Note : Principal regulations published vide notification No. 4/3/54-AIS.-II dated 6th June, 1955 subsequently amended by:

1. No. 13/21/56-AIS-III-E dated 2-x-x-56
2. No. 4/5/59-AIS-I dated 5-8-61
3. No. 28/18/68-AIS-III (C) dated 15-5-69
4. Mo. 28/3/69-AIS-III dated 12-4-69.
5. No. 28/18/68-AIS-III(E) dated 15-9-69
6. No. 29/6/70-AIS-III(C) dated 16-3-72
7. No. 12/2/72-AIS-III(A) dated 13-6-73
8. No. 12/2/72-AIS-III dated 21-3-74
9. No. 11041/1/77-AIS-III dated 14-8-78
10. No. 11037/4/86-AIS-II dated 25-8-86
11. No. 11041/2/86-AIS-III AB&C dated 21-7-88

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 582.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय अकादमी (कार्यालय स्थापना समूह 'ग' तथा 'घ' पद) भर्ती नियमावली 1987 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (कार्यालय स्थापना समूह 'ग' तथा 'घ' पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1989 है।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (कार्यालय स्थापना समूह 'ग' तथा समूह 'घ' पद) भर्ती नियमावली, 1987 की अनुसूची में भाषा शिक्षक के पद के लिए क्रम संख्या 13 में—

(क) कालम 6 में "18 और 28 वर्ष के बीच" के शब्दों तथा अंकों के लिए निम्नलिखित शब्द तथा अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"18 तथा 30 वर्ष के बीच"

(ग) कानून में परिवर्तन के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा
अर्थान् :-

"भाषा शिक्षा (नागामी) के लिए केवल निम्नलिखित शर्तें लागू
अवधिनीति :-

अनिवार्य

- (1) माध्यमिक विषयविभाग में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा समतुल्य,
- (2) अग्रेजी माध्यम में नागामी पढ़ाने की योग्यता,
- (3) हिन्दी के अलावा कम से कम एक भारतीय भाषा पढ़ाने का काम में कम एक वर्ष का अनुभव,
- (4) नागालैण्ड की कम से कम दो भाषाएं बोले, पढ़े या लिख सकना हो।

आवश्यक:

- (क) अध्यापन में शिक्षा।
- (ख) नागालैण्ड की विभिन्न भाषाओं और संस्कृति में विशेष रुचि रखना हो तथा संबंधित विषय में अनुसंधान कार्य किया हो।
- (ग) किसी भी भाषा अथवा भाषा विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि वाले उम्मीदवार को बर्खास्त हो जायगी।

[सं. 13012/1/89-टी.आई.एन.ए.आई.एस (iii)]

एम. सुबद्रा, अधीक्षक

New Delhi, the 17th July, 1989

G.S.R. 582.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (Office of Establishment Group 'C' and Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1987, namely :—

- (1) These rules may be called the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (Office Establishment Group 'C' and Group 'D' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1989
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (Office Establishment Group 'C' and Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1987, against serial No. 13 relating to the post of Language Instructor:—

- (a) in column 6, for the words and figures "Between 18 and 28 years", the following words and figures shall be substituted, namely :—

"Between 18 and 30 years";

- (b) in column 8, after the entry, the following shall be added, namely :—

"Except in the case of Language Instructor (Nagamese), for whom the following qualifications are required :—

Essential :

- (i) Master's Degree from a recognised University or its equivalent;
- (ii) Ability to teach Nagamese through the medium of English;
- (iii) At least one years' experience in teaching at least one Indian language other than Hindi;

(c) Should be able to speak, read and write at least two languages of Nagaland.

Desirable :—

- (a) A Degree in teaching;
- (b) Should have shown special interest in various languages and culture of Nagaland and should have done research work in the subject
- (c) Preference will be given to candidates possessing a Master's Degree in any Language or Linguistics.

[No. 13012/1/89-TIN/AIS(III)]

S. SUBHADRA, Under Secy.

NOTE:—The Principal rules, published vide notification No 13012/5/85-TIN/AIS(III), dated 31-3-87.

कार्यिक लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्यिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 583—गठन, संविधान के अनुच्छेद 318 के उप खंड (क) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969 में संशोधन करने के लिए निम्न लिखित विनियम बनाते हैं अर्थात् :-

1. (1) इन विनियमों का अधिष्ठान नाम संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) पहला संशोधन, विनियम, 1989 है।

(2) ये 1 जून 1988 से प्रवृत्त होंगे।

(3) ये 1 जून, 1988 से पूर्व नियुक्त सदस्यों को लागू होंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) 'विनियम, 1969 के विनियम 4 के अधीन परन्तु मे "फायदे यदि कोई हो" शब्दों के पश्चात् निम्न लिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"किन्तु पूर्व सेवा के लिए प्राप्त किए गए सेवानिवृत्ति उपदान के पेंशन समतुल्य की इस प्रकार नियते किए गए वेतन से कटौती नहीं की जाएगी"।

[संख्या 39025/3/88-सा. (ख)]

एम. बी. वेणुगन निदेशक

टिप्पण :—मूल विनियम, भारत के राजपत्र 1969, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) अधिवृत्त सा.का.नि. सं. 1402 तारीख 11-10-1969 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनको निम्नलिखित द्वारा संशोधित किया गया :—

क्र. सं.	सा.का.नि. सं.	प्रकाशन की तारीख
1.	1230	6-10-79
2.	1418	1-12-79
3.	257	8-3-80
4.	977	27-9-80
5.	832	12-8-81
6.	388	21-5-83
7.	610	3-9-83
8.	581	30-5-84
9.	692	6-9-86
10.	344	30-4-88

कार्मिक, लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय के अधिसूचना संख्या 39025/3/88-स्थापना (ख) पर व्याख्यात्मक टिप्पणी।

संविधान के अनुच्छेद 318 (क) के अनुसार राष्ट्रपति को, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए विनियम बनाने की शक्तियाँ दी गई हैं। तदनुसार संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियमावली 19 सितम्बर, 1969 को जारी कर दी गई थी। इस विनियमावली के नियम 4 का संबंध किसी व्यक्ति, को, संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष/सदस्य के रूप में, नियुक्ति होने पर उसे भुगतान किए जाने वाली वेतन राशि से है। विनियम 4 के चतुर्थ परन्तुक का संबंध, ऐसे किसी व्यक्ति की अध्यक्ष अथवा सदस्य के रूप में नियुक्ति हो जाने पर उसका वेतन किस प्रकार निर्धारित किया जाए, से है। इस परन्तुक के अनुसार किसी ऐसे व्यक्ति की जो सरकारी सेवा किसी स्थानीय निकाय, किसी विश्वविद्यालय अथवा किसी ऐसे अन्य निकाय, जो पूर्णतया अथवा अधिकांशतः सरकार के स्वामित्व अथवा नियंत्रण में हो, सेवानिवृत्त हुआ हो, और जिसने पेंशन, उपदान अंशदायी भविष्य निधि अथवा अन्यथा सेवानिवृत्ति, प्रसुविधाएं प्राप्त करता हो या प्राप्त की हो, अथवा उन्हें प्राप्त करने का हकदार हो गया हो—अध्यक्ष अथवा एक सदस्य के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, विनियम 4 में निर्दिष्ट पेंशन की कुल राशि (जिसमें पेंशन का कोई ऐसा अंश जिसका संरांशीकरण किया गया हो) तथा सेवानिवृत्ति प्रसुविधाओं के अन्य किसी रूप में पेंशन के समतुल्य राशि, यदि कोई हो, वेतन में से घटा दी जाएगी।

2. कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 3 जून, 1988 के कार्यालय जापन संख्या 3/3/87-स्था. (वेतन-II) द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार यह निर्णय किया गया है कि पुनर्नियुक्त पेंशनभोगियों का प्रारंभिक वेतन निर्धारित करने में, इस तरह निर्धारित वेतन में से, उपदान के समतुल्य पेंशन न घटाई जाए। इन आदेशों को 1 जून, 1988 से लागू किया गया था।

3. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों के वेतन निर्धारण के मामले में, दिनांक 3-6-1968 के उपर्युक्त सरकारी आदेशों में यथानिर्दिष्ट लाभ दिए जाने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियमावली का संशोधन करने का निर्णय किया गया है। इसका यह अर्थ होगा कि किसी व्यक्ति की संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष/सदस्य के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, उसका वेतन निर्धारित करते समय, पेंशन के किसी ऐसे अंश सहित, जिसका संरांशीकरण किया गया हो उसकी पेंशन को तो हिसाब में लिया जाएगा और साथ ही गत सेवा के लिए सेवानिवृत्ति उपदान के समतुल्य पेंशन, इस तरह निर्धारित वेतन में से, नहीं घटाई जाएगी।

4. इस संशोधन को 1-6-1988 से लागू माना जाएगा। इस संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने से हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 20th, July 1989

G.S.R. 583.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (a) of article 318 of the Constitution, the President hereby makes the following Regulations, further to amend the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, namely :

1. (1) These regulations may be called the Union Public Service (Members) First Amendment Regulations, 1989;—

(2) They shall come into force with effect from 1-6-1988.

(3) They shall also apply to the Members appointed prior to 1-6-1988.

2. In the fourth proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Members) Regulations, after the words, "benefit if any", the following shall be added, namely :

"However the pension equivalent of retirement gratuity received for the previous service shall not be deducted from the pay so fixed".

[No. 39025/3/88-Estt. B]

M.V. KESAVAN, Director.

Note: The principal regulations were published vide notification GSR No. 1402 Dated 11-10-1979 in the Gazette of India 1969, Part II, Section 3, Sub-section (i) and subsequently amended by:—

Sl. No.	GSR No.	Date of Publication
1.	1230	6-10-1979
2.	(1418)	2-12-1979
3.	257	8-3-1980
4.	977	27-9-1980
5.	832	12-8-1981
6.	388	21-5-1983
7.	640	3-9-1983
8.	584	30-5-1984
9.	692	6-9-1986
10.	344	30-4-1988

Explanatory Note to the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 39025/3/88-Estt. B.

According to Article 318 (a) of the Constitution, the President has been empowered to make regulations to regulate the conditions of service of the Chairman and Members of the Union Public Service Commission. Accordingly the Union Public Service Commission (Members) Regulations were issued on 19th September, 1969. Regulation 4 of these Regulations relates to the amount of pay to be paid to a person on his appointment as Chairman/Member of the UPSC. The fourth proviso to Regulation 4 deals with the manner in which the pay of such a person on appointment as the Chairman or a Member shall be fixed. According to this proviso, in case of appointment as Chairman or a member, of a person, who has retired from service under the Government, a local body, a university or any other body wholly or substantially owned or controlled by the Government and who is in receipt of or has received or has become entitled to receive any retirement benefits by way of pension, gratuity, contributory provident fund or otherwise, the pay specified in Regulation 4 shall be reduced by the gross amount of pension (including any portion of the pension which may have been commuted) and the pension equivalent of the other forms of retirement benefits, if any.

2. In terms of the orders issued by the Department of Personnel and Training vide O.M. No. 3-3-87-Estt. (Pay II) dated 3rd June, 1988, it has been decided that in fixing the initial pay of re-employed pensioners, the pension equivalent or gratuity may not be deducted from the pay so fixed. These orders were given effect to from 1st June, 1988.

3. In order to give the benefit in the manner of fixation of pay to the Chairman and Members of the UPSC as contained in the Govt. orders dated 3-6-1988 referred to above, it has been decided to amend the UPSC (Members) Regulations. This would mean that while pension including any portion of the pension which may have been commuted would be taken into account while fixing the pay of a person on his appointment as a Chairman/Member of the UPSC, the pension equivalent of retirement gratuity received

ed for the previous service shall not be deducted from the pay so fixed.

4. This amendment is being given effect to from 1-6-1988. No One's interest would be adversely affected by giving retrospective effect to this amendment.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 584—अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार संबंधित राज्यों से परामर्श करने के बाद एतद्वारा भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 में और प्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) —पाँचवाँ संशोधन नियमावली, 1989 है।

(2) ये 1 मार्च, 1989 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 (इसके पश्चात् इसका उल्लेख उक्त नियमावली के रूप में किया जाएगा) में—नियम 9-ग के लिए निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“9-ग, केन्द्रीय सरकार के अधीन ह. 4500-150-5700 के वेतनमान वाले पदों पर कार्य करने के लिए नियुक्त सेवा के सदस्यों के वेतन का विनियमन-नियम 8 तथा 9 में दर्शाई गई किसी भी बात के बावजूद केन्द्रीय सरकार के अधीन ह. 4500-150-5700 के वेतनमान वाले पदों में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया सेवा का कोई सदस्य, अपना ग्रेड वेतन तथा ग्रेड वेतन 15 प्रतिशत भी धर से केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता लेगा परन्तु शर्त यह है कि इसकी अधिकतम सीमा ह. 500 प्रति मास होगी तथा इसके अतिरिक्त इस संबंध में एक शर्त यह भी होगी कि पद पर कार्य करने समय वेतन तथा केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता जिस ग्रेड में अधिकारी वेतन लेता है उस ग्रेड के अधिकतम से अधिक नहीं होगा।

टिप्पणी :—इन नियमों में निर्दिष्ट केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता सेवा के सदस्य को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर यथा निर्दिष्ट प्रतिनियुक्ति की केवल सामान्य कार्यावधि के दौरान ही अनुज्ञेय होगा।”

3. उक्त नियमों की अनुसूची III में—

(1) शीर्षक—“वे पद जिनका वेतन काल वेतनमान से अधिक है या जिनके साथ केन्द्रीय सरकार के अधीन जब पद सेवा के सदस्यों द्वारा धारित किए गए हों, काल वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन है, के अधीन,”—

(i) “विशेष वेतन” शब्दों के लिए जहाँ कहीं भी ये आए हैं, शब्द तथा कोष्ठक :—

“केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता” प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) निम्नलिखित टिप्पणी अन्त में जोड़ी जाएगी :—

“टिप्पणी :—इन नियमों में निर्दिष्ट केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता सेवा के सदस्य को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर यथानिर्दिष्ट प्रतिनियुक्ति की केवल सामान्य कार्यावधि के दौरान ही अनुज्ञेय होगा।”

(2) शीर्षक “केन्द्रीय मंत्रिमंडल में वे पद जिनका वेतन काल वेतनमान से अधिक है अथवा जब पद सेवा के सदस्यों द्वारा धारित किए गए हों, काल वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन है के अधीन :—

(i) “विशेष वेतन” शब्दों के लिए जहाँ कहीं भी ये आए हैं शब्द तथा कोष्ठक :—

“केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता” प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) निम्नलिखित प्रविष्टियों के लिए—

“भारत सरकार के उप सचिव

कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी या कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी 500 ह. इस शर्त के अध्वधीन रहते हुए कि वेतन और विशेष वेतन दोनों मिलकर वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगी।

निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“भारत सरकार के उप सचिव

कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी या कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी 15% की दर से केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता जिसकी अधिकतम सीमा ह. 500 प्रतिमाह होगी और साथ ही यह शर्त भी होगी कि केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ते सहित कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी/कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी का वेतन वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगा। जिसके साथ केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता संबंध है।

(iii) निम्नलिखित प्रविष्टियों के लिए—

“भारत सरकार के प्रवर सचिव

कनिष्ठ वेतनमान/ज्येष्ठ वेतनमान कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी 400/- शर्त यह है कि वेतन, विशेष वेतन का योग वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं बढ़ेगा।”

निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“भारत सरकार के प्रवर सचिव

कनिष्ठ वेतनमान/ज्येष्ठ वेतनमान कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी श्रेणी वेतनमान के 15 प्रतिशत की दर से केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता, जिसकी अधिकतम सीमा ह. 400 प्रतिमाह होगी और साथ यह भी शर्त है कि कनिष्ठ वेतनमान/ज्येष्ठ वेतनमान कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में वेतन जमा केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ते के उस वेतनमान के अधिकतम अधिक न होगा जिसके साथ केन्द्रीय (कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता संबद्ध है।

(iv) निम्नलिखित टिप्पणी अन्त में जोड़ी जाएगी :—

“टिप्पणी :—इन नियमों में निर्दिष्ट (केन्द्रीय कार्यावधिक प्रतिनियुक्ति) भत्ता सेवा के सदस्य को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर यथानिर्दिष्ट प्रतिनियुक्ति की केवल सामान्य कार्यावधि के दौरान ही अनुज्ञेय होगी।”

[सं. 11052/4/89-प्र. भा. से. (II)]

यश डीगरा, हेल्थ अधिकारी

व्याख्यात्मक प्रापण

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के संबंध में इसी प्रकार के आदेश जारी कर दिए हैं और भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन)

नियमावली, 1954, 1 मार्च, 1989 से उपयुक्त रूप से संशोधित कर दी गई है। चूंकि भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 के पैटर्न पर आधारित है, इसलिए एकरूपता लाने के लिए भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 में भी ये संशोधन 1 मार्च, 1989 से प्रभावी किए जा रहे हैं।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना के मूलवर्गी प्रभाव से जारी किए जाने से भारतीय पुलिस सेवा के किसी भी सदस्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणी :—मुख्य नियमों को वित्तिक 14-9-1964 के राजपत्र संख्या 158 द्वारा भाग 1 खण्ड (1) (प्रसाधारण) में प्रकाशित किया गया था तथा बाद के संशोधन निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा किए गए थे :—

क्रम. सं. सा. का. नि. सं.		दिनांक
(1)	(2)	(3)
1.	115	15-3-58
2.	1474	9-10-65
3.	1475	9-10-65
4.	1597	15-1-66
5.	1438	24-9-66
6.	1779	26-11-66
7.	1832	3-12-66
8.	878	18-8-73
9.	1017	22-9-73
10.	1124	3-11-73
11.	1407	29-12-73
12.	33	19-1-74
13.	270	16-3-74
14.	549	8-6-74
15.	666	29-6-74
16.	945	7-9-74
17.	470ई	15-11-74
18.	471ई	15-11-74
19.	1261	30-11-74
20.	224	22-7-75
21.	51	18-1-75
22.	186ई	2-4-75
23.	347ई	25-6-75
24.	753	21-6-75
25.	651	31-5-76
26.	381ई	25-6-75
27.	349ई	25-6-75
28.	456ई	22-8-75
29.	2558ई	25-10-75
30.	541ई	27-10-75
31.	51	29-1-76
32.	341ई	15-6-76
33.	813	12-6-76
34.	814	12-6-76
35.	827	12-6-76
36.	252ई	25-5-76
37.	438ई	3-7-76

1	2	3
38.	758ई	4-5-76
39.	766ई	25-8-76
40.	791ई	7-9-76
41.	1317	25-9-76
42.	857ई	30-10-76
43.	895ई	3-11-76
44.	502ई	25-7-77
45.	1635	12-11-77
46.	1537	12-11-77
47.	543	29-4-78
48.	545	29-4-78
49.	253ई	17-3-7
50.	986	26-7-79
51.	655	30-11-79
52.	581ई	19-10-79
53.	400ई	9-7-80
54.	546ई	30-7-80
55.	896	6-9-80
56.	529ई	8-9-80
57.	602ई	25-10-80
58.		
59.	709ई	22-12-80
60.	397	12-4-81
61.	399	8-4-81
62.	597	27-6-81
63.	622ई	30-11-81
64.	610ई	21-11-81
65.	652ई	10-12-81
66.	270	13-3-82
67.	479	29-5-82
	499ई	16-7-82
68.	707	28-8-82
69.	621ई	20-10-82
70.	766ई	18-12-83
71.	345ई	20-4-83
72.	346ई	20-4-83
73.	510	16-7-83
74.	657	10-9-83
75.	675	17-9-83
76.	699	17-9-83
77.	731	8-10-83
78.	157	18-2-84
79.	198	25-2-84
80.	334	31-2-84
81.	431	5-5-84
82.	478	19-5-84
83.	647	30-6-84
84.	690	7-7-84
85.	786	28-7-84
		9-8-85
86.	252	7-11-85
87.	832ई	24-2-86
88.	310ई	7-6-86
89.	409	7-6-86
90.	408	7-6-86
91.	408	28-6-86

(1)	(2)	(3)
92. 596		16-8-86
93. 781		6-9-86
94. 834		4-10-86
95. 883		18-10-86
96. 8		3-1-87
97. 24		10-1-87
98. 163		14-3-87
99. 166		14-3-87
100. 285		13-3-87
101. 443		13-6-87
102. 490		27-6-87
103. 614		15-8-87
104. 700		19-9-87
105. 683		14-12-87
106. 999		21-12-87
107. 101		20-2-88
108. 105		20-2-88
109. 188		26-3-88
110. 345		30-4-88
111. 586		23-7-88
112. 696		3-9-88
113. 1063		7-11-88
114. 1221		28-12-88
115. 1000		31-12-88
116. 1002		31-12-88
117. 1006		31-12-88
118. 98		10-2-89

New Delhi, the 26th July, 1989

G.S.R. 584.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1.(1) These rules may be called the Indian Police Service (Pay) Fifth Amendment Rules, 1989;

(2) They shall be deemed to have come into force on 1st March, 1989.

2. In the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954 (hereinafter referred to as the said rules).

for rule 9C, the following rule shall be substituted, namely—

“90. Regulation of pay of members of the service appointed to hold posts under the Central Government carrying the scale of pay of Rs. 4500-150-5700; Notwithstanding anything contained in rules 8 and 9, a member of the Service appointed to hold a post under the Central Government in the scale of pay of Rs. 4500-150-5700; shall draw his grade pay plus Central (Deputation on Tenure) Allowance at the rate of 15% of grade pay subject to a ceiling of Rs. 500/- per mensem and subject also to the condition that pay plus Central (Deputation on Tenure) Allowance shall not exceed the maximum of the grade in which the officer draws pay while holding the post.

Note : The Central (Deputation on Tenure) Allowance prescribed in this rule shall be admissible to a member of the

service only during the normal tenure of deputation as prescribed by the Central Government from time to time.”

3. In Schedule III to the said rules ;—

(1) In and under the heading “C. Posts carrying pay above the time scale or special pay in addition to pay in the time scale under the Central Government when held by members of the Service”—

(i) for the words “special Pay”, wherever they occur, the words and brackets “Central (Deputation on Tenure) Allowance” shall be substituted;—

(ii) The following note shall be added at the end;—

“Note.—The Central (Deputation on Tenure) Allowance specified in this rule shall be admissible to a member of the service only during the normal tenure of deputation as prescribed by the Central Government from time to time.”

(2) in and under the heading “D. Posts in the Central Secretariat carrying pay above the time scale or special pay in addition to the time scale when held by members of the service”—

(i) for the words “special pay”, wherever they occur, the words and bracket “Central (Deputation on Tenure) Allowance”, shall be substituted;

(ii) for the entries—

“Deputy Secretaries to the Government of India

Junior Administrative Grade Rs. 500/- provided that pay or Selection Grade plus special pay shall not exceed the maximum of the pay scale to which special pay is attached”;

the following entries shall be substituted, namely :—
“Deputy Secretaries to the Government of India

Junior Administrative Grade 15% of grade pay subject to a ceiling of Rs. 500/- per mensem and subject also to the condition that pay in the Junior Administrative Grade Selection Grade plus Central (Deputation on Tenure) Allowance does not exceed the maximum of the Respective pay scale to which Central (Deputation on Tenure) Allowance is attached.

(iii) For the entries—

“Under Secretaries to the Govt. of India

Junior Scale/Senior Scale/ Rs. 400/- provided that pay plus Junior Administrative grade Special Pay shall not exceed the maximum of the pay scale to which special pay is attached”;

the following entries shall be substituted, namely :—
“Under Secretaries to the Government of India.

Junior Scale/Senior scale/ 15% of grade pay subject to a ceiling of Rs. 500/- per mensem and subject also to the condition that pay in the Junior Scale/Senior Scale/ Junior Administrative grade plus Central (Deputation on

Tenure) Allowance does not exceed the maximum of the pay scale to which Central (Deputation on Tenure) Allowance is attached"

(iv) the following note shall be added at the end.—

"Note.—The Central (Deputation on Tenure) Allowance specified in this rule shall be admissible to members of the Service only during the normal tenure of deputation as prescribed by the Central Government from time to time."

[No. 11052/4/89-AIS(I)]

Y. P. DHINGRA, Desk Officer

Explanatory Memorandum

The Central Government have issued similar orders in respect of the Indian Administrative Service and the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954 have been suitably amended with effect from the 1st March 1989. To bring in uniformity as the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954 are based on the pattern of Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, these amendments to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, are also being made effective from the 1st March, 1989. It is certified that no member of the Indian Police Service is likely to be adversely affected by this notification being given retrospective effect.

Note: Principal Rules were published vide Gazette No. 158 dated 14-9-1964 Part I Section (1) (Extraordinary) and were subsequently amended vide the following notifications:

Sj. G.S.R. No.	No.	Date
(1)	(2)	(3)
1.	115	15-3-58
2.	1474	9-10-65
3.	1475	9-10-65
4.	1597	15-1-66
5.	1438	24-9-66
6.	1779	26-11-66
7.	1832	3-12-66
8.	878	18-8-73
9.	1017	22-9-73
10.	1124	3-11-73
11.	1407	29-12-73
12.	33	19-1-74
13.	270	16-3-7
14.	549	8-6-74
15.	666	29-6-74
16.	945	7-9-74
17.	470(E)	15-11-74
18.	471(E)	15-11-74
19.	1261	30-11-74
20.	224	22-2-75
21.	51	18-1-85
22.	186(E)	2-4-75
23.	347(E)	25-6-75
24.	753	21-6-75
25.	651	31-5-75
26.	381(E)	25-6-75
27.	349(E)	25-6-75
28.	456(E)	22-8-75
29.	258(E)	25-10-75
30.	541(E)	27-10-75
31.	51	29-1-76
32.	341(E)	15-6-76

(1)	(2)	(3)
33.	813	12-6-76
34.	814	12-6-76
35.	827	12-6-76
36.	252(E)	25-5-76
37.	438(E)	2-7-76
38.	758(E)	4-5-76
39.	766(E)	25-8-76
40.	791(E)	7-9-76
41.	1317	25-9-76
42.	857(E)	30-10-76
43.	895(E)	3-11-76
44.	592(E)	25-8-77
45.	1635	12-11-77
46.	1537	12-11-77
47.	543	29-4-78
48.	545	29-4-78
49.	253(E)	17-3-79
50.	986	26-7-79
51.	655	30-11-79
52.	581(E)	19-10-79
53.	400(E)	9-7-80
54.	546(E)	30-7-80
55.	896	6-9-80
56.	528(E)	8-9-80
57.	602(E)	25-10-80
58.	709(E)	22-12-80
59.	397	12-4-81
60.	399	18-4-81
61.	597	27-6-81
62.	622(E)	30-11-81
63.	610(E)	21-11-81
64.	652(E)	10-12-81
65.	270	13-3-82
66.	479	29-5-82
67.	499(E)	16-7-82
68.	707	28-8-82
69.	621(E)	20-10-82
70.	766(E)	18-12-82
71.	345(E)	20-4-82
72.	346(E)	20-4-83
73.	510	16-7-83
74.	657	10-9-83
75.	675	17-9-83
76.	699	17-9-83
77.	731	8-10-83
78.	157	18-2-84
79.	198	25-2-84
80.	334	31-2-84
81.	431	5-5-84
82.	478	19-5-84
83.	647	30-6-84
84.	690	7-7-84
85.	786	28-7-84
86.	252	9-8-85
87.	832(E)	7-11-85
88.	310(E)	24-2-86
89.	409	7-6-86
90.	408	7-6-86
91.	480	28-6-86
92.	596	16-8-86
93.	781	6-9-86
94.	834	4-10-86
95.	883	18-10-86
96.	6	3-1-87
97.	24	10-1-87
98.	163	14-3-87

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
99.	166	14-3-87	109.	188	26-3-88
100.	285(E)	14-3-87	110.	345	30-4-88
101.	443	13-6-87	111.	586	23-7-88
102.	90	27-6-87	112.	696	3-9-88
103.	614	15-8-87	113.	1063(E)	7-11-88
104.	700	19-9-87	114.	1221(E)	28-12-88
105.	683(E)	24-12-87	115.	1000	31-12-88
106.	999(E)	21-12-87	116.	1002	31-12-88
107.	101	20-2-88	117.	1006	31-12-88
108.	105	20-2-88	118.	99(E)	10-2-89

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 585—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी चयन आयोग (अनुसूचिकीय समूह "ग") के तकनीकी सहायक (होल्डरिथ) और पंचकर्ता एवं सत्यापक (होल्डरिथ) पद भर्ती नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) संक्षिप्त नाम—इन नियमों का संक्षिप्त नाम कर्मचारी चयन आयोग (अनुसूचिकीय समूह "ग") के तकनीकी सहायक (होल्डरिथ) और पंचकर्ता एवं सत्यापक (होल्डरिथ) पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 कर्मचारी चयन आयोग (अनुसूचिकीय समूह "ग") के तकनीकी सहायक (होल्डरिथ) और पंचकर्ता एवं सत्यापक (होल्डरिथ) पद भर्ती नियम, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"7 श्रद्धाति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आशयों, आयु-सीमा में छूट और अन्य श्रियायों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केंद्रीय सरकार द्वारा इस मसौदा में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जन-जातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करता अपेक्षित है"।

3. उक्त नियम की अनुसूची में, पंचकर्ता एवं सत्यापक (होल्डरिथ) के पद में सर्वोच्च कम संख्यांक 2 और उसकी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

अनुसूची

1	2	3	4	5	6
"2-पंचकर्ता एवं-सत्यापक (होल्डरिथ)	39 ^a (1989) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग", ग्राजपत्रित, अनुसूचिकीय।	950-20-1150- द.रो.-25- 1500 F.	लागू नहीं होता	25 वर्ष सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है। टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में, भारत में अभ्यर्थियों से (उनमें भ्रष्ट जो अंशमान और निको-बार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।
	7		8		9

आवश्यक :

लागू नहीं होता

2 वर्ष

(i) किसी मास्यताप्राप्त विश्वविद्यालय बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या समतुल्य।

(ii) डाटा प्रॉसेसिंग उपकरण चलाने में प्रशिक्षण।

वांछनीय :

टंकण (30 शब्द प्रति मिनट) का ज्ञान।

विभागीय प्रोन्नति समिति

लागू नहीं होता

(पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)

1. उप सचिव या उप सचिव और उससे ऊपर के स्तर का अधिकारी जो ई. डी. पी. कार्य की देखभाल करता है कर्मचारी चयन आयोग —सध्य
2. प्रवर सचिव, स्थापन, कर्मचारी चयन आयोग —सद्य
3. संघ लोक सेवा आयोग का ज्येष्ठ कार्यक्रम —सद्य

[सं. 39021/4/89-स्था (ख)]

सी. एल. शर्मा, डेप्ट. अधिकारी

मूल नियम अधिसूचना सा.का.नि. 629 तारीख 3-5-78 के अधीन भारत के राजपत्र 1978 भाग 2 खंड 3 उपखंड (i) में प्रकाशित हुए और पञ्जातवर्ती संगोधन सा.का.नि. सं. 747 तारीख 29-9-88 के अधीन अधिसूचना द्वारा प्रकाशित हुए।

New Delhi, the 28th July, 1989

G.S.R. 585.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Staff Selection Commission (Non-Ministerial), Group 'C' post of Technical Assistant (Hollerith) and Puncher-cum-Verifier (Hollerith) Recruitment Rules, 1978, namely :—

- (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Staff Selection Commission (Non-Ministerial), Group 'C' posts of Technical Assistant (Hollerith) and Puncher-cum-Verifier (Hollerith) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In the Staff Selection Commission (Non-Ministerial), Group 'C' post of Technical Assistant (Hollerith) and Puncher-cum-Verifier (Hollerith) Recruitment Rules, 1978 (hereinafter referred to as the said Rules) for rule 7, the following rule shall be substituted, namely :—

7. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

- (3) In the Schedule to the said Rules for Serial number 2 relating to the post of Puncher-cum-Verifier (Hollerith) and entries thereto, the following serial number and entries shall be substituted namely :—

1	2	3	4	5	6
2. Puncher-cum-Verifier (Hollerith)	*39 (1989)	General Central Service, Group 'C' Non-gazetted Non-Ministerial.	Rs. 950-20-1150-EB-25-1500/-	Not applicable.	25 years. (Relaxable upto 35 years in case of Government servants).
*Subject to variation dependent on workload.				The crucial date for determining the age limit will in each case shall be the closing date for receipt of applications from the candidates in India other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep.	
7	8	9	10		
Essential	Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.		
(i) Matriculation of a recognised University/Board or equivalent.					
(ii) Training in operation of data entry equipment					
DESIRABLE					
Knowledge of typing (30 words per minute).					

11

12

13

Not applicable.

Departmental Promotion Committee for consideration of confirmation

Not applicable.

1. Deputy Secretary (or the Officer of the level of Dy. Secretary and above looking after Electronic Data Processing work), Staff Selection Commission.
— Chairman
2. Under Secretary (Establishment), Staff Selection Commission.
— Member
3. Senior Programmer of the Union Public Service Commission.
— Member

[No. 39021/4/89-Estt. (B)]

C.L. SHARMA, Desk Officer

Principal Rules published vide notification G.S.R. No. 629 dated 3-5-1978 Gazette of India 1978 Part II Section 3, Sub-section (i) and subsequently amended vide Notification published under G.S.R. No. 747 dated 24-9-1988.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1989

सा.का. नि. 586.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) की धारा 49 की उपधारा (i) के अधीन पुनर्निर्माण बैंक द्वारा किए गए आवेदन पर विचार कर चुकने पर और यह समाधान हो जाने पर कि पुनर्निर्माण बैंक के सहायता प्राप्त समुत्थान यू. बी. एस. ई. सी. बैटरीज लिमिटेड, एम. ई. सी. फैक्टरी रोड, यशवंतपुर बंगलोर 560022 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त समुत्थान कहा गया है) के पुनर्गठन, पुनरुज्जीवन और पुनरुद्धार के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है, घोषणा करती है कि प्रवृत्त सभी प्रकार की संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, अधिनियमों, स्थायी आदेशों अथवा ऐसी अन्य लिखतों, जिनका उक्त समुत्थान पक्षकार है अथवा जो इस आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पहले उक्त समुत्थान को लागू हों, का प्रवर्तन तथा उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और बाधित्व, इस आदेश के जारी होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक के लिए निरन्तर रहेंगे।

[एफ. सं. 1(2)/89-आई. एफ. II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 17th July, 1989

G.S.R. 586.—The Central Government, having considered the application made to it by the Reconstruction Bank under sub-section (1) of section 49 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984) and on being satisfied that it is necessary for the purpose of reconstructing, reviving and rehabilitating, UB MEC Batteries Limited, MEC Factory Road, Yeshwantpur, Bangalore 560022, an assisted concern (hereinafter referred to as the said concern) of the Reconstruction Bank, declares that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settle-

ments, awards, standing orders or other instruments in force to which the said concern is a party or which may be applicable to the said concern immediately before the date of issue of this Order and any rights, privileges, obligations, and liabilities accruing or arising thereunder before the said shall remain suspended for a period of two years from the date of this Order.

[F. No. 1(2)/89-IF.I]

सा. का. नि. 587.—यतः असम राज्य सरकार ने अनुरोध किया है कि राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 29, 30, 31, 32, 32क, 32ख, 32ग, 32घ, 32ङ और 32च तक के उपबंध असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड पर, जिसकी स्थापना राज्य सरकार, द्वारा औद्योगिक कम्पनियों का वित्त पोषण करने के लिए की गयी है, लागू होने चाहिए।

अब, अतः राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 46 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 29, 30, 31, 32, 32क, 32ख, 32ग, 32घ, 32ङ और 32च के उपबंध असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड पर लागू होंगे।

[संख्या 6(1)/88-आई. एफ. II]

वी. पी. भारद्वाज, अव्वर सचिव

G.S.R. 587.—Whereas the State Government of Assam have requested that the provisions of sections 29, 30, 31, 31, 32, 32A, 32B, 32C, 32D, 32E and 32F of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951) may be made applicable to the Assam Industrial Development Corporation Limited, an institution established by the State Government which has for its object for financing of industrial concerns;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 46 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951), the Central Government hereby directs that the provisions of the sections 29, 30, 31, 32, 32A, 32B, 32C, 32D, 32E and 32F of the said Act shall apply to the said Assam Industrial Development Corporation Limited.

[No. 6(1)/88-IF.II]

V. P. BHARDWAJ, Under Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1989

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 18th July, 1989

सा. का. नि. 588.—यतः 6,34,721.66 (छ लाख चौबीस हजार सात सौ इक्कीस रुपये शिवाय छ पैसे) की रकम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त रकम कहा गया है) श्री अरविन्द सोसायटी, सोसायटी हाउस, पोंडिचेरी-2 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सोसायटी कहा गया है) खादी और ग्राम उद्योग आयोग (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आयोग कहा गया है) को सौंपे हैं;

और यतः खादी और ग्राम उद्योग आयोग नियम, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 25क के उपनियम (1) के अधीन यथा ओषित, उक्त आयोग ने तारीख 12-10-1987 को सोसायटी पर एक सूचना जारी की जिसमें उक्त सोसायटी को यह निर्देश था कि सूचना प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त सोसायटी उक्त आयोग को उक्त रकम की सौंप करे, जिसमें असफल रहने पर उक्त आयोग उसे खादी और ग्राम उद्योग आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 61) की धारा 19ख के अधीन भू-राजस्व के बकाया के तौर पर वसूल करने की कार्यवाही करेगा;

और यतः उक्त सोसायटी ने 6,34,721.66 रु. की रकम का सौंप करने के बावजूद पर विवाद किया है और आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सूचित किया है (देखें उनका दिनांक 29 जनवरी, 1988 का पत्र) कि आयोग का दावा परिलक्षित है और इसलिए 6,34,721.66 रुपये का दावा बिल्कुल अतर्क्य है। इसके अतिरिक्त सोसायटी के महासचिव ने इस विवाद को नियम 25क और 25ख के साथ पठित खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम 1956 की धारा 19ख के अनुसार गठित ट्रिब्यूनल को सौंपने का अनुरोध किया है।

उक्त नियमों के नियम 25ख के साथ पठित खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 61) की धारा 19ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा एक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री एन. पी. के. मेनन सेवानिवृत्त जिला तथा सेशन न्यायाधीश, 29 अनन्ता रोड, अलवरपेट, मद्रास-18 होंगे जिसका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त अधिकरण को इस प्रश्न के विनिश्चय के लिए निर्दिष्ट करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19ख की उपधारा (1) के अनुसार उक्त आयोग को उक्त सोसायटी द्वारा कितनी रकम सौंपे है।

[फा. सं. सी-13019(1)-2/88-के. वी. आर्. (II)]

जी. वेंकटरमणन, संयुक्त सचिव

G.S.R. 588.—Whereas a sum of Rs. 6,34,721.66 (Rupees Six lakhs thirty four thousand Seven hundred twenty one and paise sixty six only) (hereinafter referred to as the said sum) is payable by the Shri Aurobindo Society, Society House, Pondicherry-2 (hereinafter referred to as the said society) to the Khadi and Village Industries Commission (hereinafter referred to as the said Commission).

And whereas, as required under sub-rule (i) of the rule 25-A of the Khadi and Village Industries Commission's Rule 1957 (hereinafter referred to as the said rules) the said Commission caused notice dated 12-10-1987 to be served on the said society directing the said Society to pay the said sum to the said Commission within thirty days of the receipt of the said notice failing which the said commission proceed to recover the same as arrears of land Revenue under Section 19-B of the Khadi and Village Industries Commission's Act, 1956 (61 of 1956).

And whereas, the said Society has disputed its liabilities to pay the sum of Rs. 6,34,721.66 to the Commission and informed the Chief Executive Officer of the Commission vide its letter dated 29th January, 1988 that the claim of the Commission is barred by limitation and therefore the claim for the sum of Rs. 6,34,721.66 is totally untenable. Further the General Secretary of the Society has requested to refer the dispute to the Tribunal constituted in terms of Section 19-B of the Khadi and Village Industries Commission's Act 1956 read with Rules 25-A and 25-B.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 19-B of the Khadi and Village Industries Commission's Act, 1956 (61 of 1956) read with the Rule 25-B of the said Rules, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri N. P. K. Menon, retired District and Session Judge, 29 Anantha Road, Alwarpet, Madras-18, with headquarter at Madras and refers matter to the said Tribunal for deciding about the payment of dues by the said society to the said Commission within the meaning of Sub-section (i) of Section 19-B of the said Act.

[F. No. C-13019(1)-2/88-KVI (II)]

G. VENKATARAMANAN, Jt. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 589.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गृह्यक निदेशक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य मंत्रालय, सहायक निदेशक भर्ती नियम, 1989 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा। इन नियमों में उपाधक अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरहता, बह व्यक्ति—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी से संबंधित रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो यह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे नकेगी।

5. नियुक्ति करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को बाधन, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य शिथिलताओं पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुचित जातियों, अनुचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपाबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद प्रभवा प्रचयन	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए व्यक्तियों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
सहायक-निदेशक	2 ^{वां} कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपदविम अनुसूचिकीय	2200-75-2800- द. र. -100- 4000 रु.	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<p>सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं</p> <p>सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्राप्ति और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं</p>						
8	9	10				
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता				
<p>भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पदवियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिगणना</p> <p>प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में व श्रमिका जिनके प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा</p>						

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी —

- (क) (i) जो नियमित आधार पर गठन पद धारण करने हैं, या
(ii) जिन्होंने 2000-3500 रु. वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 3 वर्ष नियमित सेवा की है, और

(ख) जिनके पास आयात से संबंधित कार्य का अनुभव है।

(प्रतिनियुक्ति की शर्तों जिनके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन विभाग में इस नियुक्ति से छीक पड़ने धारित किसी अन्य काष्ठ बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की शर्त है, साधारणतया चार वर्ष में अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

धर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

सागू नहीं होता

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[स. ए-12018(2) 85-ई-1]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 18th July, 1989

G.S.R. 589.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Director, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Commerce Assistant Director, Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

RECRUITMENT RULES FOR THE POST OF ASSISTANT DIRECTOR IN THE MINISTRY OF COMMERCE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
3. Assistant Director	2* (1989)	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.	Not applicable.	Not applicable.
*Subject to variation dependent on workload.					
Whether benefit of added years of Service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension Rules, 1972)	Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees		Period of probation if any
7	8		9		10
Not applicable.	Not applicable.		Not applicable.		Not applicable.
Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitments by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made			If a DFC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
11	12			13	14
By transfer on deputation.	Transfer on deputation. Officers under the Central Government :			Not applicable.	Consultation with the UPSC necessary.

(a) (i) holding analogous posts on regular basis: or

(ii) with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs.2000-3500 or equivalent and

(b) possessing experience of work connected with imports.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same of or some other organisation/department of the central government shall not exceed 4 years).

[No. A-12018/2/85-E.I.]

मा.का.नि. 590—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनुसंधान अधिकारी (परिवहन प्रभाग) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य मंत्रालय अनुसंधान अधिकारी (परिवहन प्रभाग) भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावृद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें व होगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता, वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के अधीन प्रयुक्त है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें देखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निदेशों के अन्तर्गत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पूर्वोक्त सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अचयन पद	सोई भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान अधिकारी (परिवहन प्रभाग)	1* (1989)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ख", राष्ट्रपत्रित अनुसूचितीय	2000-60-2300 द.र. -75-3200- 100-3500 रु.	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।					

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
कर्त्ता को पदनि/कर्त्ता सौंपे जाये या प्राप्ति द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा प्राप्ति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण द्वारा कर्त्ता को दण्ड में वे श्रेष्ठियाँ जिनमें तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्राप्ति/प्रतिनिधित्व/स्थानान्तरण किया जाएगा		
11	13	
प्रतिनिधित्व पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनिधित्व पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी : (क) (1) जो नियमित आधार पर सर्वोच्च पद धारण करते हैं; या (2) जिन्होंने 1640-2900 रु. वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 3 वर्ष का नियमित सेवा का है; और (ख) जिनके पास पैन भाड़ा से संबंधित शिक्तियों का अनुभव है। (प्रतिनिधित्व को अधि, जिनके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उच्चाधिकारों अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य का बाध्य पद पर प्रतिनिधित्व को अधि है, साधारणतया कारणों से अधिक नहीं होगी) ।	
यदि विभागीय प्राप्ति समिति है तो उसकी संरचना	कर्त्ता करने में किन परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाएगा	
13	14	
लागू नहीं होता	सच लोक सेवा आयोग में परामर्श करना आवश्यक नहीं है	

[सं. ए-12018020/85-ई-1]

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Research Officer (Transport Division) in the Ministry of Commerce

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Research Officer (Transport Division).	1* 1989 *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.	Not applicable
Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits, will apply in the case of promotees	Period of probation of any
6	7	8	9	10
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
11	12	13	14	
By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the Central Government :— (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; and (b) having experience of matters relating to shipping Freight. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/deptt. of the Central Government shall not exceed 4 years).	Not applicable	Consultation with the UPSC not necessary.	

[No. A-12018/2/85-E.I.]

सा.का.नि. 591:--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विशेष अधिकारी (जोएटीटी) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :--

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य मंत्रालय विशेष अधिकारी (जोएटीटी) भर्ती नियम, 1989 हूँ।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उदाहरण अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, प्राप्ति-सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, प्राप्ति-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता, वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जातिन है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जातिन रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षधार का लागू स्वाय विधि के अधिन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें निखरकर करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को बाधन, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी ।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रकार के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है ।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	न्यून पद अथवा अध्यायन पद	सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जाड़े हुए व्यक्तियों का फायदा केन्द्रीय निधिल सेवा (पेंशन नियम, 1972 के नियम 30 के अधिन अनुज्ञेय है या नहीं के
1	2	3	4	5	6	7
विशेष अधिकारी (जोएडीटी)	1* 1989 *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित अननुसूचीय	3000-100-3500 -125-4500 रु.	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं		सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्राप्त व्यक्तियों की दशा में लागू होंगे या नहीं			परिक्षा का अन्वय, यदि कोई हो	
	8		9			10
लागू नहीं होता			लागू नहीं होता			लागू नहीं होता
भर्ती की पद्धति/भर्ती सोचे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता			प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा			
11				12		

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

केन्द्रीय सरकार के अधिन ऐसे अधिकारी :—

(क) (i) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण करते हैं ; या

(ii) जिन्होंने 2200-4000/2000-3500 रु. वर्तमान वाले या सम-
तुल्य पदों पर 5/3 वर्ष नियमित सेवा की है और

(ख) जिनके पास ट्रेडि और व्यापार संबंधी साधारण कर में संबंधित कार्यों का अनुभव और जो व्यापार और विकास में संबंधित अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के कृत्यों से सुपरिचित हों।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य मंत्रालय/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काबल बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया चार वर्ष से अधिक नहीं होगी)

यदि विमर्गाद प्राप्ति समिति है तो उसकी संरचना

सर्वी करने में कित परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

वाग नही होता

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[सं. ए-12018/2/86-ई-1]

G.S.R. 591.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Special Officer (GATT), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Commerce Special Officer (GATT) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these Rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Special Officer (Gatt.) in the Ministry of Commerce

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
Special Officer (GATT)	1* (1989) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 3000-100-3500-125-4500.	Not applicable.
Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits, will apply in the case of promotees	Period of probation if any
6	7	8	9	10
Not applicable.	Not applicable.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
11	12	13	14
By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the Central Government :— (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 5/8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 2200—4000/2000—3500 or equivalent; and (b) having experience of work connected with General Agreement on Trade and Tariffs and familiarisation with the functions of other International Organisation connected with trade and development. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 4 years).	Not applicable.	Consultation with the UPSC is necessary

[No. A-12018/2/85-E.I.]

मा. का. नि. 592.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए अनुसंधान अधिकारी (व्यापार नीति प्रभाग) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य मंत्रालय अनुसंधान अधिकारी (टी. पी. ई.) भर्ती नियम 1979 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-पंक्ति वर्गीकरण और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या, वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों में उल्लेख अनुभूषी के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुभूषी के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहेता वह व्यक्ति :—

- (क) जिनसे ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए प्रवर्गों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, क्षत्रपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना प्रविष्ट है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेष है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान अधिकारी परिचरित प्रभाग	1* (1989) *कर्मचार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित अननुसूचित	2000-60-2300- द. नो-75-3200- 100-35000	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
नोट: भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक तथा अन्य शर्तें भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक शर्तें प्रोत्साहित व्यक्तियों की वश में लागू होंगी या नहीं						
8		9		10		
लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		लागू नहीं होता		
भर्ती की पद्धति / भर्ती सीधे होंगी या प्रोत्साहित द्वारा प्रतिनिधित्वित स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-शतता				प्रोत्साहित/प्रतिनिधित्वित/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्साहित / प्रतिनिधित्वित / स्थानान्तरण किया जाएगा।		
11		12				
प्रतिनिधित्वित पर स्थानान्तरण द्वारा				प्रतिनिधित्वित पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी:-- (क) (1) जो नियमित आधार पर सर्वप्रथम पद धारण करते हैं, या (2) जिन्होंने 1640--2900 रु. वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 3 वर्ष नियमित सेवा की हैं, और (ख) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार टैरिफ और अधिमानी व्यापार ठहरेबा स सम्बद्ध कार्य का अनुभव हो अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे गेल (जी ए टी टी) और अफ्टाड है (यू. एन. सी. टी. ए. डी) से सुपरिचित हों और अर्थशास्त्र या वाणिज्य में मास्टर डिग्री हो। (प्रतिनिधित्वित की अवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार से उसी या किसी अन्य संगठन विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनिधित्वित की अवधि है साधारणतया चार वर्ष से अधिक नहीं होगी।		
प्रति विभाग प्रोत्साहित समिति के दो डबकी संरचना				भर्ती करने से किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।		
13		14				
लागू नहीं होता		संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।				

जे. एम्. संघ, अवर सचिव
सं. ए-12018/2/85-ई-I]

G.S.R. 592.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Research Officer (Trade Policy Division) namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Commerce Research Officer (Trade Policy Division), Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other marriage relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Research Officer (Trade Policy Division) in the Ministry of Commerce

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post
1	2	3	4	5
4. Research Officer (Trade Policy Division)	3* (1989) *Subject to variation dependent on workload	General Central Service Group 'B' Gazetted non-Ministerial	2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500	Not applicable.
Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension Rules, 1972)	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
6	7	8	9	10
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitments by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
11	12	13	14	
By transfer on deputation.	Transfer on deputation : Officers under the Central Government :— (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; and (b) having experience in work connected with international trade, tariff and preferential trading arrangements, familiarity with international organisations such as GATT and UNCTAD and possessing Master's degree in Economic or Commerce. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 4 years.)	Not applicable	Consultation with the USPC not necessary.	

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 18 जुलाई 1989

सा. का. नि. 593. —संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा लक्षद्वीप प्रशासन, शिक्षा निदेशक भर्ती नियमावली, 1980 का अधिग्रहण करते हुए, इस प्रकार के अधिग्रहण से पूर्व किए गए कार्यों को छोड़कर अथवा किए जाने वाले कार्यों को छोड़कर, राष्ट्रपति एतद्वारा शिक्षा निदेशक, लक्षद्वीप के पद की भर्ती नियमावली की पद्धति का विनियमन करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. लघु शीर्षक तथा प्रारंभ (1) इन नियमों को लक्षद्वीप प्रशासन, शिक्षा निदेशक भर्ती नियमावली, 1989 कहा जाए।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान उक्त पद की संख्या, इसका वर्गीकरण और उससे सम्बन्धित वेतनमान वही होगा जो इन नियमों के साथ अनुबंध अनुसूची के कालम 2 से 4 में निविष्ट किए गए हैं।

3. भर्ती की पद्धति. आयु-सीमा तथा अन्य शर्तें आदि :— उक्त पद की भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें तथा उनसे सम्बन्धित अन्य मामले उक्त अनुसूची के कालम 5 से 14 में यथानिविष्ट के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यताएं :— कोई भी ऐसा व्यक्ति जो,

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अथवा विवाह का अनुबन्ध करता है, जिसकी पत्नी/पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के जीवित रहते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है,

उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा :

बतौर कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि उक्त व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुमत्त है और ऐसा करने के कुछ और भी आधार हैं जो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम के संज्ञान में छूट दे सकती है।

5. छूट देने का अधिकार :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है तो लिखित रूप में कारणों को दर्ज करते हुए तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में छूट दे सकती है।

6. प्रतिबन्ध :— इस बंध में, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों भूतपूर्व सेवा कर्मियों तथा अन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों को किए जाने वाले प्रावधानों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर इन नियमों का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	नया प्रवर्णन पद है अथवा गैर-प्रवर्णन पद है	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6
शिक्षा निदेशक	1* (1989)	सामान्य केन्द्रीय सेवा *कार्यभार के अनु- सार बढ़-बढ़ सकती है	र. 3700-125-4700- 150-50000.	लागू नहीं होता	45 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के मामले में छूट)

टिप्पणी :— आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निष्पादित तारीख भारत में रहने वाले (अंशमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) उम्मीदवारों के आवेदन पत्र प्राप्त होने की अन्तिम तारीख होगी।

क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) के नियमावली सीधे भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए 1972 नियम 30 के अंतर्गत जोड़े अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं।
गए सेवा वर्षों का लाभ ग्रहण हैं।

क्या सीधे भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी

परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो

भर्ती की विधि : सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जा वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

7

9

9

10

11

जी हां, केवल सीधी भर्ती वालों को:— अनिवार्य:—
बशर्ते कि यह ग्राह्य नहीं होगा, यदि

किसी सीधी भर्ती वाले ने शिक्षा निदेशक (i) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की कम से कम द्वितीय श्रेणी में निष्णात डिग्री अथवा राज्य अथवा संघ शासित क्षेत्र अथवा इसके समकक्ष।
की सरकार अथवा ऐसी किसी सरकारों में (ii) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एक स्वायत्त निकाय में जहां उसे केन्द्रीय संस्था की अध्यापन/शिक्षा में डिग्री सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 अथवा समकक्ष डिप्लोमा।
के नियम 30 (पेंशन) के अंतर्गत सेवा (iii) 10 वर्ष का अनुभव, जिसमें शिक्षा के जोड़े गए सेवा वर्षों के लाभ दिए गए के क्षेत्र में, प्रशासनिक क्षमता में 5 वर्ष शामिल हैं।
हैं, के अधीन पद पर कार्य किया हों। वर्ष शामिल हैं।

आयु: नहीं सीधी भर्ती वालों के लिए शैक्षिक कालम (8) में

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके उपलब्ध न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।

अथवा केन्द्रीय अथवा राज्य अथवा संघ शासित क्षेत्र की सरकार अथवा भारत सरकार की सेवा के साथ इस प्रकार की किसी सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय के अधीन की गई सतत सेवा अतिरिक्त को गिनने के लाभ दिए गए हों।

टिप्पणी: 1 अन्यथा रूप से सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हता में छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2: अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुभव सम्बन्धी अर्हता (अर्हताओं) में छूट दी जा सकती है

यदि चयन के किसी स्तर पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उन समुदायों में से अपेक्षित अर्हता रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिए रिक्तियों को भरे जन्ने के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है

वांछनीय :

- (i) सम्बंधित विषय में डाक्टर डिग्री
- (ii) स्थानीय भाषाओं/बोली का ज्ञान।

यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा होना हो तो वे ग्रेड जिन से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है

यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान है तो उनका संरचना क्या है

परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है

12

13

14

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

(I) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्र के प्रशासकों के अधीन अधिकारी।

(i) नियमित आधार पर सदुप पदधारक, अधवा

(ii) 3000-100-3500-125-5000 रु. के

वर्तमान वाले पदों में 4 वर्ष की नियमित सेवा अधवा

(iii) 3000-100-3500-125-4500 रु. के वर्तमान वाले पदों में 5 वर्ष की नियमित सेवा, अधवा उसके समकक्ष और

(iv) कालम (8) में सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित शैक्षिक प्रवृत्त और अनुभव रखने वाले।

ग्रुप 'क' विभागीय पदोन्नति समिति में निम्न-लिखित अधिकारी शामिल होंगे :

(i) संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य-अध्यक्ष

(2) लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र का प्रशासक

—सदस्य

(3) लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र से सम्बंधित

मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षाविभाग

का संयुक्त शिक्षा सलाहकार संयुक्त सचिव

—सदस्य

हर बार चयन संघ लोक सेवा आयोग परामर्श से किया जाएगा। इन नियमों के किसी भी उपबंधों में संशोधन करते समय/बील बने समय संघ लोक सेवा आयोग से भी परामर्श किया जाना अनिवार्य है।

[फा. सं. 7-13/88-यू. टि. 1]

सतपाल, प्रवर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

New Delhi, the 18th July, 1989

G.S.R. 593.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Lakshadweep Administration, Director of Education Recruitment Rules, 1980, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director of Education, Lakshadweep Administration, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Lakshadweep Administration, Director of Education Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit qualification and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of Post	Classification	Scale of pay	Whether posts or non-selection post
1	2	3	4	5
Director of Education.	1* (1989) *Subject to variation depending on the work-load.	General Central Service, Group 'A' (Gazetted)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.	Not Applicable.

Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits	
6	7	8	
<p>Not exceeding 49 years (Relaxable for Government servant).</p> <p>Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).</p>	<p>Yes. Only to direct recruits :</p> <p>Provided that this benefit shall not be admissible, if such a direct recruit before his appointment as Director of Education has held a post under the Central or a State or a Union Territory Government or in an autonomous body under any or such governments, where he has been given the benefit of added years of service under rule 30 of Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, or has been given the benefit of counting that period of service rendered under the Central or State or Union Territory Govt. or an autonomous body under any such governments with the Government of India service."</p>	<p>Essential :</p> <p>(i) At least 2nd class Master's degree of a recognised University or equivalent</p> <p>(ii) Degree or [equivalent Diploma] in Teaching/Education of a recognised University/Institution.</p> <p>(iii) 10 years' experience including 5 years in an administrative capacity, in the field of education.</p> <p>Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2 : The qualification (s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if, at any stage of Selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from those Communities possessing the requisite experience are not like to be available to fill up the vacancies for them.</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Doctorate Degree in the subject concerned.</p> <p>(ii) Knowledge of local languages/dialect.</p>	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made
9	10	11	12
Age: No; Educational Qualifications : To the extent indicated in column. (8).	1 Year for direct recruits.	By Transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	Transfer on Deputation : (1) Officers under the Central/State-Govts./Union Territories Administration. (i) holding analogous posts on regular basis, or (ii) with 4 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-100-3500-125 5000 or equivalent, or (iii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-100-3500-125 4500 or equivalent; and (iv) possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits in column (8).

If a Departmental promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Group 'A' D.P.C. consisting of :—

- (1) Member of the Union Public Service Commission —Chairman
 (2) Administrator Union Territory of Lakshadweep— —Member
 (3) Joint Educational Adviser/Joint Secretary in the Ministry of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (Department of Education) concerned with Union Territory of Lakshadweep —Member.

Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission. Consultation with the Union Public Service Commission also necessary, while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

[No. F. 7-13/88-UT. II]
 SAT PAL, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 594--राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियुक्ति और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) की अनुमति, सं. मा. का. नि. 197 तारीख 21 मार्च, 1987 का अधिकांश करते हुए, निवेदित करती है कि—

(1) इस आदेश की अनुसूची के भाग 1 के स्लम 1 में विनिर्दिष्ट साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" के पदों की बाबत उक्त अनुसूची के स्लम 2 और 3 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अनुसूची के स्लम 4 में विनिर्दिष्ट शास्त्रियों के संबंध में क्रमशः नियुक्ति और अनुशासनिक प्राधिकारी होंगे; और

(2) इस आदेश की अनुसूची के भाग 2 और 3 के स्लम 2 में विनिर्दिष्ट के साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग" और साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" में पदों के संबंध में उक्त अनुसूची के स्लम 2, 3 और 5 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी इस अनुसूची के स्लम 4 में विनिर्दिष्ट शास्त्रियों के संबंध में क्रमशः नियुक्ति प्राधिकारी, अनुशासनिक प्राधिकारी और अपील प्राधिकारी होंगे।

अनुसूची

भाग-1--साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ख"

पद का वर्णन	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्त्रि अधिरोपित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी, और ऐसी शास्त्रियाँ, जो वे अधिरोपित कर सकेंगे (नियम II की मद संख्याओं के प्रति निर्देश से)	अपील प्राधिकारी	
		प्राधिकारी	शास्त्रियाँ	
1	2	3	4	5
अखिल भारतीय मूदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण में सभी पद	मुख्य मूदा सर्वेक्षण अधिकारी	मुख्य मूदा सर्वेक्षण अधिकारी	सभी	संयुक्त सचिव (मूदा संरक्षण) और (भूमि जोत प्रायुक्त)

भाग 2--साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ग"

1	2	3	4	5
अखिल भारतीय मूदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण में सभी पद	सम्बद्ध प्रादेशिका उपकेन्द्रों के कार्यालय प्रधान	सम्बद्ध प्रादेशिका उप केन्द्रों के कार्यालय का प्रधान	सभी	मुख्य मूदा सर्वेक्षण अधिकारी

भाग 3 साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ"

1	2	3	4	5
अखिल भारतीय मूदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण में सभी पद	सम्बद्ध प्रादेशिका उप केन्द्रों के कार्यालय प्रधान	सम्बद्ध प्रादेशिका उप केन्द्रों के कार्यालय प्रधान	सभी	मुख्य मूदा सर्वेक्षण अधिकारी

[सं. 3-8/88-भूमि]
 जे. एस. जय, धरम सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 18th July, 1989

G.S.R. 594.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) number G.S.R. 197 dated the 21st March 1987, the President hereby directs that—

- (i) in respect of posts in the General Central Services, Group 'B' specified in column 1 of Part I of the Schedule to this Order, the authorities specified in columns 2 and 3 of the said Schedule shall, respectively, be the appointing and disciplinary authority in regard to penalties specified in column 4 thereof; and
- (ii) in respect of posts in the General Central Services, Group 'C' and the General Central Services, Group 'D' specified in column 1 of Part II and III of the Schedule to this Order, the authorities specified in column 2, 3 and 5 of the said Schedule shall, respectively, be the appointing authority, disciplinary authority and appellate authority in regard to penalties specified in column 4 thereof.

SCHEDULE

PART I—General Central Services, Group 'B'

Description of post	Appointing authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose (with reference to item number in rule 11)		Appellate authority
		Authority	Penalties	
1	2	3	4	5
All posts in All India Soil & Land Use Survey.	Chief Soil Survey Officer	Chief Soil Survey Officer	All	Joint Secretary (Soil Conservation) and Land Resources Commissioner.

PART II—General Central Service, Group 'C'

1	2	3	4	5
All posts in All India Soil and Land Use Survey	Head of Office of the concerned Regional/Sub-Centres.	Head of Office of the concerned Regional Sub-Centres.	All	Chief Soil Survey Officer.

PART III—General Central Services, Group 'D'

1	2	3	4	5
All posts in All India Soil & Land Use Survey	Head of Office of the concerned Regional/Sub-Centres.	Head of Office of the concerned Regional/Sub-Centres.	All	Chief Soil Survey Officer

[No. 3-8/88 Land]

K.S. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली 25 जुलाई, 1989

सा. का. नि. 595 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और समेकित मात्स्यकी परियोजना (वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1974 और समेकित मात्स्यकी परियोजना (समूह "ख" पद) भर्ती नियम 1977 को जहाँ तक उनका संबंध वाणिज्यिक लेखाकार, लेखाकार, लागत लेखाकार, ज्येष्ठ भंडारी और अधीक्षक के पदों से हैं, उन बातों के सिवाय अधिकांति करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है समेकित मात्स्यकी परियोजना कोचिन में वाणिज्यिक लेखाकार, लेखाकार, लागत लेखाकार, ज्येष्ठ भंडारी और अधीक्षक के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियम करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम समेकित मात्स्यकी परियोजना (वाणिज्यिक लेखाकार, लेखाकार, लागत लेखाकार, ज्येष्ठ भंडारी और अधीक्षक) भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पदों की संख्या/उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि:— उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहता, वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आवेग द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. अनुसूति:— इस विधियों की कोटि में, ऐसे पदों में, आयु-सीमा में छूट और पदों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संवर्धन में संशोधन पद विभागे में आदेशों के अनुसार अनुसूति जाति, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित क्षेत्रों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम पद आयु या प्रवर्ग पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय हैं, या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
-----------	----------------	----------	---------	------------------------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
(1) लागू लेखाकार	3*(1989)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख"	1640-60-2600	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
(2) लेखाकार			ब.रो. 75-2900 रु.			
(3) वाणिज्यिक लेखाकार	*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	अपेक्षित अनुसूचित				

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।
बिहित आयु और शैक्षिक अर्हता प्रोक्त व्यक्तियों की वक्ता में लागू होगी या नहीं

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोबति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों की प्रतिनियुक्ति

प्रोबति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण/भर्ती की वक्ता में वे श्रेणियों जिनसे प्रोबति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के ऐसे अधिकारी:—

(क) (1) जो नियमित आधार पर सर्वप्रथम पद धारण करते हैं या

(2) जिन्होंने 1400--2300/2600 रुपए वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है ;
या

(3) जिन्होंने 1200--2040 रुपए वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 10 वर्ष नियमित सेवा की है ; और

(ख) जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान या समतुल्य में रोकड़ और लेखा कार्य में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और जिन्हें रोकड़ लेखा और बजट कार्य का तीन वर्ष का अनुभव है। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले घाटित किसी अन्य काइर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

अर्थात् करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

लागू नहीं होता

पद पर नियुक्ति के लिए किसी अधिकारी का चयन करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किरना आवश्यक नहीं है

1	2	3	4	5	6	7
(1) ज्येष्ठ भंडारी	2*	साधारण केन्द्रीय सेवा	1640-60-2800	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं	नहीं
(2) अधीक्षक	(1989) *कार्यभार के आधार पर परि- वर्तन किया जा सकता है।	समूह "ख" अराज- पत्रित अननुसन्धिवीय	दरों-75-2900 रुपए		(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक भिन्नित की जा सकती है।) टिप्पण: आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न ओ अदमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी।	

5

8	9	10
आवश्यक: अधीक्षक के लिए	नहीं	2 वर्ष
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में द्विती या समतुल्य।		
(2) प्रशासन, स्थापन और लेखा मामलों में तीन वर्ष का अनुभव।		
ज्येष्ठ भंडारी के लिए		
(1) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मैकेनिकल या आटोमोबाइल इंजीनियरी में डिप्लोमा या समतुल्य।		

- (2) किसी सरकारी विभाग या लोक संकाय या किसी निजी समुत्पन्न में इंजीनियरी हाईवेयर भंडार के लिए मांग पत्र रखने, त्रय करने, अनुक्षण और लेखा रखने में तीन वर्ष का अनुभव।

टिप्पणी: ग्रहणाएं अन्यथा अर्हति अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पणी 2: अनुभव संबंधी ग्रहणाएं (ग्रहणाएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम और संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति: ऐसा प्रधान लिपिक जिसने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमन सेवा की है जिसके न हो सकने पर ऐसा प्रधान लिपिक जिसने प्रधान लिपिक और उच्च श्रेणी लिपिक/कनिष्ठ प्राणुलिपिक की श्रेणियों में 10 वर्ष नियमन सम्मिलित सेवा की है और दोनों के न हो सकने पर ऐसा उच्च श्रेणी लिपिक/प्राणुलिपिक जिसने कुल 10 वर्ष नियमन सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

राज्य सरकारों के ऐसे अधिकारी—

- (क) (1) जो नियमन प्राप्ता के सङ्ग पत्र धारण करते हैं, या
(2) जिनमें 1400-2300/2600 रुपए वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमन सेवा की है ;
(3) जिनमें 1200-2040 रुपए वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 10 वर्ष नियमन सेवा की है, और
(ख) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तम्भ 8 में अधिकृत ग्रहणाएं और अनुभव है।
(कांडर प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य सङ्गठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य कांडर बाध्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति
(पृष्ठ के लिए)

1. निदेशक, समेकित मात्स्यकी परियोजना, कोचीन—अध्यक्ष;
2. मछली उद्योग विकास आयुक्त—सदस्य ;
3. अवर सचिव, उप-सचिव (मात्स्यकी)—सदस्य;
4. ऐसा समूह "क" राजपत्रित अधिकारी जिसके अधीन संबंधित समूह "ख" कर्मचारी कार्य करता है—सदस्य।

टिप्पण. पृष्ठ से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां/संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदितार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

चयन के प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

New Delhi, the 25th July, 1989

G.S.R. 595.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Integrated Fisheries Project, (Class II Posts) Recruitment Rules, 1974 and the Integrated Fisheries Project (Group 'B' Posts) Recruitment Rules, 1977 in so far as they relate to the posts of Commercial Accountant, Accountant, Cost Accountant, Senior Store Keeper and Super-intendent, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Commercial Accountant, Accountant, Cost Accountant, Senior Storekeeper and Superintendent) Recruitment Rules, 1989.

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Integrated Fisheries Project (Commercial Accountant, Accountant, Cost Accountant, Senior Storekeeper and Superintendent) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, their classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such Person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any Person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i) Cost Accountant	3*	General Central	Rs. 1640-60-2600-	Not applicable.	Not Applicable.	Not Applicable
(ii) Accountant	(1989)	Service Group	EB-75-2900			
(iii) Commercial Accountant	*Subject to variation dependent on work-load.	'B' Non Gazetted Non-ministerial.				
Educational and other qualifications required for direct recruits.			Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees.		Period of probation, if any	
(8)			(9)		(10)	
Not Applicable.			Not Applicable		Not Applicable.	
Method of Recruitment ; Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and the percentage of the vacancies to be filled by various methods			In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made			
(11)			(12)			
By transfer on deputation.			Transfer on Deputation ; Officers of the Central/State Governments :			

SCHEDULE

- (a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or
 (ii) with 5 years' regular service in the posts in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent; or
 (iii) with 10 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1200-2040 or equivalent; and
 (b) Who have undergone training in Cash and Accounts work in the Institute of Secretariat Training and Management or its equivalent and possess three years' experience in Cash, Accounts and Budget work.
 (period of deputation including period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Govt. shall ordinarily not exceed 3 years)

If a Departmental Promotion Committee exists, What is its composition Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making the recruitment

(13)

(14)

Not Applicable

Consultation with the Commission is not necessary while selecting an officer for appointment to the post.

(1)

(2)

(3)

(4)

(i) Senior Storekeeper
 (ii) Superintendent

2*
 (1989)
 *Subject to variation dependent on workload.

General Central Service
 Group 'B' Non Gazetted
 Non Ministerial.

Rs. 1640-60-2600-F B-75-2900

(5)

(6)

(7)

Selection

Not exceeding 30 years.
 (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).
 Note : The Crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).

No

(8)

(9)

(10)

Essential :

For Superintendent :

No

2 years

(i) Degree of a recognised University or equivalent.

(ii) 3 years experience in Administration, Establishment and Accounts matters.

For Senior Storekeeper :

(i) Diploma in Mechanical or Automobile Engineering from a recognised institute or equivalent.

(ii) 3 years experience in inventing, purchase, maintenance and accounting of Engineering Hardware Stores in a Government Department or a Public Body or private concern.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : Qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

(11)

(12)

By promotion, failing which by transfer on deputation, failing both by direct recruitment

Promotion :

Head Clerk with 5 years regular service in the grade failing which Head Clerk with a combined regular service of 10 years in the grades of Head Clerk and Upper Division Clerk/Junior Scribe and failing both by Upper Division Clerk/Scribe with a total regular service of 10 years.

Transfer on deputation :

Officers of the Central/State Governments :

(a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or

(ii) with 5 years regular service in the post in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent; or

(iii) with 10 years regular service in post in the scale of Rs. 1200-2040 or equivalent; and

(b) Possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits under Column 8.

(The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another or cadre post held immediately preceding his appointment in the same or other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).

(13)

(14)

Group 'B' Departmental Promotion Committee (for confirmation)

1. Director, Integrated Fisheries Project, Cochin

— Chairman

Consultation with the Commission necessary on each occasion.

2. Fisheries Development Commissioner

— Member

3. Under Secretary/Deputy Secretary (Fisheries)

— Member

4. Group 'A' Gazetted Officer under the Group 'B' Official concerned is to work/working—Member

Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission at a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by Chairman or Member of the Union Public Service Commission shall be held.

[No. 5-21/83-Fy (Adm.)]

K.V. SRINIVASAN Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जून, 1989

सा.का.नि. 596 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि मंत्रालय (कृषि और सह-कारिता विभाग) में परियोजना निदेशक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रवृत्त :—

1. संक्षिप्त नाम औरारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि और सहकारिता विभाग (परियोजना निदेशक) भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उद्भाव्य अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातों के होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी से जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकार्य विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने लिए पर्याप्त आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए, जो कारण हैं उन्हें दृष्टिगत करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

0

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे प्रारक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य ग्यावर्तों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संघ में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित मैतियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पथ अथवा अचयन पथ	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 39 के अधीन अनुवैध है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
परियोजना निदेशक	1* (1989) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राज- पत्रित।	3700-125-4500- 150-5000 रु.	लागू नहीं होता।	50 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है) टिप्पण : आयु-सीमा अव- धारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उत्तरे भिन्न जो अंशमान और भिकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	हां, केवल सीधे भर्ती की जाने वाले व्यक्तियों के लिए

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।
अर्हताएं विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्य-
क्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

8	9	10
आवश्यक : 1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भूदा विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान में मास्टर डिग्री या समतुल्य। 2. भूदा परीक्षण उर्बरक, गुणवत्ता नियंत्रण और उर्बरक प्रोत्सा- हन सहित उर्बरक के उपयोग के विकास का 10 वर्ष का अनुभव। टिप्पण (1) : अर्हताएं अव्यवस्था मुजदित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं। टिप्पण (2) : अनुभव संबंधी अर्हता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए अर्हक रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समूहों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। वांछनीयः—भूदा या कृषि रसायन विज्ञान में अधिमानतः सूक्ष्म पोषक तत्वों में पी.एच.डी. की डिग्री।	लागू नहीं होता।	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/लोक उद्यमों/ग्रामसंघान संस्थाओं/कृषि विषयविशालयों/स्वायत्तशासी या कानूनी संगठनों के ऐसे अधिकारी :-

(क) (1) जो नियमित आधार पर सर्वश्रेष्ठ पद धारण करते हैं या

(2) जिन्होंने 3000—5000 या 3000—4500 रुपए नैतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 4/5 वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिस्ट्स 8 में विहित शैक्षिक प्रवृत्ताएं और अनुभव हैं।

(प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार का उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर काष्ठ पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया चार वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करवा जायक है।

1. प्रशासन का भारसाधक संयुक्त सचिव -- अध्यक्ष।
2. सर्वोच्च प्रभाग का भारसाधक, संयुक्त सचिव -- सदस्य।
3. प्रशासन का भारसाधक, निदेशक -- सदस्य।

टिप्पणः— पुष्टि में संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी, किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[सं. ए. 12018/1/88-स्था.-1]

सी.बी. गिल्ले, प्रवर सचिव

New Delhi, the 20th June, 1989

G.S.R., 696.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Project Director in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation), namely :—

1. Short title and commencement : ((1) These rules may be called the Department of Agriculture & Cooperation (Project Director) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay: The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification: No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the UPSC, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-serviceman and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	Number of post	Classification	Scale of pay
(1)	(2)	(3)	(4)
Project Director	1*(1989) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 3700-525-4500-150-5000
Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruitment.
(5)	(6)	(7)	(8)
Not applicable.	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). NOTE: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Yes for direct recruits only	Essential : (i) Master's Degree in soil Science or Agricultural chemistry or equivalent of a recognised University (ii) 10 years' experience of development of fertilizer use including soil vesting). Fertilizers quiry control & Fertiliser Promotions, Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion the UPSC in case of candidates otherwise well qualified. Note 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Schedule Tribes if, at any stage of selection, the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Ph. D. in Soil Science or Agricultural Chemistry Preferably in micronutrients

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of proteges.

Period of probation, if any.

(9)	(10)
Not applicable.	One year for direct recruits.

(11)	(12)
Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, places from which promotion/deputation/transfer to be made.
By transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including short-term contract): Officers of the Central Government/State Governments/Union Territories/Public Undertakings/Research Institutions/Agricultural Universities/Autonomous or Statutory Organisations: (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 4/5 year's regular service in posts in the scale of Rs.3000-5000/3000-4500 or equivalent; and (ii) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8. (Period of deputation/contract including period of deputation in another ex-cadre post he immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall not exceed 4 years).

If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
--	---

(13)	(14)
<p>Group 'A' DPC (for confirmation) :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Joint Secretary incharge of Administration—Chairman. 2. Joint Secretary incharge of Fertiliser Division—Member. 3. Director incharge of Administration—Member. <p>Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting, of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.</p>	Consultation with the UPSC necessary on each occasion.

[F.No. A-12018/1/88-Estt.-I]
C.B. PILLAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1989

सा. का. नि. 507--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के पराम्बुल द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के अधीन केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, हैस्टरबट्टा में पोषणविद् के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.-- (1) केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान हैस्टरबट्टा पोषणविद् (भर्ती) नियम, 1989 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.-- उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उभावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।
3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि.-- उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरर्हता, वह व्यक्ति---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह कि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे और विवाह के अन्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य कोषांतर है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, अर्थात् द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति.—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

कुछ और सहकारिता विभाग के अधीन केन्द्रीय कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान, देस्टरबट्टा में पोषणविद् के पद के लिए शर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	सेतनमान	चयन पद्धति	सेवा में जोड़े गए वर्षों का काल या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय नहीं है या नहीं	सीधे शर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
-----------	----------------	----------	---------	------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
पोषणविद्	1* (1989) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क" राजपत्रित अनुसूचितीय	3000-100-3500-125-5000 रु.	लागू नहीं	नहीं	50 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिथिल हो जा सकता है। टिप्पण: आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अध्यापितों से (उनसे जिस जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू कश्मीर राज्य का लद्दाख मंडल, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पोति जिले और चम्पा जिले के पानो उप-मंडल, अंदमान और निकोबार द्वीप तथा सध-द्वीप में है) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

सीधे शर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे शर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए
बिहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं
प्रोक्त व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं।

परिबीजा की अवधि, यदि कोई हो

8	9	10
आवश्यक:	लागू नहीं होता	एक वर्ष

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पशुचिकित्सा विज्ञान या पशुपालन में डिग्री या समतुल्य।

(2) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पशु पोषण में अथवा मातहत: कुक्कुट पोषण में स्नातकोत्तर डिग्री या समतुल्य

- (3) कुक्कुट पालन या पोषण के क्षेत्र के अधीन अध्यापन या अनुसंधान का या किसी बड़े कुक्कुट फार्म के प्रबन्धन का सात वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1: अर्हताएं अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विचकानुसार भिन्न की जा सकती हैं।

टिप्पण 2: अनुभव संबंधी अर्हता संघ लोक सेवा आयोग के विचकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब भिन्न की जा सकती है (है) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

बाल्छीय:

कुक्कुट पोषण डाक्टरेट उपाधि।

भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे या प्रोछति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोछति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोछति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

11

12

सीधी भर्ती द्वारा:

लागू नहीं होता

टिप्पण: पदधारी के प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण या सम्बन्धी बीमारी या अध्ययन छुट्टी या किसी अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या अधिक अवधि के लिए बाहर रहने के कारण हुई रिक्तियाँ केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के आधार पर भरी जा सकती हैं:—

- (क) (1) जो नियमित आधार पर सर्व पद कारण करते हैं, या
(2) जिन्होंने 3000-4500 रु. के वेतनमान या समतुल्य पदों पर 2 वर्ष नियमित सेवा की है, या
(3) जिन्होंने 2200-4000 रु. के वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 7 वर्ष नियमित सेवा की है, और
(ख) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्लैब 8 के अधीन अर्हताएं और अनुभव हैं।

यदि विभागीय प्रोछति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

समूह 'क', विभागीय प्रोछति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए):

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

- (1) पशुपालन आयुक्त—अध्यक्ष,
(2) संयुक्त सचिव (प्रशासन)—सदस्य,
(3) संयुक्त आयुक्त (कुक्कुट)—सदस्य।
(4) रूप सचिव/निदेशक (पशुपालन)—सदस्य।

टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोछति समिति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोछति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

New Delhi, the 31st July, 1989

S.O. 597.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Nutritionist, Central Poultry Training Institute, Hessarghatta, in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Central Poultry Training Institute, Hessarghatta, (Nutritionist) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, its classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereby shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the Post of Nutritionist, Central Poultry Training Institute, Hessarghatta under Department of Agriculture and Cooperation

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post.
1	2	3	4	5
Nutritionist	1 * (1989) Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 3000-100-3500 125-5000.	Not applicable.
Age limit for direct recruits.		Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.
6	7	8	9	
Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those from Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	- No.	Essential: (i) Degree in Veterinary Science or Animal Husbandry from a recognised University or equivalent (ii) Post-graduate degree in Animal Nutrition preferably in Poultry Nutrition, from a recognised University or equivalent. (iii) Seven years' experience in teaching and/or Research in the field of Poultry Nutrition or in the management of a large poultry farm. Note: 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commissioner, in case of candidates otherwise well qualified. Note: 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service	Not applicable.	

Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable:—Dôctorate in Poultry Nutrition.

Period of probation if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.
10	11	12
One year	By direct recruitment. Note: Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long illness or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled by transfer on deputation basis from officers of Central Government: (a) (i) holding analogous posts on a regular basis: or (ii) with 2 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-4500/- or equivalent: or (iii) with 7 years' regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000/- or equivalent: and (b) possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under Column 8.	Not applicable.

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
13	14
Group 'A' Departmental Promotion Committee (for confirmation) 1. Animal Husbandry Commissioner—Chairman. 2. Joint Secretary (Administration)—Member. 3. Joint Commissioner (Poultry)—Member. 4. Deputy Secretary/Director (AH)—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary.
Note: "The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	

[No. 12-3/82-LD-II]

R. KANDIR, Under Secy.

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 598--गेहूँ का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 जिन्हें केन्द्रीय सरकार कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए और गेहूँ का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1961 को अधिकांश करने हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 45 दिन की समाप्ति पश्चात् विचार किया जाएगा।

कोई व्यक्ति जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत कोई मुद्दा या आक्षेप भेजना चाहे वह उन्हें संयुक्त कृषि विपणन सलाहकार, विपणन और निरीक्षण निवेशालय, सी जी ओ भवन, एन.एच.-4 फरीदाबाद को इस प्रकार विहित कालावधि के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए भेज सकता है।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना--(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम गेहूँ का आटा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1989 है।

(2) ये भारत में उत्पादित गेहूँ के आटे को लागू होंगे।

2. परिभाषाएँ--इन नियमों में--

(1) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;

(2) "प्राधिकृत पैकर" से वह व्यक्ति या व्यक्तियों का निकल अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार वस्तु के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र दिया गया है ;

(3) "प्राधिकार प्रमाणपत्र" से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1937 के अधीन जारी किया गया ऐसा प्रमाण पत्र अभिप्रेत है जिसमें किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय को श्रेणी अभिधान बिन्दु से वस्तु के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए प्राधिकृत किया गया है ;

(4) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान--गेहूँ के आटे को क्वालिटी को उपर्युक्त करने के लिए श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची I और अनुसूची III के स्तम्भ (1) में दिया गया है।

4. क्वालिटी को परिभाषा--संबंधित श्रेणी अभिधान द्वारा उपर्युक्त की गई क्वालिटी वह होगी, जो अनुसूची-1 के स्तम्भ (2) से (8) में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने दी गई है।

5. श्रेणी अभिधान बिन्दु--श्रेणी अभिधान बिन्दु में निम्नलिखित होंगे:--

(1) वस्तु का नाम बिमिडिंट करने वाला लेबल, श्रेणी अभिधान और डिजाइन, जिसमें अनुसूची 2 (क) में दिए गए से मिलता जुलता भारत के मानचित्र के बाके में "एगमार्क" शब्द और "भारतीय उत्पाद" और Product of India शब्दों के साथ उगते हुए सूरज की आकृति हो, या

(2) "एगमार्क प्रतिरूप" जिसमें एक डिजाइन हो, जिसमें अनुसूची 2(ख) में दिए गए से मिलता जुलता प्राधिकार प्रमाणपत्र

का संश्लेष, "एगमार्क" शब्द, वस्तु का नाम और श्रेणी अभिधान सम्मिलित हो ;

परन्तु एगमार्क लेबल को बजाय एगमार्क प्रतिरूप का उपयोग लिखित आदेश करने पर केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरों को, जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा आवश्यक अनुज्ञा अनुदत्त की गई है,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जाएगा:--

(क) यह कि आवश्यक प्राधिकार प्रमाणपत्र का कम से कम पूर्ववर्ती दो वर्षों के लिए धारक रहा हो जिसके दौरान ये श्रेणीकरण संबंधी कार्य संतोषजनक रहा हो ;

(ख) यह कि आवेदक ने, पूर्ववर्ती दो वर्षों के दौरान 1 कि. ग्रा. शुद्ध भार तक के पैकेजों के लिए कम से कम पचास हजार एगमार्क लेबलों का प्रयोग किया हो ; और

(ग) यह कि आवेदक उनके समय-समय पर संशोधित सुसंगत अनुदेशों का पालन करता हो।

6. चिह्नित करने की पद्धति:--(1) श्रेणी अभिधान बिन्दु कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में प्रत्येक आधान पर अच्छी तरह से चिपकाया या नूत्रित किया जाएगा।

(2) श्रेणी अभिधान बिन्दु के अनुरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियाँ प्रत्येक आधान पर सुस्पष्ट रूप से और अमिट रूप में चिह्नित की जाएगी:--

- (1) पैकर का नाम;
- (2) पैक करने का स्थान;
- (3) पैक करने की तारीख;
- (4) भवसान की तारीख (यदि लागू हो)
- (5) शुद्ध भार;
- (6) लाट संख्यांक ;
- (7) ग्रेड।

(3) प्राधिकृत पैकर, संयुक्त कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में आधानों पर अपने प्राइवेट व्यापार चिह्न चिह्नित कर सकेगा, परन्तु प्राइवेट व्यापार चिह्न उक्त क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न व्यपदिष्ट नहीं करेगा, जो इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान बिन्दु द्वारा उपर्युक्त है।

7. पैक करने की पद्धति:--(1) गेहूँ का आटा साफ, मजबूत और शुष्क आधानों में जैसे कि कपड़े के थैले, जूट के थैले, पालि के थैले हुए थैले, टिन आधानों, जिनके ढक्कन वायुमुक्त हों, स्तरित पैकेज, जैसे पॉलिथिन / केनवस, पॉलिथिन/हैसियन कागज/पॉलिथिन / हैसियन या किसी अन्य सामग्री के जिन कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाए, में पैक की जाएगी।

(2) आधान पूर्णतः या सागतः किसी ऐसे विषये या हानिकारक पदार्थों के नहीं बने हों जिससे अंतर्बस्तु स्वास्थ्य के लिए हानिकार हो ;

(3) आघान कीट गसन, कतक संवृण या किसी अवांछनीय संघ से मुक्त होंगे।

(4) प्रत्येक पैकेज में केवल एक अणु का अणुबद्ध गेहूँ का आटा होना। छोटे पैकों की समुचित संख्या, जिसमें उसी साट और अणु अविधान की अणुबद्ध न ग्रा अन्विकिट है, बड़े मास्टर आघान में कप की जा सकती।

परशु सनी पैकेजों पर समुचित अणु अविधान बिहून गने होंगे और उसकी विशिष्टियाँ मास्टर आघान पर लगाए गए बड़े लेबल पर उपस्थित होंगी।

(5) प्रत्येक आघान सुरक्षित रूप से और ऐसी रीति में बंद किया जाएगा, जो कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित की जाए।

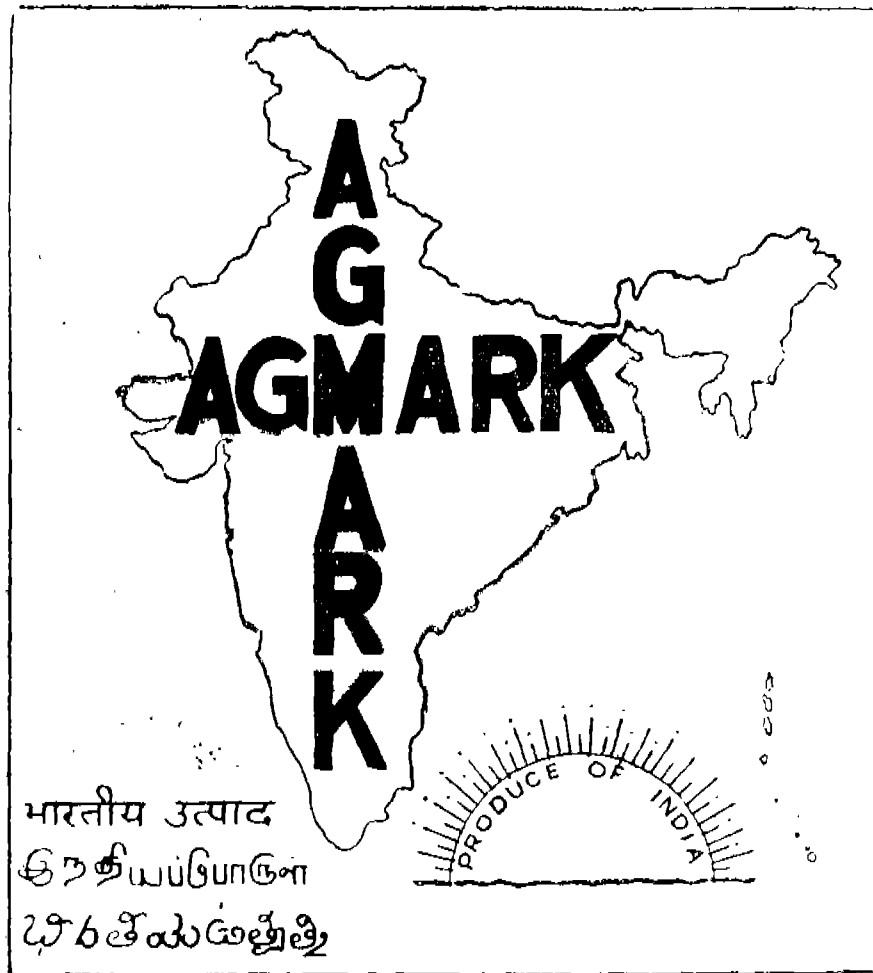
अनुसूची

गेहूँ के आटे का अणु अविधान और क्वालिटी की परिभाषा

अणु अविधान	अधिकतम बार में	अधिकतम बार में	अधिकतम बार में	अधिकतम शुष्क	अधिकतम बार में	न्यूनतम बार में	साधारण	लक्षण
प्रारंभ प्रतियोगिता	कुल अम्ल (शुष्क	अम्ल अम्लिय	अम्ल अम्लिय	अम्ल अम्लिय	अम्ल अम्लिय	अम्ल अम्लिय	अम्ल अम्लिय	अम्ल अम्लिय
	आघार पर)	अम्ल (शुष्क	अम्ल (शुष्क	अम्ल (शुष्क	अम्ल (शुष्क	अम्ल (शुष्क	अम्ल (शुष्क	अम्ल (शुष्क
	प्रतिशतता	आघार पर)	आघार पर)	अम्ल (90%	अम्ल (90%	अम्ल (90%	अम्ल (90%	अम्ल (90%
		प्रतिशतता	प्रतिशतता	एल्कोहल सहित)	एल्कोहल सहित)	एल्कोहल सहित)	एल्कोहल सहित)	एल्कोहल सहित)
				के रूप में अम्ल-	के रूप में अम्ल-	के रूप में अम्ल-	के रूप में अम्ल-	के रूप में अम्ल-
				अम्ल एल्कोहल	अम्ल एल्कोहल	अम्ल एल्कोहल	अम्ल एल्कोहल	अम्ल एल्कोहल
				सिक्त अम्लता	सिक्त अम्लता	सिक्त अम्लता	सिक्त अम्लता	सिक्त अम्लता

1	2	3	4	5	6	7	8
विशेष मानक	12.0 14.0	1.5 2.0	0.10 0.15	0.10 0.15	2.0 2.5	9.0 7.0	गेहूँ का आटा :- 1. साफ और पुष्ट गेहूँ के प्रेषण द्वारा या पीस कर अभिप्राप्त किया जाए। *जब गेहूँ का आटा गेहूँ को बरकी में पिसवाकर अभिप्राप्त किया जाए तो आघान पर "बक्की" शब्द स्थापित किया जाएगा। 2. उसका रंग सफेद से लेकर हल्के ब्राउन तक होगा और उसका विशेष स्वाद और महक होगी; 3. इतना बढ़िया होगा कि कम से कम 98% सामग्री 500 माइक्रन से होकर गुजरे; 4. बासीपन कीट या फफूंदी गसन किण्वित फफूंदीदार या किसी अप्रतिजलक दुर्गन्ध से मुक्त होगा; और 5. अपमिश्रणों और अन्य वास्तविक पदार्थों जैसे कृन्तक बालों और बिछा आदि से मुक्त होगा।

अनुसूची 2-क
[नियम 5(1) देखिए]
एगमार्क लेबन का डिजाईन



अनुसूची 2-ख
(नियम 5(2) देखिए)
एगमार्क प्रतीक का डिजाईन



अनुसूची - 3

[नियम 3 और 5(1) देखिए]

पौलिपथिलीन लगे कागज या कापड़े के थैलों या घातु के छायाओं के लिए निम्न पर पेट्ट

श्रेणी अभिधान	प्रक्षरों का रंग
(1)	(2)
गेंहूँ का आटा—विशेष श्रेणी	लाल
गेंहूँ का आटा—मानक श्रेणी	नीला

ब्री—टूट्टल जट के थैलों या पौलिथीन ब्रीगों के लिए ब्रॉउ लेबल

श्रेणी अभिधान	प्रक्षरों का रंग
(1)	(2)
गेंहूँ का आटा—विशेष श्रेणी	लाल
गेंहूँ का आटा—मानक श्रेणी	नीला

[सं. एफ. 16-1/88—एम. आई.]

संस्था: गौरीयन, संस्कृत मन्त्रि

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 25th July, 1989

S.O. 598.—The following draft of Wheat Atta Grading and Marking Rules, 1988, which the Central Government proposes to make, in exercise of powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), and in supersession of the Wheat Atta Grading and Marking Rules, 1961, is hereby published as required by the said section for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date on which copies of Official Gazette in which the notification is published are made available to the public.

Any person desiring to make any suggestion or objection in respect of the said draft rules, may forward the same for consideration by the Central Government within the period so specified, to the Joint Agricultural Marketing Adviser, Directorate of Marketing and Inspection, C.G.O. Building, N.H. IV, Faridabad.

DRAFT RULES

1. Short titles and application.—(1) These rules may be called the Wheat Atta Grading and Marking Rules, 1988.

(2) They shall apply to Wheat Atta produced in India.

2. Definitions.—In these rules,

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India ;

(2) "authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of

authorisation to grade and mark the commodity in accordance with the grade standards and procedure prescribed under these rules.

(3) "certificate of authorisation" means a certificate issued under the General Grading and Marking Rules 1937 authorising a person or a body of persons to grade and mark the commodity with the grade designation mark ;

(4) "Schedule" means a Schedule appended with these rules.

3. Grade designation.—The grade designation to indicate the quality wheat atta shall be as set out in column (1) of Schedule I and Schedule III.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the respective grade designations shall be as set out against each grade designation in column (2) to (8) of Schedule-I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of :—

(1) a label specifying name of the commodity, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising Sun with words "Produce of India" and resembling the one as set out in schedule II (A).

(2) "Agmark Replica" consisting of design incorporating the number of certificate of authorisations the word "Agmark" name of the commodity and grade designation and resembling the one as set out in schedule II (B) :

Provided that the use of Agmark replica in lieu of Agmark label will be allowed only by such authorised Packers who have been granted necessary permission on application in writing, by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard and subject to the following conditions :

(a) that the applicant has been holder of certificate of authorisation for atleast two preceding years and during which the grading performance has been satisfactory ;

(b) that the applicant has, during the preceding two years, used not less than fifty thousand Agmark label per annum for packages upto 1 kilogram net weight ; and

(c) that the applicant abides by the relevant instructions framed thereof as amended from time to time.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard.

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly and indelibly marked on each container :

(i) Name of the packer ;

(ii) Place of packing ;

(iii) Date of packing.

(iv) Date of expiry.

(v) Net weight.

(vi) Lot number.

(vii) Grade.

(3) An authorised packer may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard, mark his private trade mark on the containers in a manner approved by the said officer provided that the private trade marks do not represent quality or grade different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with the rules.

7. Method of packing.—(1) Wheat Atta shall be packed in sound, clean and dry containers such as cloth bags, jute bags, polywoven bags, tin containers with airtight lids, laminated packages, like polyethylene/canvas, polyethylene/Hessian paper/polyethylene/Hessian, or any other material as

may be approved by the Agricultural Marketing Adviser or (an officer authorised in this regard).

(2) The containers shall not be composed, wholly or partly, of any poisonous or deleterious substances which will render the contents injurious to health.

(3) The containers shall be free from insect infestation, fungus contamination or any undesirable smell.

(4) Each package shall contain graded Wheat Atta of one grade only. Suitable number of small packs containing graded material of the same lot and grade designation may be packed in a large master container provided that all the packages shall bear appropriate grade designation mark and the tie on labels on the master container shall indicate particulars of the same.

(5) Each container shall be securely closed in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised in this regard.

SCHEDULE-I

Grade designation and definition of quality of wheat atta

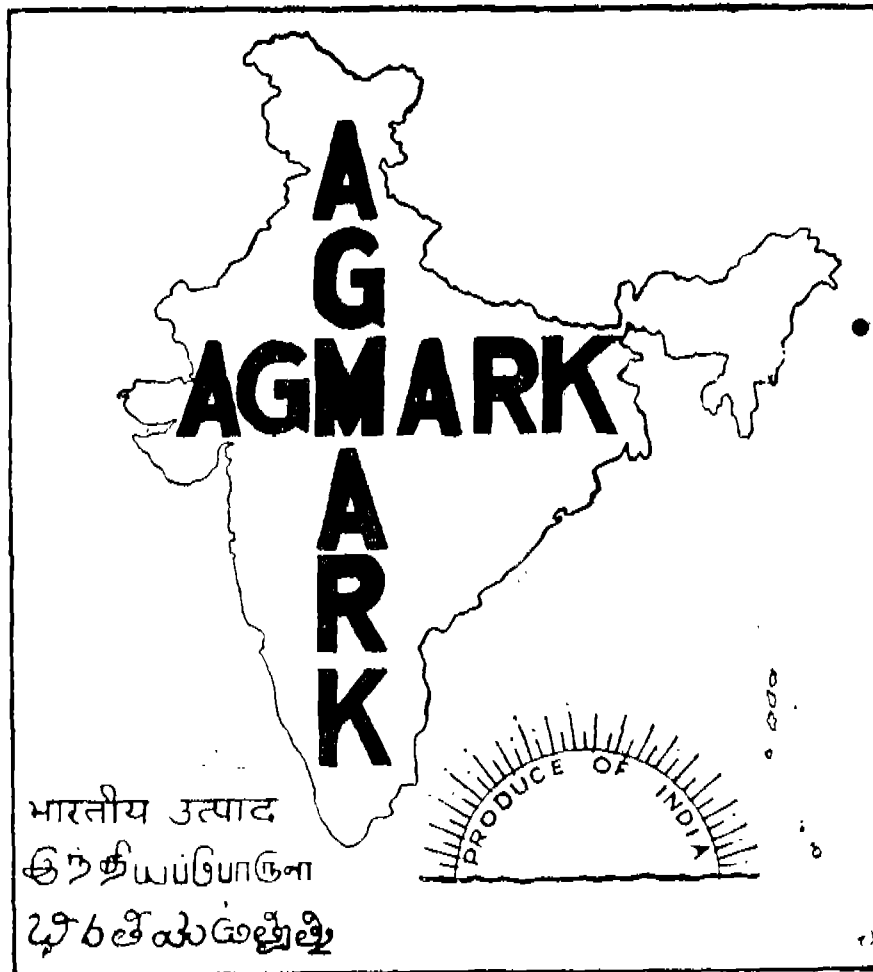
Grade designation	Moisture percent by weight Maximum	Total ash (on dry basis) percent by weight maximum	Acid insoluble ash (on dry basis) percent by weight maximum	Alcoholic acidity expressed as sulphuric acid (with 90% alcohol percent on dry weight basis maximum	Crude fibre (on dry basis) percent by weight maximum	Gluten (on dry basis) per cent by weight minimum	General Characteristics
1	2	3	4	5	6	7	8
Special	12.0	1.5	0.10	0.10	2.0	9.0	The wheat atta shall : 1. be obtained by milling or grinding clean and sound wheat.* 2. be whitish to light brown in colour, having characteristic taste and flavour 3. be of the fineness that not less than 98 percent of the material passes through 500 micron sieve 4. be free from rancidity, insect or fungus infestation, fermented must or any other objectionable odour and 5. be free from adulterants and other extraneous matter like rodent hair and excreta etc.
Standard	14.0	2.0	0.15	0.15	2.5	7.0	

*When wheat atta is obtained by grinding wheat in stone mills (chakkis), the word "Chakki" shall be stamped on the container.

SCHEDULE-II (A)

[(See rule 5(1)]

Design of Agmark label



SCHEDULE—II (B)

[(See rule 5(2)]

Design of Agmark replica.



SCHEDULE-III
[See rules 3 and 5(1)]

Paste on label for polyethylene backed paper or cloth bags or tin containers.

Grade designation	Colour of lettering
(1)	(2)
Wheat Atta—Special Grade	Red
Wheat Atta—Standard grade	blue

Tie-on label for B-twill jute bags or polywoven bags.

Grade designation	Colour of lettering
(1)	(2)
Wheat Atta—Special grade	red
Wheat Atta—Standard grade	blue

[No. 10-1/88-MI]
SARALA GOPALAN, Jr. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1989

सा. का. नि. 399 --राष्ट्रपति, मविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय भारतीय कारबकोपिवा प्रयोगशाला, गाजियाबाद (वर्ग 3 और 4 पद) शर्ती नियम, 1969 का, जहाँ तक उनका संबंध प्रयोगशाला सहायक के पद से है, उन बातों के सिवाए अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकमण से पहले किया गया है या करने का योज किया गया है, केन्द्रीय भारतीय कारबकोपिवा प्रयोगशाला, गाजियाबाद में प्रयोगशाला सहायक के पद पर शर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय भारतीय कारबकोपिवा प्रयोगशाला, गाजियाबाद (प्रयोगशाला सहायक) शर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उदाहरण अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. शर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अन्य प्रहृताएं आदि : उक्त पद पर शर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, प्रहृताएं और उससे संबंधित अन्य बातें जहाँ-जहाँ उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहृता, वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार का याग स्वोय विधि के अन्तर्गत अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेंगे।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण उन्हें लेखबद्ध करने तथा इन नियमों के किसी उपबंध की किसी वर्ग या प्रवर्तन के व्यक्तियों को बाधित, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेंगे।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुपूर्व सीतिका और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

घनसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	न्यूनतम पद प्रवर्धन पद	सेवा में जाड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अधीन प्रयुज्य है या नहीं।	सोचें वर्तनी किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रायु-सीमा
-----------	----------------	----------	---------	------------------------	--	--

1	2	3	4	5	6	7
प्रयोगशाला सहायक	11* *(1989) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "अ" पराजपेक्षित घनसूचिबद्ध	975-25-1150- द.री.-30-1540 रुपये	न्यूनतम	नहीं	18 से 25 वर्ष सरकारी सेवाओं के लिए निश्चित करके 35 वर्ष तक टिप्पण: प्रायु सीमा प्रवर्धित करने के लिए निम्नलिखित तारिख भर्ती में प्रवर्धितों से (जैसे सिद्धांत, प्रमम, मेवालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, सिक्किम, त्रिपुरा, मिजोरम, जम्मू-कश्मीर राज्य के महात्मा मण्डल, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पोति जिला और चंबा जिले की पानी डा-मण्डल प्रवर्धित और निम्नोद्धारणीय तथा मध्योप में हैं। जावेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।)

सोचें वर्तनी किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य प्रवर्धन सोचें वर्तनी किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की प्रवर्धन यदि कोई हो बिहित प्रायु और शैक्षिक प्रवर्धन प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगे या नहीं

8	9	10
जब विज्ञान और/या रसायन के साथ विज्ञान में स्नातक या विज्ञान में प्रायु: नहीं इंटरमीडिएट और किसी परीक्षण संस्था या प्रयोगशाला में कम से कम शैक्षिक प्रवर्धन: नहीं। 3 वर्ष कार्य किया हो।	परन्तु विज्ञान के साथ इंटरमीडिएट या समतुल्य	2 वर्ष।

वर्तनी की पद्धति/वर्तनी सोचें होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण द्वारा वर्तनी की दशा में वे श्रेणियां जिसे तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा जारी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिबन्धना प्रोन्नति/प्रतिनिधित्व/स्थानांतरण किया जाएगा

11	12
(i) 75 प्रतिशत सीधी वर्तनी द्वारा (ii) 25 प्रतिशत सीधी वर्तनी द्वारा जिसके तहत हो सकते पर सीधी वर्तनी द्वारा।	800-1150 रुपये वैतनमान में ऐसे प्रयोगशाला परिचरों में से प्रोन्नति जिन्होंने इस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

यदि विभागीय प्रोन्नति सम्मति है, तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन्तु परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श किया जाएगा।

13

14

विभागीय प्रोन्नति सम्मति :

लागू नहीं होता।

(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

1. निदेशक, केन्द्रीय भारतीय फार्मेकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद—अध्यक्ष
2. उच्चेष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-1, केन्द्रीय भारतीय फार्मेकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद—सदस्य
3. उप निदेशक, प्रशासन, स्वास्थ्य सेवा महाविभाग, जो केन्द्रीय भारतीय फार्मेकोपिया, प्रयोगशाला, गाजियाबाद का सार्वसाधक हों—सदस्य

[सं. बी.-12015/3/89-डी (डी एम एम एंड बी एफ ए)]

श्रीमती ए. किशोर, सचिव, मंत्रालय

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 6th July, 1989

G.S.R. 599.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1969, in so far as they relate to the post of Laboratory Assistant, except as respects things done or omitted to be done before such supersession the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Laboratory Assistant in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad (Laboratory Assistant) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of CCS (pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Laboratory Assistants	11* (1989) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted, Non-Midsterial	Rs. 975-25-1150 EB-30-1540.	Selection	No	18 to 25 years. (Relaxable upto 35 years for Central Government Servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipts of applications from candidates in Indian (and not the closing date prescribed for those in

Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul & Spiti district and Pangi sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep.

Educational Qualifications required for direct recruits.	Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any.	Method of Recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
8	9	10	11
Graduate in Science with Biology and/or Chemistry or Intermediate in Science with atleast 3 years of work in a testing Institution or a Laboratory.	Age : No; Educational Qualifications: Not but must be Intermediate or equivalent with Science.	2 Years	(i) 75% by direct recruitment. (ii) 25% by promotion failing which by direct recruitment.
12	13	14	
In a direct recruit by promotion/deputation/transfer, grades/posts from which deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
Promotion from Laboratory Attendants in the pay scale of Rs. 800-1150 with three years regular service in the grade.	Departmental Promotion Committee : (for considering promotion/confirmation consisting of :— 1. Director, Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad—Chairman. 2. Senior Scientific Officer-I, Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad—Member 3. Deputy Director of Administration in the Dte. Gen. of Health Services, in charge of Central Indian Pharmacopoeia Lab. Ghaziabad—Member	Not Applicable.	

[No. B/12015/3/89-D(DMS & PFA)]

SMT. A. KISHORE, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(प्रसारणिक ऊर्जा स्रोत विभाग)

नई दिल्ली, 22 जून, 1989

सं. का. नि. 600— राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल अनुच्छेद 309 के प्रत्येक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रसारणिक ऊर्जा स्रोत विभाग समूह के राजपत्रित पद (अनुसूचिकीय, वैज्ञानिक और तकनीकी) नियम, 1988 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रकृति—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रसारणिक ऊर्जा स्रोत विभाग समूह के राजपत्रित पद (अनुसूचिकीय, वैज्ञानिक और तकनीकी) संशोधन नियम, 1989 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. प्रसारणिक ऊर्जा स्रोत विभाग समूह के राजपत्रित पद (अनुसू-

चिकीय, वैज्ञानिक और तकनीकी) नियम, 1988 के नियम 4 के उप-नियम (2) में—

- (2) "प्रगती उत्पन्न श्रेणी में प्राप्ति के लिए अधिकारियों को उत्पन्नता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न पदों को अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट मूल्यांकन बोर्ड की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार होगी जिसमें ऐसे सभी विभागीय अधिकारियों के मामलों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने उस वर्ष की 1 जनवरी को प्रगती प्रगती श्रेणी में आवेगित अर्हक सेवा पूरी कर ली है।" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द, अर्थ और अक्षर रखे जाएंगे, अर्थात्—
- "प्रगती उत्पन्न श्रेणी में प्राप्ति के लिए अधिकारियों को उत्पन्नता का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न पदों को अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट मूल्यांकन बोर्ड की बैठक वर्ष में कम से कम दो बार होगी जिसमें ऐसे सभी विभागीय अधिकारियों के मामलों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने उस वर्ष

की 1 मई और 1 नवम्बर की अपनी अपनी प्रती गणना
अर्थात् सेवा पूरी कर ली है।

[फा सं. 36/2/87-प्रशा. - 1]

के. टी. ईश्वरन, ज्वर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Non-Conventional Energy Sources)

New Delhi, the 22nd June, 1989

G.S.R. 600.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Non-Conventional Energy Sources, Group 'A' Gazetted Posts (non-ministerial scientific and technical) Rules, 1988, namely :—

- (1) These rules may be called the Department of Non-Conventional Energy Sources Group 'A' Gazetted posts (non-ministerial, scientific and technical) Amendment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Non-Conventional Energy Sources, Group 'A' Gazetted posts, (non-ministerial, scientific and technical) Rules, 1988, in rule 4, in sub-rule (2), for the words, figures and letters "The Assessment Board as specified in the schedule to the various posts shall meet at least once a year and shall consider the cases of all Department officers who have rendered the requisite qualifying service in the respective grade or 1st January of the year to assess their suitability for promotion to the next higher grade", the following words, figures and letters shall be substituted namely :—

"The Assessment Board as specified in the Schedule to various posts shall meet at least twice a year and shall consider cases of all departmental officers who have rendered the requisite qualifying service in the respective grade on 1st May and 1st November of the year to assess their suitability for promotion to the next higher grade".

[F. No. 36/2/87-Admn. I]

K. T. FASWARAN, Under Secy.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1989

मा. का. नि. 601.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और राष्ट्रीय एटलस संगठन (हिंदी अधिकारी) भर्ती नियम, 1978 को उन बातों के सिवाय, अधिकांश करते हुए, जिन्हें ऐसे अधीक्षण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय एटलस और थर्मेटिक मानचित्रण संगठन (हिंदी अधिकारी) भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-मर्यादा, वर्गीकरण और बेतनमान : उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान वह होगा जो इन नियमों में उपाबद्ध अनुसूची स्तम्भ 2 में स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट है।

4. निरुद्धता, वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, !

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञ है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध की किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये उपबंध करना अपेक्षित है।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	अनुसूची	सोचे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा
					सेवा में जोड़े हुए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञ है या नहीं	
1	2	3	4	5	6	7
हिंदी अधिकारी	1*	मा.धारण (1989) केन्द्रीय सेवा	2000-60-2300- द.रो-75-3200	चयन	नहीं	35 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये)

समूह "ख" 100-3500 रुपये
राजपटिल

अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी
सेवकों के लिये 5 वर्ष तक शिक्षण की
जा सकती है।)

*कार्यभार के
आधार पर
परिवर्तन किया
जा सकता है।

टिप्पण: आयु-सीमा व्यवहारित करने के लिए
निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से
(उत्तरे भिन्न जो अंदमान और निकोबार
द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त
करने के लिये नियत की गई अंतिम
तारीख होगी।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों परीक्षा की अवधि यदि कोई हो
के लिये बहिर्गत आयु और शैक्षिक
अर्हताएं प्रोत्तम व्यक्तियों की दशा में
लागू होगी या नहीं

8

9

10

आवश्यक :

नहीं

2 वर्ष

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी में मास्टर डिग्री या समतुल्य
साथ ही डिग्री स्तर पर अंग्रेजी एक वैकल्पिक विषय के रूप में रही हो।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में अंग्रेजी में मास्टर डिग्री या समतुल्य साथ
ही डिग्री स्तर पर हिंदी एक वैकल्पिक विषय के रूप में रही हो।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में मास्टर डिग्री साथ
ही डिग्री स्तर पर हिंदी और अंग्रेजी वैकल्पिक विषय के रूप में रही हो।

(ii) हिंदी में शब्दावली कार्य और/या अंग्रेजी से हिंदी में और विपर्ययेन अनुवाद
अधिमार्ग: तकनीकी और वैज्ञानिक साहित्य का 5 वर्ष का अनुभव।

टिप्पण. 1 अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में मंच लोक सेवा
आयोग के विवेकानुसार शिक्षण की जा सकती है।

टिप्पण. 2 अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) मंच लोक सेवा आयोग के विवेका-
नुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों
की दशा में सब शिक्षण की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी
प्रक्रम पर मंच लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिये
आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अनुभव रखने वाले
उन सम्प्रदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की
संभावना नहीं है।

बांछनीय: (i) पत्रकारिता का अनुभव और जनसंपर्क कार्य में अभिरुचि।

(ii) संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं का ज्ञान।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तम द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानांतरण द्वारा
तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिगणना

प्रोत्तम/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे
प्रोत्तम/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जायेगा

11

12

प्रोत्तम द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा और दोनों
के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोत्तम: ऐसा हिंदी 'अनुवादक' जिसने नियमित आधार पर नियुक्ति के
पश्चात् उस श्रेणी में 8 वर्ष की सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :

केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी जो नियमित आधार पर सदृश
पथ धारण कर रहे हैं या जिसने 1640-2900/1400-2300 रुपये

वैतनमान या समतुल्य में क्रमशः 3/8 वर्ष सेवा की है और जिसके पास सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये स्तम्भ 8 में अधिकारित प्रहताएं और अनुभव है।

(फोडर प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिये विचार किये जाने के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किये गये व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिये विचार किये जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य कांडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, माधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिये:

- (1) निदेशक, राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन—अध्यक्ष
- (2) संबंधित निदेशक/उप सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—सदस्य
- (3) संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन (चक्रानुक्रम से)—सदस्य
- (4) उप निदेशक (चक्रानुक्रम से), राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन—सदस्य

विभागीय प्रोन्नति समिति पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिये:

1. निदेशक, राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन—अध्यक्ष
2. संबंधित निदेशक/उप सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—सदस्य
3. संयुक्त निदेशक (चक्रानुक्रम से) राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन—सदस्य
4. उप निदेशक (चक्रानुक्रम से) राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन—सदस्य

टिप्पण: पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

सीधे भर्ती/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/पुष्टि के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[फा. सं. एम एम/01/059/88]

वीरेन्द्र कपूर, ईस्क अधिकारी

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

(Department of Science & Technology)

New Delhi, the 17th July, 1989

G.S.R. 601.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the National Atlas Organisation (Hindi Officer) Recruitment Rules, 1978, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Atlas and Thematic Mapping Organisation (Hindi Officer) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification :—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission,

relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts.	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S (Pension) Rules, 1972.	Age limit for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Hindi Officer	*1 (1989) *Subject to variation dependent on workload	General Central Service Group B, Gazetted	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.	Selection	No.	35 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions and orders issued by the Central Government). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)
Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case		Period of probation if any	Method of Recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	
8		9		10	11	
Essential:		No		2 years	By promotion failing which, by transfer on deputation and failing both, by direct recruitment.	
(i) Master's Degree from a recognised University of equivalent in Hindi with English as an elective subject at Degree level.						
or						
Master's Degree of a recognised University or equivalent in English with Hindi as an elective subject at Degree level.		or				
Master's Degree of a recognised University or equivalent in any subject with a Degree level						
Hindi and English as elective subject at						

8	9	10	11
<p>(ii) 5 years' experience of terminological work in Hindi and/or translation work from English to Hindi and vice versa preferably of technical and Scientific literature.</p> <p>Note: 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note: 2. The qualifications regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable:</p> <p>(i) Journalistic experience and aptitude for public relation work.</p> <p>(ii) Knowledge of Sanskrit and other Indian languages.</p>			
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
12	13		
<p>Promotion: Hindi translators with 8 years service in the grade rendered after appointment there to on a regular basis.</p> <p>Transfer on deputation: Officers under the Central Government holding analogous posts on regular basis of with 3/8 years regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 Rs. 1400-2300 or equivalent respectively and possessing the qualifications and experience laid down for direct recruits in column 8.</p> <p>(Departmental officers in the feeder grade who are in direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputations its shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.)</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation department shall not exceed 3 year.</p>	<p>Departmental Promotion Committee for considering promotion:</p> <p>(i) Director, National Atlas and Thematic Mapping Organisation—Chairman.</p> <p>(ii) Director/Deputy Secretary concerned, Department of Science and Technology—Member.</p> <p>(iii) Joint Director, National Atlas and Thematic Mapping Organisation (by rotation)—Member.</p> <p>(iv) Deputy Director (by rotation), National Atlas and Thematic Mapping Organisation—Member.</p> <p>Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval.</p> <p>If, however, these are not approved by the Union Public Service Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Service Commission shall be held.</p>	<p>Consultation with Union Public Service Commission is necessary while making direct recruitment/transfer on deputation/confirmation.</p>	

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 602:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत मौसम विज्ञान सेवा (समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1978 का और मण्डलन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं: अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत मौसम विज्ञान सेवा (समूह "क" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. भारत मौसम विज्ञान सेवा (समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1978 की अनुसूची में, मौसम विज्ञानी श्रेणी 1 के पद के सामने, स्तंभ 8 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:-

"आयु : नहीं"

शैक्षिक अर्हताएं : स्तंभ 7 में विहित अर्हताएं हो या मौसम विज्ञान या यंत्रोपकरण या इस्तेमाल या अन्य महत्वपूर्ण विषयों में विश्वीय उच्च प्रशिक्षण उत्तीर्ण किया हो।"

[फा. सं.ए.-12052/2/89-ई-1]

एम.डी.एम. प्रशिक्ष, उप-महानिदेशक, मौसम विज्ञान (प्रशासन और संसार)

पाठ्यपत्रण: मूल नियम, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय सं. ए-12018/1/77-एम तारीख 6-10-1978 (सा.का.नि.सं. 1270) द्वारा अधिसूचित किए गए थे ।

संशोधन (1) डी.जी.एम. अधिसूचना सं. ए-12018/1/89-ई.1 तारीख 21-6-1983 (सा.का.नि. 485) जो तारीख 14-2-1984 (सा.का.नि. 252) की उरी मंडला के संशोधन के साथ पढ़ा जाएगा ।

(2) डी.जी.एम. अधिसूचना सं. ए-12018/5/83-ई.1 तारीख 16-2-1984 (सा.का.नि. 252)

(3) डी.जी.एम. अधिसूचना सं. ए-12018/(सं. ग्रे. II)/1/82 ई.1 तारीख 7-8-1986 (सा.का.नि. 644)

(4) डी.जी.एम. अधिसूचना सं. ए-12052/1/87-ई.1 तारीख 2-9-1988 (सा.का.नि. 727)

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
(India Meteorological Department)

New Delhi, the 20th July, 1989

G.S.R. 602.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Meteorological Service (Group 'A' posts) Recruitment Rules 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Meteorological Service (Group 'A' posts) Recruitment (Amendment) Rules 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Meteorological Service (Group 'A' posts) Recruitment Rules, 1978, in the Schedule, against the post of Meteorologist Grade I, for the entry, in column 8, the following entry shall be substituted, namely :—

"Age : No

Educational qualifications : should either possess essential qualifications prescribed in Column 7 or should have passed the Departmental Advanced Training in Meteorology or Instrumentation or Telecommunication or other allied subjects."

[F. No. A-12052/2/89-EI]

S. D. S. ABBJ, Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)

FOOT NOTE :

Principal rules were notified vide Ministry of Tourism & Civil Aviation No. A. 12018/1/77-M dated 6-10-1978 (GSR No. 1270).

AMENDMENTS :

(1) DGM Notification No. A. 12018/1/81-E.I dated 21-6-1983 (GSR 485) read with corrigendum of same number dated 14-2-1984 (GSR—252).

(2) DGM Notification No. A. 12018/5/83-E.I dated 16-2-1984 (GSR—252).

(3) DGM Notification No. A. 12018/(Met. Gr. II)/1/82-E. I dated 7-8-1986 (GSR—644).

(4) DGM Notification No. A. 12052/1/87-E.I dated 2-9-1988 (GSR—727).

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 603:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सूचना सेवा नियम, 1959 को, जहाँ तक वह श्रेणी 3 और श्रेणी 4 पदों से संबंधित हैं, उन बातों को छोड़कर जो ऐसे अधिकरण के पूर्व की गई हैं या किए जाने से रुक गई हैं, अधिकरण करने हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय सेवा (समूह "ख" पद) नियम, 1989 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं : इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अर्थोक्त न हो,—

(क) "आयोग" से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है ;

(ख) "नियंत्रक-प्राधिकारी" से केन्द्रीय सरकार का सूचना और प्रसारण मंत्रालय अभिप्रेत है ;

(ग) "विभागीय अध्यक्ष" से ऐसे अधिकारी अभिप्रेत हैं, जिन्हें आयोग के परामर्श से या विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर नियमित आधार पर नियुक्त किया गया है और जो इन नियमों के प्रारंभ पर समूह "ख" कर्तव्य पद धारण करते हैं या समूह "ख" कर्तव्य पद पर धारणाधिकार रखते हैं ;

(घ) "विभागीय प्रोन्नति समिति" से ऐसी समिति अभिप्रेत है जिसकी गठन सेवा की किसी भी श्रेणी में प्रोन्नति या पुष्टि पर विचार करने के लिए किया गया है ;

(ङ) "कर्तव्य पद" से अनुसूची 1 में सम्मिलित कोई पद, चाहे वह स्थायी हो या अस्थायी, अभिप्रेत है ;

(च) "परीक्षा" से एसी प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है जो अनुसूची 4 में उल्लिखित शैक्षणिक अर्हताओं और आयु सीमा के अनुसार आयोग द्वारा संघालित की गई हो ;

(छ) "सरकार" से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है ;

(ज) "श्रेणी" से सेवा की कोई अभिप्रेत है ;

(झ) किसी श्रेणी के संबंध में "नियमित सेवा" से उस श्रेणी में की गई सेवा को ऐसी अवधि या अवधियां अभिप्रेत हैं जिसमें/जिनमें उस श्रेणी से शैक्षणिक नियुक्ति के लिए लिखित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात सेवा की गई है और इसमें इनमें निम्नलिखित ऐसी कोई अवधि या अवधियां भी सम्मिलित हैं ;

(1) जिसे या जिन्हें ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए आरंभिक गठन के समय नियुक्त व्यक्तियों की दशा में हिसाब में लिया गया है ;

(2) जिसके/जिनके दौरान किसी अधिकारी ने उक्त श्रेणी में कर्तव्य पर धारण किया होता यदि वह सुर्दी पर आ गया या मंगला यह ऐसा पद धारण करने के लिए किसी एक या वृत्त कारण में उपलब्ध नहीं था;

(2) "अनुसूची" में इन विभागों के साथ उदाहरण अनुसूची प्रविष्टि है :

(ट) "अनुसूचित जाति" और "अनुसूचित जनजाति" का कर्मचारी वर्ग यही है जो उनका, संविधान के अनुच्छेद 366 के खंड (21) और (25) में कर्मचारी है;

(ड) "सेवा" में नियम 3 के अधीन गठित भारतीय सूचना सेवा (समूह "ख") प्रविष्टि है ।

3. भारतीय सूचना सेवा (समूह "ख") का गठन : (1) भारतीय सूचना सेवा (समूह "ख") के नाम से ज्ञात एक सेवा होगी जिसमें नियम 6 और 7 के अधीन सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्ति होंगे ।

(2) सेवा में सम्मिलित सभी पद समूह "ख" पदों के रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे ।

4. श्रेणियाँ प्राधिकृत संख्या और उसका पुनर्विलोकन :- (1) इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को सेवा की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित कर्तव्य पद, उनकी संख्या और बेतनमान अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट रूप में होंगे ।

(2) इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् विभिन्न श्रेणियों में कर्तव्य पदों की प्राधिकृत स्थायी संख्या वह होगी, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अध्यापित की जाए ।

(3) सरकार, विभिन्न श्रेणियों में कर्तव्य पदों की संख्या में अस्थायी परिवर्तन कर सकती है या उन्हें बढ़ा सकती है, जेमा कि वह समय-समय पर आवश्यक समझे ।

(4) सरकार सम्यक रूप से गठित काडर पुनर्विलोकन समिति की सिफारिशों पर और आयोग से परामर्श करके (अनुसूची 1 में सम्मिलित से अन्यथा) सेवा में केवल ऐसे पत्रकारिता/प्रचार/जनसंपर्क पद जोड़ सकती है जो प्रास्थिति, श्रेणी, बेतनमान और वृत्तिक अंतर्वस्तु में सेवा सम्मिलित पदों के समतुल्य समझे जा सकें अथवा सेवा में उक्त अनुसूची में सम्मिलित पद को अपवर्जित कर सकती है । काडर पुनर्विलोकन समिति यथा निम्नलिखित होगी :-

1. संयुक्त सचिव (जो भारतीय सूचना सेवा के संबंध में कार्यवाही कर रहा हो) - अध्यक्ष
2. प्रमुख अधिकारी, प्रेम सूचना व्यरो - सदस्य
3. निदेशक, प्रकाशन प्रभाग - सदस्य
4. वित्तीय सलाहकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय - सदस्य
5. उप सचिव (जो भारतीय सूचना सेवा के संबंध में कार्यवाही कर रहा हो) - सदस्य सचिव

यह विनिश्चय करने का प्राधिकार कि कोई पद पत्रकारिता/प्रचार/जनसंपर्क, प्रकृति का है या नहीं, सरकार में निहित होगा ।

(5) सरकार, आयोग के परामर्श से ऐसे अधिकारी की, जिसका पद इस नियम के उपनियम (4) के अधीन सेवा में सम्मिलित है, सेवा की सम्पन्न श्रेणी में अस्थायी या अस्थायी हैमित में, जो ठीक समझी जाए, नियुक्ति कर सकती और उस श्रेणी में उसकी उच्चता सक्षम श्रेणी में उसकी निरंतर नियमित सेवा को हिमाव में लेने के पश्चात् नियत कर सकती ।

5. सेवा के सदस्य :- (1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सदस्य होंगे :-

(क) नियम 6 के अधीन कर्तव्य पदों पर नियुक्त व्यक्ति; और

(ख) नियम 7 के अधीन कर्तव्य पदों पर नियुक्त व्यक्ति ।

(2) उप नियम (1) के खंड (क) के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति ऐसी नियुक्ति पर, अनुसूची 1 में उक्त लागू सम्पन्न श्रेणी में, सेवा का सदस्य समझा जाएगा ।

(3) उप नियम (1) के खंड (ख) के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति ऐसी नियुक्ति की तारीख से अनुसूची 1 में उक्त लागू सम्पन्न श्रेणी में सेवा का सदस्य समझा जाएगा ।

6. सेवा का प्रारंभिक गठन :- (1) सभी विभागीय अर्थवर्षों जो नियमित आधार पर 550-30-740-35-80-र.रो.-40-1200 रुपये और 470-15-530-र.रो.-25-650-र.रो.-25-750 रुपये के पूर्व पुनरीक्षित बेतनमानों में पद धारण कर रहे हों, इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से तत्स्थानी पदों पर और सेवा की श्रेणियों में नियुक्त किए, समझे जाएंगे ।

(2) उस सीमा तक जहां तक नियंत्रक प्राधिकारी, इस नियम के उपबंधों के अनुसार सेवा की विभिन्न श्रेणियों में रिक्तियों की प्राधिकृत नियमित संख्या को भरने में समर्थ न हो, वे नियम 7 के उपबंधों के अनुसार भरी जाएंगी ।

7. सेवा का भविष्य में बनाए रखा जाना :- (1) नियम 6 में यथा उपबंधित सेवा के आरंभिक गठन के पश्चात् अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट श्रेणियों में से किसी में उद्भूत होने वाली रिक्ति को इस नियम के अधीन इसके पश्चात् उपबंधित रीति में भरा जाएगा ।

(2) उच्च श्रेणी और कनिष्ठ श्रेणी में पदों में सेवा में नियुक्तियों अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट रूप में की जाएंगी ।

(3) अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट रूप में किसी श्रेणी में नियुक्ति अथवा उस श्रेणी में पुष्टि अनुसूची 3 में विहित विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएगी ।

(4) अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट रूप में किसी श्रेणी में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति अनुसूची 4 में विनिर्दिष्ट रूप में की जाएगी । प्रतिनियुक्ति पर अंतरण द्वारा नियुक्ति (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट रूप में और आयोग के परामर्श से की जाएगी ।

8. परीक्षा :- (1) उच्च श्रेणी में या कनिष्ठ श्रेणी में सीधी भर्ती द्वारा सेवा में नियुक्ति पर प्रत्येक व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन होगा :

परंतु नियंत्रक अधिकारी समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार परीक्षा की अवधि को बढ़ा सकता है ;

परंतु यह और कि परीक्षा अवधि के बड़ा जाने का कोई विनिश्चय पूर्ववर्ती परीक्षा अवधि की समाप्ति के पश्चात् साधारणतया आठ महीने के भीतर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को निश्चित रूप से ऐसा करने के लिए कारणों सहित और अवधि के भीतर संयुक्त किया जाएगा ।

(2) परीक्षा अवधि या उसकी बहाई गई अवधि के पूरा हो जाने पर अधिकारियों को, यदि स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए, तो उन्हें नियमित आधार पर उनकी नियुक्तियों में प्रतिधारित किया जाएगा और यथास्थिति, उन्हें सम्यक अनुक्रम में उपलब्ध होने वाली अधिकतम रिक्तियों के विरुद्ध पुष्ट किया जाएगा ।

(3) यदि यथास्थिति, परीक्षा की अवधि या उसके किसी विस्तार के दौरान सरकार की यह राय हो कि कोई अधिकारी स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं है तो सरकार, निश्चित रूप से प्रतिनिश्चित किए जाने वाले कारणों से ऐसे अधिकारी को, यथास्थिति सेवान्मुख्य कर सकती या सेवा में उसकी नियुक्ति के पूर्व उसके द्वारा धारित पद पर उसे प्रतिनियुक्ति कर सकती ।

(4) परीक्षा की अवधि या उसके किसी विस्तार के दौरान सरकार किसी अर्थवर्षों से ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेश पाठ्यक्रमों को पूरा करने और परीक्षाओं तथा परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए (जिसमें हिस्सी परीक्षा भी सम्मिलित है) जिन्हें सरकार परीक्षा के समाधानप्रद रूप में पूरी करने की शर्त के रूप में उचित समझती रूपरेखा कर सकती ।

(5) जहाँ तक परीक्षाओं से संबंधित अन्य बातों पर संबंध है, सेवा के सदस्य सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों द्वारा शामिल होंगे।

9. ज्येष्ठता : (1) सेवा के प्रारंभिक गठन के समय, नियम 6 के अनुसार किसी श्रेणी में नियुक्त सेवा के सदस्यों की सापेक्ष ज्येष्ठता उनको उस सापेक्ष ज्येष्ठता द्वारा शामिल होगी, जो इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को थी। परंतु यदि ऐसे किसी सदस्य की ज्येष्ठता उस तारीख को विनिर्दिष्ट रूप में अवधारित नहीं की गई है, तो उसका अवधारण सरकार के अधीन समान सेवाओं के सदस्यों को लागू नियमों के अनुसार, सरकार के कामिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा किया जाएगा।

(2) नियम 6 के अधीन किसी श्रेणी में सेवा में सम्मिलित सभी स्थायी अधिकारी उस श्रेणी में तत्पश्चात अधिष्ठाया रूप से नियुक्त किए गए सभी अधिकारियों से रैंक में ज्येष्ठ होंगे और सेवा के प्रारंभिक गठन पर किसी भी श्रेणी में सम्मिलित सभी स्थायी अधिकारी उस श्रेणी में तत्पश्चात नियुक्त किए गए सभी स्थायी अधिकारियों से रैंक में ज्येष्ठ होंगे।

(3) प्रारंभिक गठन के पश्चात सेवा में भर्ती किए गए व्यक्तियों की ज्येष्ठता, समय-समय पर सरकार द्वारा इस विषय में जारी किए गए

अवधारण अनुदेशों या आदेशों के अनुसार अवधारित की जाएगी।

(4) ज्येष्ठता के संबंध में ऐसे मामलों का, जो उक्त उपबंधों के अंतर्गत नहीं आते हैं, अवधारण आयोग के परामर्श से सरकार द्वारा किया जाएगा।

10. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे प्राश्रयों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुमूचित जानियों, अनुमूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रयोगों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना प्रोक्षित है।

11. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, यहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रयोग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

12. निर्वसन : यदि इन नियमों के निर्वसन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न है, तो सरकार उसका विनिश्चय करेगी।

अनुसूची-1

[नियम 2(क)(4)(1) 5(2) और (3) और 7(1) (देखिए)]

क्रम संख्या	श्रेणी और वैतनमान	कार्यालय का नाम	पदाभिधान	पदों की संख्या
1	2	2	4	5
1.	ज्येष्ठ श्रेणी (2000-60-2300-र.रो-75-3200-100-3500-र.)	आकाशवाणी, समाचार सेवा प्रभाग	संवादादाता सहायक/ समाचार संपादक/ समाचार रिपोर्टर/ सहायक समाचार/ संपादक (अनुश्रवण)/ निर्देश अधिकारी	103
		अनुश्रवण सेवा	सहायक निदेशक, अनुश्रवण	4
		प्रेस सूचना ब्यूरो	सहायक सूचना अधिकारी	38
		प्रकाशन विभाग	सहायक निर्देशक/ सहायक संपादक/ सहायक संपादक (महात्मा गांधी कृति संग्रह)/ संवादादाता	39
		विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय	सहायक निदेशक/ सहायक अनुसंधान अधिकारी/ सहायक संपादक/ क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी	17
		रजिस्ट्रार, भारतीय समाचारपत्र	रजिस्ट्रीकरण पर्यवेक्षक	2
		फिल्म प्रभाग	समीक्षा लेखक (भारतीय भाषाएँ) पाठ्यलिपि लेखक (स्क्रिप्ट राइटर्स)	10 12 2
		क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय	सहायक क्षेत्रीय अधिकारी सहायक कार्यक्रम अधिकारी क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी	5 219 191
		अनुसंधान और	सहायक	1

1	2	3	4	5
		निर्देश प्रभाग रक्षा मंत्रालय जनसंपर्क निदे.	अनुसंधान अधिकारी सहायक जनसंपर्क अधिकारी सहायक संपादक (सैनिक समाचार) प्रसारण अधिकारी संपादक भारतीय पुलिस पत्रिका प्रचार अधिकारी	6 13 20 1 1 1
		गृह मंत्रालय, पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो गृह मंत्रालय पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, नई दिल्ली		476
2.	कनिष्ठ श्रेणी (1400-40-16-1600-50-2300-र.रो. 60-2600 रु.)	आकाशवाणी	उप संपादक/ प्रचार सहायक/ निर्देश सहायक	21
		प्रेस सूचना ब्यूरो प्रकाशन विभाग	सूचना सहायक उप संपादक/ निर्देश सहायक/ उप संपादक (महात्मा गांधी कृति संग्रह)	112 34
		फिल्म प्रभाग	अनुसंधान सहायक प्रचार सहायक	4
		रजिस्ट्रार, भारतीय समाचार पत्र अनुसंधान और निर्देश प्रभाग	रजिस्ट्रीकरण अनुसंधान सहायक	13 10
		विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय	उप संपादक/ प्रचार सहायक/ अनुसंधान सहायक प्रदर्शनी सहायक	6 38 32
		रक्षा मंत्रालय जनसंपर्क निदेशालय	उप संपादक सूचना सहायक	19
				251

अनुसूची 2

[नियम 7 के उप नियम (2), (3) और (4) देखिए]

भर्ती की पद्धति, प्रोत्ति का क्षेत्र और भारतीय सूचना सेवा, समूह "ख" की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित किए गए कर्तव्य पदों के लिए प्रोत्ति पर अधिकारियों की नियुक्ति के लिए ठीक नीचे की श्रेणी में न्यूनतम अर्हक सेवा

क्रम संख्या	श्रेणी	भर्ती की पद्धति	चयन पद है या अचयन पद	चयन का क्षेत्र और प्रोत्ति के लिए न्यूनतम अर्हक सेवा
1	2	3	4	5
1.	उपेक्ष श्रेणी	(1) 50 प्रतिशत प्रोत्ति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर अंतरण (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) द्वारा	अचयन	प्रोत्ति द्वारा भारतीय सूचना सेवा समूह "ख" की कनिष्ठ श्रेणी के ऐसे अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है। प्रोत्ति के लिए विचार करते समय यदि किसी कनिष्ठ पर विचार किया जाता है तो

1	2	3	4	5
				ज्येष्ठ पर भी इस तथ्य को विचार में लाए बिना कि उस अधिकारी ने सेवा के न्यूनतम ग्रहण वर्ष पूरे किए हैं या नहीं, अवश्य विचार किया जाना चाहिए।
	(2) 25 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर अंतरण (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)			प्रतिनियुक्ति पर अंतरण द्वारा केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/पब्लिक सेक्टर कंपनियों/स्वायत्त निकायों के अधिकारियों से :
	द्वारा			
	(3) 25 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा			(क) (1) ऐसे अधिकारी जो नियमित आधार पर संवत्स पद धारण किए हुए हैं, या (2) 1640-2900 रुपये के वेतनमान में पद धारण करने वाले ऐसे अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है, अथवा समतुल्य, या 1400-2600 रुपये के वेतनमान में पद धारण करने वाले ऐसे अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है, और समतुल्य,
				और
				(ख) किसी सरकार विभाग या किसी समाचारपत्र या समाचार अभिकरण में पत्रकारिता, प्रचार या जनसंपर्क कार्य का अनुभव रखने वाले।
				बांछनीय
				साध्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से पत्रकारिता में डिप्लोमा (प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अंतर्गत उसी या किसी अन्य संगठन/केन्द्रीय सरकार के विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पूर्व धारित दूसरे संबंधित बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी (सामान्यतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।
				सीधी भर्ती द्वारा
				सीधी भर्ती अनुसूची 4 में विहित रूप में प्रायोग द्वारा चयन द्वारा की जाएगी।
				सीधी भर्ती द्वारा
				सीधी भर्ती अनुसूची 4 में विहित रूप में प्रायोग द्वारा चयन द्वारा की जाएगी

कनिष्ठ श्रेणी 100 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा

अनुसूची 3

[नियम 7 का उप नियम (3) देखिए]

भारतीय सूचना सेवा समूह "ख" में सम्मिलित समूह "ख" पदों की प्रोन्नति और पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना।

क्रम सं. पद का नाम	(प्रोन्नति के संबंध में विचार करने के लिए समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति	(पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति
1. ज्येष्ठ श्रेणी	1. संयुक्त सचिव/निदेशक/उप सचिव (जो भारतीय सूचना सेवा के संबंध में कार्य कर रहा है) —अध्यक्ष 2. संयुक्त निदेशक, प्रकाशन प्रभाग —सदस्य 3. निदेशक, जनसंपर्क (प्रशासन), प्रेस सूचना ब्यूरो —सदस्य	1. संयुक्त सचिव/निदेशक/उप सचिव (जो भारतीय सूचना सेवा के संबंध में कार्य कर रहा है) —अध्यक्ष 2. संयुक्त निदेशक, प्रकाशन प्रभाग —सदस्य 3. निदेशक, जनसंपर्क (प्रशासन), प्रेस सूचना ब्यूरो —सदस्य

1	2	3	4
2. कनिष्ठ श्रेणी			<p>1. संयुक्त सचिव/निदेशक/उप सचिव (जो भारतीय सूचना सेवा के संबंध में कार्यवाही कर रहा है)—अध्यक्ष</p> <p>2. संयुक्त निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय—सदस्य</p> <p>3. उप प्रेम रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार भारतीय समाचार-पत्र—सदस्य</p> <p>टिप्पण:—पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी, किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में पुनः होगी।</p>

अनुसूची 4

[नियम 2(क) और 7(4) देखिए]

भारतीय सूचना सेवा समूह "क" की विभिन्न श्रेणियों में सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएँ अनुभव और आयु सीमा

1. उपर्युक्त श्रेणी (2000-3500 रुपये) (476 पद)---

सीधी भर्ती आयोग द्वारा नीचे कथित रीति से जयन द्वारा की जाएगी।

आयु सीमा :

30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)

टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे जिन जो अंशमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।

सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक अर्हताएँ और अनुभव आदि :---

आवश्यक :

- (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि या समतुल्य
- (2) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्था से पत्रकारिता में डिप्लोमा या समतुल्य।
- (3) किसी सरकारी विभाग या किसी समाचार पत्र/समाचार अधिकरण में पत्रकारिता प्रचार या जनसंपर्क कार्य का तीन वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1:—अर्हताएँ अन्यथा सूचित अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2:—अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएँ) आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब जयन के किसी प्रक्रम पर आयोग की यह राय है कि उनके लिए प्रारंभित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

2. कनिष्ठ श्रेणी (1400-2600 रुपये) (251 पद)

आयु सीमा :

30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)

टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे जिन जो अंशमान गंधीर निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।

सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक अर्हताएँ और अनुभव आदि :---

आवश्यक :

- (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि या समतुल्य
- (2) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संस्था से पत्रकारिता में डिप्लोमा या समतुल्य।

टिप्पण 1:—अर्हताएँ अन्यथा सूचित अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2:—अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएँ) आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है जब जयन के किसी प्रक्रम पर आयोग की यह राय है कि उनके लिए प्रारंभित रिक्तियों का भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

बांछनीय :

किसी सरकारी विभाग या किसी समाचारपत्र या समाचार अधिकरण में पत्रकारिता, प्रचार या जनसंपर्क कार्य का अनुभव।

[सं. ए. 42011/1/84-सी. आई. एस.]

एस० डी० कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 19th July, 1989

G.S.R. 603.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Information Service Rules, 1959, in so far as they relate to Grade III and Grade IV posts except as respects things done or admitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Information Service, (Group 'B' posts) Rules, 1989.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

- (a) "Commission" means the Union Public Service Commission;
- (b) "Controlling Authority" means the Central Government in the Ministry of Information and Broadcasting;
- (c) "Departmental candidates" means officers who have been appointed on regular basis in consultation with the Commission or on the recommendations of a Departmental Promotion Committee and who hold Group B duty posts or hold a lien on a Group 'B' duty posts, at the commencement of these rules;
- (d) "Departmental Promotion Committee" means a Committee constituted to consider promotion or confirmation in, any grade of the service;
- (e) "Duty post" means any post, whether permanent or temporary, included in Schedule I;
- (f) "Examination" means a competitive examination conducted by the Commission in accordance with the educational qualifications and age limits mentioned in Schedule IV;
- (g) "Government" means the Central Government;
- (h) "Grade" means a grade of the service;
- (i) "Regular service" in relation to any grade means the period or periods of service in that grade rendered after selection, according to the prescribed procedure in this regard, for long term appointment to that grade and includes any period or periods—
 - (i) taken into account for purpose of seniority in case of those appointed at the initial constitution of the Service;
 - (ii) during which an officer would have held a duty post in that grade but for being on leave or otherwise not being available for one reason or the other for holding such posts;
- (j) "Schedule" means Schedule annexed to these rules;
- (k) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall respectively have the same meaning as assigned to them respectively in clauses (24) and (25) of article 366 of the Constitution; and
- (l) "Service" means the Indian Information Service (Group 'B') constituted under rule 3.

3. Constitution of the Indian Information service Group 'B'.—(1) There shall be a service known as the Indian Information Service (Group 'B') consisting of persons appointed to the Service under rules 6 and 7.

(2) All the posts included in the Service shall be classified as Group 'B' posts.

4. Grades, Authorised strength and its review.—(1) The duty posts included in the various grades of the service, their numbers and scales of pay on the date of commencement of these rules shall be as specified in Schedule I.

(2) After the commencement of these rules, the authorised permanent strength of duty posts in various grades shall be such as may be determined by the Government from time to time.

(3) Government may make temporary additions or deletions to the strength of the duty posts in various grades as deemed necessary from time to time.

(4) The Government may on the recommendations of a duly constituted Cadre Review Committee and in consultation with the Commission include in the Service (other than those included in Schedule I) only such Journalistic/Publicity/Public Relations posts as may be deemed to be equivalent to the posts included in the Service in status, and service a post included in the said Schedule. The Cadre Review Committee will be as under:—

- | | |
|---|-----------|
| 1. Joint Secretary
(dealing with Indian
information Service) | —Chairman |
| 2. Principal Information
Officer, Press Information
Bureau | —Member |
| 3. Director, Publications
Division | —Member |
| 4. Financial Adviser,
Ministry of Information and
Broadcasting | —Member |
| 5. Deputy Secretary (dealing—Member—Secretary with
Indian information Service) | |
- The authority to decide whether a post is of Journalistic/Publicity/Public Relations nature or not will vest with the Government.

(5) Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the Service under sub-rule (4) of this rule to the appropriate grade of the service in a temporary capacity or in a substantive capacity as may be deemed fit and fix his seniority in the grade after taking into account his continuous regular service in the analogous grade.

5. Members of the service.—(1) The following persons shall be the members of the service:—

- (a) Persons appointed to duty posts under rule 6, and
- (b) Persons appointed to duty posts under rule 7.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) shall, on such appointment, be deemed to be a member of the service in the appropriate grade applicable to him in Schedule I.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) shall be the member of the Service in the appropriate grade applicable to him in Schedule I from the date of such appointment.

6. Initial Constitution of the Service.—(1) All Departmental candidates holding posts in the pre-revised scales of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 and Rs. 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750 on a regular basis shall, from the date of commencement of these rules, be deemed to have been appointed to the corresponding posts and grade in the service.

(2) To the extent the Controlling Authority is not able to fill the authorised regular strength of vacancies in various grades in the Service in accordance with the provisions of this rule, the same may be filled in accordance with the provisions of rule 7.

7. Future maintenance of the service.—(1) Any vacancy arising in any of the grades referred in Schedule I after the initial constitution of the Service as provided in rule 6 shall be filled in the manner hereinafter provided under this rule.

(2) Appointments in the Service to posts in Senior Grade and Junior Grade shall be made as specified in Schedule II.

(3) The appointment to a grade by promotion as specified in Schedule II or confirmation in the grade shall be made

on the basis of the recommendations of the Departmental Promotion Committee prescribed in Schedule III.

(4) The appointment by direct recruitment to a grade as specified in Schedule II shall be made as specified in Schedule IV. Appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be made as specified in Schedule II and in consultation with the Commission.

8. Probation :—(1) Every person on appointment to the Service by direct recruitment either to Senior Grade or Junior Grade shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions or orders issued by the Government from time to time.

Provided further that any decision for extension of probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

(2) On completion of the period of probation or any extension thereof, officers shall if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(3) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be, Government is of the opinion that an officer is not fit permanent appointment, Government may, for reasons to be recorded in writing discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be.

(4) During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examination and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit as a condition to satisfactory completion of the probation.

(5) As regards other matters relating to probation the members of the service will be governed by the instructions or orders issued by the Government from time to time in this regard.

9. Seniority.—(1) The relative seniority of the members of Service appointed to any grade in accordance with rule 6 at the time of initial constitution of the Service, shall be governed by their relative seniority obtaining on the date of commencement of these rules provided that if the seniority of any such member had not been specifically determined on the said date, the same shall be as determined by the Government in the Department of Personnel and Training in accordance with the rules applicable to members of similar service under the Government.

(2) All permanent officers included in the Service under rule 6 in any grade shall rank senior to all officers substantively appointed to that grade subsequently and all temporary officers included in the initial constitution of the Service in any grade shall rank senior to all temporary officers appointed to that grade subsequently.

(3) The seniority of persons recruited to the Service after the initial constitution shall be determined in accordance with the general instructions or orders issued by Government from time to time in this regard.

(4) The cases not covered by the above provisions, regarding seniority shall be determined by the Government in consultation with the Commission.

10. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxations of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders, issued by the Government, from time to time, in this regard.

11. Power to relax.—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

12. Interpretation :—If any question arises as to the interpretation of these rules, the Government shall decide the same.

SCHEDULE—I

[See Rules 2(e), 4(1), 5(2) and (3) and 7(1)]

S. No.	Grade and Pay Scale	Name of office	Designation	No. of posts
1.	Senior Grade (Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500)	All India Radio News Services Division	Correspondent/Assistant News Editor/News Reporter/Assistant News Editor (Monitoring) Reference Officer	103
		Monitoring Service	Assistant Director of Monitoring	4
		Press Information Bureau	Assistant Information Officer	38
		Publications Division	Assistant Director/Assistant Editor/Assistant Editor (Collected Works of Mahatma Gandhi)/Correspondent.	39
		Directorate of Advertising and Visual Publicity	Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Editor	17 57
		Registrar of News papers for India.	Field Exhibition Officer	40
		Films Division	Registration Supervisor	2
			Commentary Writer (Indian Languages)	10
			Script Writer	2 12
		Directorate of Field Publicity	Assistant Regional Officer	5
			Assistant Programme Officer	2 198
			Field Publicity Officer	191
		Research and Reference Division	Assistant Research Officer	1
		Ministry of Defence Directorate of Public Relations	Assistant Public Relations Officer	6
			Assistant Editor (Sainik Samachar) Broadcasting Officer.	13 20

1	2	3	4	5
	Ministry of Home Affairs bureau of Police Research and Development.	Editor, Indian Police Journal		1
	Ministry of Home Affairs, Bureau of Police Research and Development New Delhi.	Publicity Officer.		1
Junior Grade (Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600)	All India Radio	Sub-Editor/Publicity Assistant/Reference Assistant.		21
	Press Information Bureau	Information Assistant		112
	Publication Division (Collected Works of Mahatma Gandhi)	Sub-Editor/Reference Assistant/Sub-Editor		24
	Films Division	Research Assistant/Publicity Assistant		4
	Registrar of Newspapers for India.	Registration Assistant		13
	Research and Reference Division	Research Assistant		10
	Directorate of Advertising and Visual Publicity	Sub-Editor/Publicity Assistant/Research Assistant		6
		Exhibition Assistant		32
	Ministry of Defence, Directorate of Public Relations.	Sub-Editor/Information Assistant		19
				251

SCHEDULE - II

[See Sub-rule (2), (3) and (4) of rule 7]

Method of recruitment, Field of Promotion and Minimum qualifying service in the next lower grade for appointment of officers in promotion to duty posts included in the various grades of the Indian Information Service, Group 'B'

St. Grade No.	Method of recruitment	Whether selection or non-selection	Field of selection and the minimum qualifying service for promotion.
1	2	3	4
1. Senior Grade	(i) 50% by promotion, failing which by transfer on deputation (including short term contract).	Non-selection	By promotion : Officers in the Junior Grade of IIS Group 'B' with 5 years regular service in the grade. While considering promotion if Junior is being considered, senior must also be considered irrespective of the fact whether officer has completed the minimum qualifying years of service.
	(ii) 25% by transfer on deputation (including short term contract).		By transfer on deputation from Officers of the Central/State Govts/Union Territories/ Public Sector undertakings, Autonomous bodies holding
	(iii) 25% by direct recruitment.		(a) (i) Officers holding an analogous post on a regular basis; or
			(ii) Officers in the post in the scale of Rs. 1640-2900 with three years regular service in the grade or equivalent;
			Or
			Officers in posts in the scale of Rs. 1400-2600 with 5 years regular service in the grade or equivalent.
			And

1	2	3	4	5
				(b) possessing experience of journalistic, publicity or public relation work in a Government Department or a Newspaper or in the News Agency.
				Desirable :
				Diploma in journalism from recognised (University/ Institution.
				(the period of deputation including the period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall not ordinarily exceed 3 years).
				By direct recruitment :
				Direct recruitment shall be done by selection by the Commission as prescribed in schedule IV.
2. Junior Grade		100 % by direct recruitment.		By direct recruitment.
				Direct recruitment shall be done by selection by the Commission as prescribed in Schedule IV.

SCHEDULE III

(See sub rule (3) of Rule 7)

Composition of Group 'B' Departmental Promotion Committee for considering cases of promotion and confirmation of group B posts included in the Indian Information Service Group 'B'

Sl. Name of the post No.	Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering promotion consisting of)	Group 'B' DFC (for considering confirmation consisting of)
1. Senior Grade	1. Joint Secretary/Director/Deputy Secretary, (Dealing with Indian Information Service)—Chairman 2. Joint Director, Publications Division —Member. 3. Director, Public Relations (Administration), Press Information Bureau—Member	1. Joint Secretary/Director/Deputy Secretary (dealing with Indian Information Service)—Chairman 2. Joint Director Publications Division —Member. 3. Director Public Relations (Administration), Press Information Bureau —Member. 1. Joint Secretary Director/Deputy Secretary (dealing with Indian Information Service)—Chairman 2. Joint Director, Directorate of Advertising and Visual Publicity—Member. 3. Deputy Press Registrar, Registrar of Newspapers for India —Member.

Note. —The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or Member of the Commission shall be held.

SCHEDULE IV

(See rules 2(f) and 7(4))

Minimum educational and other qualifications, experience and age limit for direct recruitment to various grades of the Indian Information Service Group 'B'.

1. Senior Grade (Rs. 2000-3500) (476 posts)

Direct recruitment shall be made by selection by the Commission in the manner stated below :

Age Limit :

Not exceeding 30 years (Relaxable for Government Servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Government).

Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Educational Qualifications and Experience Etc. for direct recruitment.

Essential :

(i) Degree of a recognised University or equivalent.

(ii) Diploma in Journalism from a recognised University/Institution or equivalent.

(iii) 3 years experience of journalistic, publicity or publication work in a Government department or any Newspaper/Newsagency.

Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Commission in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill-up the vacancies reserved for them.

2. Junior Grade (Rs. 1400-2600) (251 Posts)

Age Limit :

Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Government).

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman Nicobar Islands and Lakshadweep).

Educational Qualifications and Experience etc. for Direct recruitment.

Essential :

(i) Degree of a recognised University or equivalent.

(ii) Diploma in Journalism from a recognised University/Institution or equivalent.

Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Schedule Tribes if, at any stage of selection, the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Experience of Journalistic, publicity or public relation work in a Government department or any Newspaper/News Agency.

[No. A-42011/1/84-CIS]

S.D. KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1989

सा. का. नि. 604 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए आकाशवाणी (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1964 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आकाशवाणी (वर्ग 3 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होगी।

2. आकाशवाणी (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम 1964 की अनुसूची में, शेष बर्द्ध के पद से संबंधित क्रम संख्यांक 20 के सामने,—

(i) स्तंभ 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :

“1320-30-1560-द. रो. 40-2040 रुपए;

(ii) स्तंभ 6 के नीचे की प्रविष्टि का लोप किया जाएगा।

(iii) स्तंभ 7 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“75 प्रतिशत”

(iv) स्तंभ 13 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“बर्द्ध की श्रेणी में से जिन्होंने श्रेणी आधार पर उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है।”

पाठ टिप्पण : आकाशवाणी (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1964 सा. का. नि. 1776 के अधीन भारत के राजपत्र में तारीख 30-11-64 को प्रकाशित हुए थे और सूचना और प्रसारण मंत्रालय में भारत सरकार की सूचना सं. 3109/82/बी(डी), तारीख 4-5-1983 के अधिन संशोधन किया गया।

[सं. एच. 47011/8/89-डी(एस) सेल बी(डी)]

पी. एम. राजू, अवर सचिव

New Delhi, the 21st July, 1989

G.S.R. 604.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964 namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Schedule to the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964 against serial number 20 relating to the post of Senior Carpenter :

(i) for the entry under Column 4, the following entry shall be substituted, namely :—

“Rs. 1320-30-1560-EB-40-2040.”

(ii) the entry under Column 6 shall be omitted.

(iii) for the entry in Column 7, the following entry shall be inserted namely :—

“75 per cent ;”

(iv) for the entry under Column 13, the following entry shall be substituted, namely :—

“From the grade of Carpenter with 3 years service in the grade on zonal basis.”

Footnote.—The All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules 1964 were published in the Gazette of India under GSR 1776 on 30-11-64, and amended under Notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 310/9/82-B(D) dated 4-5-1983.

[No. H-47011/8/89-D(S) Cell B(D)]

P. M. RAJU, Under Secy.

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 605 : वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय प्रारूप दिनांक 6 अगस्त, 1988 को भारत के राजपत्र के भाग-II; खंड 3, उपखंड (i) में पृष्ठ 2378-2380 पर दिनांक 29 जून, 1988 के भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय सा. का. नि. 634 की अधिसूचना के साथ प्रकाशित किए गए थे, जिसमें उससे प्रभावित होने वाले सभी संभावित व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे :—

उक्त राजपत्र की प्रतियां 9 अगस्त, 1988 को जनता को उपबंध करा दी गई थी।

प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार किया गया है :

अतः, केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम 1937 का और संशोधन करती है, अर्थात् :

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (प्रथम संशोधन) नियम, 1989 है :

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रदत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 के नियम 48 में,

(1) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :

(1) अनुज्ञप्तियां और रेटिंग के जारी करने नवीकरण, विधिमार्ग्यकरण या पुनर्विधिमार्ग्यकरण अथवा अनुज्ञप्तियों की दूसरी प्रति जारी करने और ऐसे अनुज्ञप्तियों और रेटिंगों के लिए परीक्षणों और परीक्षाओं के लिए निम्नलिखित फीस का संदाय किया जाएगा :

क्रम अनुज्ञप्ति या रेटिंग का सं० वर्णन तकनीकी परीक्षा (भूमि विषयक विषयों) के लिए फीस तकनीकी परीक्षा (ए और ई) के लिए फीस अनुज्ञप्ति या रेटिंग जारी करने, उनके विधिमार्ग्यकरण, नवीकरण या पुनर्विधिमार्ग्यकरण तथा उमर्गी दूसरी प्रति जारी करने के लिए फीस

1.	2.	3.	4.	5.
		रुपए	रुपए	रुपए
1. छात्र पाइलेट अनुज्ञप्ति		50	—	25
2. प्राइवेट पाइलेट अनुज्ञप्ति		50	25	40
3. वाणिज्यिक पाइलेट अनुज्ञप्ति		150	50	100
4. ज्येष्ठ वाणिज्यिक पाइलेट अनुज्ञप्ति		200	100	200
5. विमान सेवा पत्रिहृत पाइलेट अनुज्ञप्ति		200	100	200
6. उपकरण रेटिंग (6/8 इन्स्यू. पी एम पर संकेत)		100	—	50
7. सहायक उड़ान अनुदेशक रेटिंग		100	—	50
8. उड़ान अनुदेशक रेटिंग		100	—	100
9. उड़ान अनुदेशक रेटिंग (ग्लाइडर)		75	25	50
10. प्रत्येक प्रकार की वायु-यान रेटिंग का विस्तारण		—	50	50
11. ग्लाइडर पाइलेट अनुज्ञप्ति		50	—	50
12. छात्र उड़ान नेविगेटर अनुज्ञप्ति		250	—	50
13. उड़ान नेविगेटर अनुज्ञप्ति		250	—	100
14. छात्र उड़ान इंजीनियर अनुज्ञप्ति		—	300	100
15. उड़ान इंजीनियर अनुज्ञप्ति		—	300	200
16. उड़ान रेडियो दूरभाष प्रचालक अनुज्ञप्ति (अनन्तिम)		100	—	100
17. उड़ान रेडियो दूरभाष प्रचालक अनुज्ञप्ति		100	—	100
18. उड़ान रेडियो प्रचालक अनुज्ञप्ति (अनन्तिम)		200	—	50
19. उड़ान रेडियो प्रचालक अनुज्ञप्ति		200	—	100
20. माइक्रोलाइट वायुयान पाइलेट अनुज्ञप्ति		50	—	50

(II) उप नियम (2) में, “10” श्रंकों के स्थान पर “30” श्रंक रखे जाएंगे।

[एफ. स. एन. 11012/9/87-ए]

भार. एन. भार्गव, अव्वर सचिव

पारि टिप्पण

मुख्य नियम भारत के राजपत्र, भाग 1, तारीख 27 मार्च, 1937 में अधिवृत्त संख्या बी-26, तारीख 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए हैं।

तत्पश्चात् उनका भारत के राजपत्र, भाग 2, ब्रंड 3, उपखंड (1)

तारीख 30 सितम्बर, 1972 में प्रकाशित सा.का. नि. 1232, तारीख 18 सितम्बर, 1972 द्वारा संशोधन किया गया है।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

New Delhi, the 17th July, 1989

G.S.R.—605. . Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules, 1987, were published at pages 2378-2380 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 6th August, 1988 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation No. GSR 634, dated the 29th June, 1988, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby ;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 9th August, 1988;

And Whereas objections or suggestions received from the public on the said draft have been duly considered;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the aircraft Rules, 1937 namely :

1. (1) These rules may be called the Aircraft (First Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In rule 48 of the Aircraft Rules, 1937,—
- (i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) The following fees shall be paid for the issue, renewal, validation or revalidation of Licences and rating or the issue of duplicate licences and for the tests and examinations for such licences and ratings :—

Sl. No.	Description of Licence or Rating	Fees for technical, examination, (Ground subjects)	Fees for Technical examination (A&E)	Fees for Issue, validation renewal of revalidation of licences or ratings and issue of duplicates thereof.
1	2	3	4	5
		Rs.	Rs.	Rs.
1.	Student Pilot's Licence	50	..	25
2.	Private Pilot's Licence	50	25	40
3.	Commercial Pilot's Licence	150	50	100
4.	Senior Commercial Pilot's Licence	200	100	200
5.	Airline Transport Pilot's Licence	200	100	200
6.	Instruments Rating (Signals at 6/8 wpm)	100	..	50
7.	Assistant Flight Instructor's Rating	100	..	50
8.	Flight Instructor's Rating	100	..	100
9.	Flight Instructor's Rating (Gliders)	75	75	50
10.	Extension of Aircraft Rating for each type	50	50
11.	Glider Pilot's Licence	50	..	50
12.	Student Flight Navigator's Licence	250	..	50
13.	Flight Navigator's Licence	250	..	100
14.	Student Flight Engineer's Licence	—	300	100
15.	Flight Engineer's Licence	300	200
16.	Flight Radio Telephone Operator's Licence (Provisional)	100	..	100
17.	Flight Radio Telephone Operator's Licence	100	..	100
18.	Flight Radio Operator's Licence (Provisional)	200	..	50
19.	Flight Radio Operator's Licence	200	..	100
20.	Microlight Aircraft Pilot's Licence	50	..	50

(ii) in sub-rule(2), for the figures “10”, the figures “30” shall be substituted.

[F.No.AV.11012/9/87-A]

R.N. BHARGAVA, Under Secy.

FOOTNOTE

The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937, in the Gazette of India, Part I dated 27th March, 1937.

Subsequently amended by GSR 1232 dated 18th September, 1972 published in Part II, Section 3, Sub-section(i) dated 30th September, 1972 of the Gazette of India.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1989

भूमि मंत्रालय

रोडगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 606:- राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1988 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो समूह "क" पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (समूह "क" पद) भर्ती नियम 1988 की अनुसूची में :-

(i) स्तंभ 4 में "वेतनमान" शीर्षक के नीचे की विद्यमान प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और शंक भूतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् "धन 500 रु. प्रतिमास विशेष वेतन"

(ii) स्तंभ 12 के अग्रिम, कोष्ठक के भीतर की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :-

"प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अवकाशकाल बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी

[फाइल संख्या सी ए एस 4(10)/86-प्रशासन (एसएफएस/एसएसबी)]

ओ.पी. अग्रवाल, अवर सचिव

टिप्पणी: मूल भर्ती नियम, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उप-खंड

(1) में नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सीएसएस 4(10)/86-प्रशासन (एसएफएस/एसएसबी) तारीख 26 सितम्बर, 1988 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 19th July, 1989

G.S.R. 606.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Bureau of Civil Aviation Security (Group 'A' posts) Recruitment Rules, 1988, namely:—

1. (1) These rules may be called the Bureau of Civil Aviation Security (Group 'A' post) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Bureau of Civil Aviation Security (Group 'A' post) Recruitment Rules, 1988:—

(i) under column 4 in the heading 'Scale of pay' after the existing entries the following words and figures shall be inserted, namely:—

"plus special pay of Rs. 500 per month.";

(ii) Under column 12 for the existing entry within brackets, the following entry shall be substituted, namely:—

"Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 5 years)".

[F. No. CAS 4(10)/86-Admn. (SFS/SSV)]

O. P. AGGARWAL, Under Secy.

Note.—The principle recruitment rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) 4(10)/86-Admn. (SFS/SSV) dated 26th September, 1988.

सा.का.नि. 607:- केन्द्रीय सरकार, शिक्षा अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 37 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद से परामर्श करने के पश्चात् शिक्षुता नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शिक्षुता (संशोधन) नियम 1989 है।

(ख) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. शिक्षुता नियम 1962 के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 4 "ख" के पश्चात् नियम 4 "ग" और "घ" यथा निम्नलिखित जोड़े जाएंगे :-

नियम 4 "ग"

(i) केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित प्रवर्गों के शिक्षुओं के लिए नमूना संविदा प्रत्येक विनिर्दिष्ट कर सकती है; (i) व्यवसाय शिक्षु, (ii) स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षु

(ii) नमूना संविदा प्रारूप, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसे परिवर्तन रहित, जिसकी प्रत्येक मामले में परिस्थितियाँ अपेक्षा करें, इनमें वर्णित संबंधित प्रयोजनों के लिए प्रयोग किया जा सकेगा।

नियम 4 "घ"

नियोजक की और व्यवसाय शिक्षुओं की बाध्यताएं अनुसूची में विनिर्दिष्ट रूप में होगी। स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षुओं के संबंध में निबंधन और गण्य अनुसूची - में विनिर्दिष्ट रूप में होगी।

3. उक्त नियमों के नियम 6क में निम्नलिखित शब्द अन्त में जोड़े जाएंगे, अर्थात् :-

"इस प्रकार नियुक्त किया गया व्यक्ति शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए अवस्थित सीटों की संख्या और स्थापन के प्रकार के अनुरूप अनुचित स्तर का होगा।"

4. उक्त नियम की अनुसूची 4 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची जोड़ी जाएगी, अर्थात् :-

अनुसूची ड.-V

(नियम 4ख, 4ग क और 4घ देखिए)

I नियोजक की बाध्यताएं (दोनों व्यवसाय और व्यवसाय व्यवसाय शिक्षुओं की वषा में

(शिक्षा अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अधीन)

(1) नियोजक केन्द्रीय राज्य शिक्षुता मन्त्रालय द्वारा अनुमोदित कार्यक्रम और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षु को बुनियादी प्रशिक्षण देने की चर्चा के लिए युक्तियुक्त व्यवस्था करेगा।

2. (क) ऐसे नियोजक, जो धारा 9 की उपधारा (4) में विनिर्दिष्ट हैं, केन्द्रीय शिक्षुता परिषद के परामर्श के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षु को बुनियादी प्रशिक्षण देने की चर्चा की या तो कमणाला भवन के किसी पृथक भाग में या नियोजक स्थापित किसी पृथक भवन में युक्तियुक्त व्यवस्था करेगा।

(ख) ऐसे नियोजक, जो आर 9 की आदेश (5) में निर्दिष्ट हैं केन्द्रीय शिक्षता परिषद के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार व्यवसाय शिक्षा को बुनियादी प्रशिक्षण देने की ध्येय के लिए सरकार द्वारा स्थापित प्रशिक्षण संस्थान में वृत्तिवृत्त व्यवस्था करेंगे।

(3) नियोजक शिक्षा अधिनियम, 1961 की आर 10 द्वारा यथा अपेक्षित अनुदेश प्राप्त करने के लिए शिक्षा को निर्मुक्त करेगा और ऐसे कक्षा में जाने में खर्च किए गए समय की उसकी संरक्षित कार्य अवधि का भी सम्मति जाएगा।

(4) (क) नियोजक शिक्षा को ऐसा वर्ष पर, जो समय-समय पर शिक्षा नियम, 1962 के नियम 7 के अधीन निर्दिष्ट की जाए, वृत्तिका संवत् करेगा।

(ख) बिना निर्दिष्ट मास को वृत्तिका आगामो भास को 10 तारीख तक संवत् की जाएगी। वृत्तिका में से उस अवधि के लिए कोई कटौती नहीं की जाएगी, जिसके दौरान शिक्षा आकस्मिक या चिकित्सा छुट्टी पर रहा हो परन्तु उस अवधि के लिए कोई वृत्तिका नहीं दी जाएगी, जिसके दौरान शिक्षा असाधारण छुट्टी पर रहा हो।

(5) (क) व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान शिक्षा का साप्ताहिक कार्य समय निम्नलिखित होगा :-

- प्रति सप्ताह कुल कार्य समय 42 से 48 घंटे होगा (जिसमें संबंधित अनुदेशों पर खर्च किया गया समय भी सम्मिलित है);
- बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाला शिक्षा साधारणतया प्रति सप्ताह 42 घंटे काम करेगा और उसमें संबंधित अनुदेशों पर खर्च किया गया समय भी सम्मिलित होगा ;
- शिक्षक के दूसरे वर्ष के दौरान शिक्षा 42 से 45 घंटे प्रति सप्ताह कार्य करेगा और उसमें संबंधित अनुदेशों पर खर्च किया गया समय भी सम्मिलित होगा ;
- शिक्षा के तीसरे और पञ्चमवर्षी वर्ष के दौरान शिक्षा प्रति सप्ताह उन्नीस घंटे काम करेगा जिनमें घंटे उस स्थापन में व्यवसाय कर्मकार कार्य करते हैं। जिसमें शिक्षा शिक्षता प्रशिक्षण ले रहा है;

नयापि यह कि अत्यधिक अवधि शिक्षा को 48 घंटे प्रति सप्ताह की सीमा तक कार्य में लाया जा सकेगा।

(ख) अत्यधिक शिक्षा से जिन विद्यार्थियों को शिक्षा सहायकार की पूर्ण संज्ञा के बिना रात के 10 बजे से सुबह के 6 बजे तक के दौरान ऐसे प्रशिक्षण में नहीं लाया जाएगा और जहाँ सहायकार ऐसी संज्ञा तक देगा जब तक यह समाधान हो जाता है कि ऐसा करना शिक्षा के प्रशिक्षण या लोकहित में है।

(6) जहाँ संविदा के अनुबंधों और जहाँ या नियोजक द्वारा लाया गया न कि जाते के कारण शिक्षा को संविदा समाप्त हो जाए वह वह (नियोजक) शिक्षा को या उसके संरक्षक को (अवस्था को बचा में) शिक्षा नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन यथा निर्दिष्ट दूर के अनुसार प्रतिकार का संवादा करेगा।

(7) नियोजक शिक्षा का निम्नलिखित रूप से छुट्टी अनुशासन करेगा :-

- एक वर्ष में अधिक से अधिक 12 दिन को आकस्मिक छुट्टी 12 दिन की सीमा के प्रयोजन के लिए आकस्मिक छुट्टी का अवधि के दौरान यदि बाली शिक्षा छुट्टी की पूर्णता नहीं की जाएगी। किसी वर्ष के दौरान ली गई आकस्मिक छुट्टी वर्ष समाप्त होने पर व्ययक्त हो जाएगी।
- प्रशिक्षण के प्रत्येक वर्ष के लिए ऐसे शिक्षा की 15 दिन की चिकित्सा छुट्टी दी जाएगी जबकि कारण का

मान में अत्यधिक है। न तो यह छुट्टी की अधिकतम 40 दिन तक जमा किए जाने को अनुमति दी जाएगी। चिकित्सा छुट्टी की अधिकतम दौरान किसी अवकाश की चिकित्सा छुट्टी समाप्त जाएगी। नियोजक शिक्षा से यह कह सकेगा कि वह अपनी चिकित्सा छुट्टी के समय में किसी चिकित्सा छुट्टी चिकित्सा व्यवसायी का, जैसा कि शिक्षा नियम, 1962 में निर्दिष्ट है, एक चिकित्सा प्रमाणपत्र पेश करे। शिक्षा चिकित्सा प्रमाणपत्र के लिये तभी आवश्यक होगा जब छुट्टी 6 दिन से अधिक की हो। नियोजक शिक्षा को बिना चिकित्सा परीक्षा कराने को स्वीकृति होगी, यदि उसके पास चिकित्सा करने का यह कारण है कि शिक्षा अत्यधिक रूप से बोझ नहीं है या कि बोझों ऐसी नहीं है जिसके कारण वह हाजिर न हो सके।

(iii) आकस्मिक छुट्टी की चिकित्सा छुट्टी के साथ नहीं मिलाया जाएगा। यदि आकस्मिक छुट्टी में पड़ने या बाध में चिकित्सा छुट्टी की जाती है तो पूरी छुट्टी को या तो चिकित्सा छुट्टी समाप्त जाएगा या आकस्मिक छुट्टी। परन्तु, यथास्थिति, चिकित्सा छुट्टी या आकस्मिक छुट्टी की बाधित विहित अधिकतम अवधि से उसे आगे बढ़ने की संज्ञा नहीं दी जाएगी।

(iv) शिक्षा को एक वर्ष में अधिकतम 10 दिन या उससे अधिक को असाधारण छुट्टी दी जा सकेगी किन्तु ऐसा तब होगा जब उसने पूरी आकस्मिक या चिकित्सा छुट्टी ले ली हो और यह कि नियोजक का यह समाधान हो जाए कि वह आधार जिन पर छुट्टी के लिए आवेदन किया गया है, वास्तविक है।

(v) (क) ऐसे स्थापन में लगा हुआ शिक्षा जिसमें एक सप्ताह में पांच दिन काम होता है (प्रति सप्ताह कुल 45 घंटे) प्रशिक्षण के दौरान कम से कम 200 दिन हाजिर रहेगा, जिसमें से 1/6 अर्थात् 33 दिन संबंधित अनुदेशों की और 167 दिन व्यवहारिक प्रशिक्षण को लिए जाएंगे।

(ख) ऐसे स्थापन में लगा हुआ शिक्षा जिसमें एक सप्ताह में 5-1/2 या 6 दिन काम होता है, प्रशिक्षण के वर्ष के दौरान कम से कम 210 दिन हाजिर रहेगा, जिसमें से 1/6 अर्थात् 40 दिन संबंधित अनुदेशों की और 200 दिन व्यवहारिक प्रशिक्षण को लिए जाएंगे।

(vi) ऐसे शिक्षा का, जो किसी भी कारण उपलब्ध में निर्दिष्ट अवधि के दौरान प्रशिक्षण क्षेत्र में प्रचार करता है, अपने वर्ष में कर्मों का पूरा करने का प्रयत्न दिया जाएगा और वह राष्ट्रीय परिषद द्वारा लिए जाने वाले परीक्षण में बैठने के लिए पात्र होगा :-

केवल तब जब उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली हो और तदनुसार कम से कम 600 दिन या 800 दिन हाजिर रहा हो क्योंकि ऐसे स्थापन में जहाँ एक सप्ताह में 5 दिन काम होता है, प्रशिक्षण की अवधि, यथास्थिति, तीन या चार वर्ष होती है।

या

केवल तब जब उसने प्रशिक्षण की अवधि पूरी कर ली हो और तदनुसार कम से कम 720 दिन या 960 दिन हाजिर रहा हो क्योंकि ऐसे स्थापन में जहाँ एक सप्ताह में 5 1/2 दिन या 6 दिन काम होता है, प्रशिक्षण की अवधि, यथास्थिति, तीन या चार वर्ष होती है।

(vii) यदि शिक्षा अपने नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण प्रशिक्षण की अवधि के दौरान उपलब्ध (vi) में निर्दिष्ट कम से कम हाजिरा पूरी नहीं कर पाता है या नियोजक हाजिरा में कर्मों के कारणों से संतुष्ट हो जाता और यह प्रमाणित कर देता

है कि शिक्षु ने अध्ययन पूर्ण शिक्षुता पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने प्रशिक्षण की पूर्ण अवधि पूरी कर ली है और वह राष्ट्रीय परिवर्धन द्वारा लिए जाने वाले परीक्षण में बैठने का पात्र होगा।

- (viii) यदि शिक्षु प्रशिक्षण की अवधि के दौरान उपखंड (iv) में विनिर्दिष्ट कम से कम हाजिरी पूरी नहीं कर पाता है और पूर्ण शिक्षुता पाठ्यक्रम पूरा कर चुका होता है तो उसके बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि उसने प्रशिक्षण की पूर्ण अवधि पूरी कर ली है और नियोजक नियम 5 के उपनिधम (2) के अधीन उसकी प्रशिक्षण की अवधि तब तक बढ़ा सकेगा जब तक कि वह पूर्ण शिक्षुता पाठ्यक्रम पूरा करता है और अगला परीक्षण आयोजित किया जाता है।

(8) नियोजक स्थापन में होने वाली छुट्टियों शिक्षु को भी देगा।

(9) यदि शिक्षु के रूप में प्रशिक्षण के दौरान शिक्षु को कोई क्षति काटित होती है तो नियोजक शिक्षु को शिक्षु अधिनियम, 1961 की अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पत्ति के अधीन रहते हुए कर्मचार प्रतिकर अधिनियम, 1923 के उपबन्धों के अनुसार प्रतिकर देगा।

II व्यवसाय शिक्षु की बाध्यताएं (दोनों व्यवस्क और अवयस्क शिक्षुओं की दशा में) (शिक्षु अधिनियम, 1961 की धारा 12 के अधीन)

(1) शिक्षु आचरण और अनुशासन के सभी मामलों में स्थापन के नियमों और विनियमों का पालन करेगा और स्थापन में नियोजक और दरिष्ठ अधिकारियों के विधिपूर्वक आदेशों को कार्यान्वित करेगा।

(2) शिक्षु का आचरण ऐसा होगा जिससे यह पता चले कि वह प्रशिक्षणार्थी है न कि कर्मचारी। इसके साथ-साथ वह अपने व्यवसाय को निष्ठापूर्वक और उत्तरदातापूर्वक संभालेगा और यह प्रयास करेगा कि पूर्ण प्रशिक्षण की अवधि के अवसान से पूर्व अपने व्यवसाय में कुशल शिल्पकार के रूप में अपने आप को ग्रहित करे। शिक्षु अधिनियम, 1961 में दया उपबन्धित के सिवाय, श्रमिकों के संबंध में कियों का रिश्ते के उपबन्ध उसे लागू नहीं होंगे।

(3) शिक्षु अवहारिक (जुनिआ और ज.प. पजार) प्रशिक्षण और संबंधित अनुवेष्टन की कक्षाओं में नियमित रूप से हाजिर रहेगा।

(4) शिक्षु ऐसे कालिक परीक्षणों में बैठेगा जो व्यवसाय में प्रवीणता का प्रमाणपत्र देने के लिए नियोजक या राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिवर्धन के अन्य संबंध प्राधिकारियों द्वारा आयोजित किया जाए।

(5) संविदा के निबन्धनों और शर्तों का शिक्षु द्वारा कार्यान्वित न किए जाने के कारण शिक्षुता की संविदा का समय पूर्व अवसान होने की दशा में, प्रतिभू या संरक्षक नियोजक को एसी रकम का संदाय करने के लिए आवेदन हो सकेगा या केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार द्वारा शिक्षुता नियम, 1962 के नियम 6 के प्रदान विनिर्दिष्ट रूप में दरों के अनुसार प्रशिक्षण के खर्च के बारे में अवधारित की जाए।

(6) अत्यन्त आवश्यकता के सिवाय, शिक्षु सभी छुट्टियों के लिए, सिवाय चिकित्सा छुट्टी के, सम्पूजित प्राधिकारी को आवेदन देगा और छुट्टी लेने से पूर्व संजूरी अभिप्राप्त करेगा।

(7) शिक्षु उसका/उसकी संरक्षक (अवयस्क की दशा में) घोषणा करता है कि उसके और किसी अन्य नियोजक के (संरक्षक द्वारा शिक्षु की बाबत) कोई अन्य शिक्षुता संविदा अस्तित्व में नहीं है और यह बचन-बंध करता है/करती है कि वह शिक्षुता से संविदा के अवसान या समाप्ति से पूर्व किसी अन्य नियोजक (संरक्षक द्वारा शिक्षु की बाबत) से कोई अन्य शिक्षु संविदा नहीं करेगा।

(8) शिक्षु या उसका/उसकी संरक्षक (अवयस्क की दशा में) ऊपर उल्लिखित शिक्षुओं की बाबत किसी भी अन्य नियोजक से शिक्षुता को इस संविदा के अवसान या समाप्ति से पूर्व सविदा नहीं करेगा/करेगी।

(9) शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि के पढ़ने उठे पढ़ीयों की परीक्षा अवधि समाप्त जाएगा। दोनों पक्षकारों में से कोई भी एक संविदा के पूर्वतर अवसान के लिए केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार को आवेदन दे सकेगा और जब एसा आवेदन दिया जाए तो आवेदन करने वाला पक्षकार उसकी एक प्रति संविदा के दूसरे पक्षकार को डाक द्वारा भेजेगा। केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार आवेदन को विषयवस्तु और दूसरे पक्षकार द्वारा फाइल किए गए आक्षेपों पर, यदि कोई हों, विचार करने के पश्चात संविदा का अवसान कर सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि संविदा के पक्षकार या उनमें से कोई संविदा के निबन्धनों प्रार गतों का पालन करने में असमर्थ रहा है या न कि संविदा का प्रस्ताव पक्षकारों या उनमें से किसी के हित में होने के कारण वांछनीय है। परन्तु वह रकम, जो इस अनुसूची के पैरा 1 (4) (क) और 11 (5) में उल्लिखित की गई है, तत्पुनः एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार का संवेद्य हो जाएगा भले ही ऐसा नियोजक की भूल के कारण हो या शिक्षु का।

परन्तु यह और कि नियोजक द्वारा शिक्षु के संरक्षक का प्रतिकर उस समय संवेद्य नहीं होगा जब नियोजक केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार को उस अवधि के दौरान संविदा के अवसान के लिए आवेदन करता है जिस समय शिक्षु परीक्षा पर है और वह भी इस आधार पर कि उस व्यवसाय में लगा शिक्षु, जिसमें उगे लगाया गया है, प्रशिक्षण लेने से इतर कर देता है और उसका संरक्षक उसे किसी ऐसे अन्य अभिहित व्यवसाय में शिक्षुता प्रशिक्षण लेने को इजाजत देने से इतर कर देता है जिसे लिए उसे नियोजक द्वारा उपयुक्त पाया गया है और यदि केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार का, नियोजक के आवेदन को विषय वस्तु और दूसरे पक्षकार द्वारा फाइल किए गए आक्षेपों पर, यदि कोई हों, विचार करने के पश्चात यह समाधान हो जाता है कि संविदा का अवसान पक्षकारों या उनमें से किसी के हित में होने के कारण वांछनीय है।

(10) नियोजक इस बात के लिए बाध्य नहीं होगा कि वह शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने के पश्चात शिक्षु को अपने स्थापन में को नियोजन के अंतर्गत न हो। शिक्षु इस बात के लिए बाध्य होगा कि वह उस नियोजक के अधीन कोई नियोजन स्वीकार करे।

(11) नियोजक और शिक्षु के संरक्षक के बीच इस संविदा के उद्भूत होने वाली किसी भी अपहमति या विवाद का विनिश्चय के लिए केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार को निर्देशित किया जाएगा और केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता सलाहकार के विनिश्चय से व्यापित व्यक्ति ऐसे विनिश्चय की उसे सूचना मिलने की तारीख से 30 दिन के भीतर विनिश्चय के विरुद्ध केन्द्रीय/राज्य शिक्षुता परिवर्धन को अपील कर सकेगा और ऐसी अपील की सुनवाई और उसका विनिश्चय इस प्रयोजन के लिए नियुक्त परिवर्धन की समिति द्वारा किया जाएगा। ऐसी समिति का विनिश्चय अंतिम होगा।

अनुसूची 3 - 6

(नियम 4-ख शीर्षक)

स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वैतिक) शिक्षुओं के लिए शिक्षुता की संविदा के नियन्त्रण और शर्तें

1. प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष होगी (संवेद्य विद्यार्थियों की दशा में प्रशिक्षण की अवधि पाठ्यक्रम में अनुबद्ध रूप में होगी)।

2. नियोजक के लिए यह बाध्यकर नहीं होगा कि वह अपने स्थापन में शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि के पूरा होने पर शिक्षु को कितना नियोजन की प्रस्थापना करे और न यह शिक्षु के लिए बाध्यकर होगा कि वह नियोजक के अधीन कोई नियोजन स्वीकार करे।

टिप्पण : तथापि, यदि शिक्षता की संविदा में यह शर्त हो कि शिक्षा प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त होने के पश्चात् नियोजक को सेवा करेगा तो नियोजक, ऐसी समाप्ति पर शिक्षा को उपयुक्त नियोजन की प्रस्थापना करने के लिए बाध्य होगा और शिक्षा उस हैसियत में ऐसी अवधि के लिए और ऐसे पारिश्रमिक के लिए, जो संविदा में विनिर्दिष्ट किया जाये, केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार के अनुमोदन के अधीन रहने हुए नियोजक की सेवा करने के लिए बाध्य होगा।

3. किसी स्थापन में शिक्षता प्रशिक्षण लेने वाला प्रत्येक शिक्षा प्रशिक्षणार्थी होगा, न कि कर्मकार और इस प्रकार श्रम से संबंधित किसी विधि के उपबन्ध ऐसे शिक्षा को या उसके संबंध में लागू नहीं होंगे।

4. (i) शिक्षा आचरण और अनुशासन के सभी विषयों में स्थापन के नियमों और विनियमों का अनुपालन करेगा और स्थापन में नियोजक तथा सभी बरिष्ठों के विधिपूर्ण आदेशों का पालन करेगा।

(ii) शिक्षा अपने विषय क्षेत्र को निष्ठापूर्वक और सत्परता पूर्वक सीखेगा तथा व्यावहारिक और गैरगणितीय कक्षाओं में नियमित रूप में हाजिर रहेगा।

(iii) शिक्षा शिक्षता सलाहकार द्वारा अनुमोदित प्रोफार्मा में अपने शिक्षता प्रशिक्षण की अवधि के दौरान आने वाले कार्य का अभिलेख रखेगा।

(iv) जहाँ शिक्षता की संविदा, संविदा के निबन्धनों का पालन करने में शिक्षा के असफल रहने के कारण पर्यवेक्षित की जाती है वहाँ शिक्षा प्रशिक्षण के खर्च के रूप में नियोजक को ऐसी रकम का प्रतिदाय करेगा जो शिक्षा सलाहकार द्वारा प्रवर्धित की जाए। ऐसा दशा में शिक्षा किसी अन्य नियोजक के साथ अधिनियम के अधीन शिक्षता की कोई दूसरी संविदा करने का हकदार नहीं होगा।

(v) शिक्षता की संविदा शिक्षा द्वारा संवेद्य प्रतिकर के बिना पर्यवेक्षित की जा सकती है :—

(क) यदि वह लाभपूर्ण नियोजन प्राप्त करता है/करती है (नियुक्ति आदेश की प्रति के प्रस्तुत किए जाने पर), और

(ख) यदि वह चिकित्सीय आधारों पर प्रशिक्षण जारी रखने में असमर्थ है (ऐसे चिकित्सीय अधिकारी से, जो सिविल सर्जन की पंक्ति से नीचे का न हो, इस आणव्य का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने पर)।

(vi) नियोजक द्वारा सुविदा के भंग के लिए, नियोजक शिक्षा को यथा निम्नलिखित प्रतिकर का संदाय करेगा :—

इंजीनियरी स्तरों के लिए	~1400 रुपए
डिप्लोमा धांकों के लिए	~1000 रुपए
तकनीकी (वृत्तिक) के लिए	~380 रुपए

(vii) वृत्तिका के संदाय का जारी रहना प्रशिक्षण अवधि के दौरान शिक्षा के समाधानप्रद काम में कार्य निष्पादन पर निर्भर करेगा।

5. (i) नियोजक इन अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार और संबंधित प्रादेशिक केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार के अनुमोदन से शिक्षा के लिए शिक्षता प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में अनुदेश देने के लिए अपने स्थापन में उपयुक्त व्यवस्था करेगा।

(ii) प्रत्येक नियोजक से अपेक्षा की जाती है कि वह स्नातक/तकनीकी तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षाओं के प्रशिक्षण के लिए "प्रशिक्षण कार्यक्रम" बनाए और उससे संबंधित प्रादेशिक केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार से अनुमोदित कराए।

(iii) नियोजक, अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अधिकृतित काम में शिक्षाओं के प्रशिक्षण के भारसाधन में रखे जाने के लिए पर्याप्त व्यक्ति की व्यवस्था करेगा।

6. (i) स्नातक, तकनीकी और तकनीकी (वृत्तिक) शिक्षा उस स्थापन के जिससे वह प्रशिक्षण के लिए सङ्गृह्य है, विभाग के सामान्य कार्य घंटों के अनुसार कार्य करेगा। वे 12 दिन की आकस्मिक छुट्टी और 15 दिन की वृत्तिका के संदाय सहित चिकित्सीय छुट्टी के पात्र होंगे। 10 दिन तक की अवाधारा छुट्टी वृत्तिका के संदाय के साथ या उसके बिना स्थापन के विवेकानुसार मंजूर की जा सकती।

(ii) किसी निश्चित मास के लिए वृत्तिका का संदाय आगामी मास के दसवें दिन से पूर्व किया जाएगा।

[सं. डा जो ई टी - 2 (5)/87 - ए पो]

बी. सत्यनारायण, उप सचिव

1. मूल नियम मा.का.नि. सं. 1134 तारीख 27-2-1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनका निम्नलिखित संशोधन किया गया :

- मा.का.नि. सं. 594 तारीख 28-3-1964 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 155 तारीख 16-1-1965 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1242 तारीख 18-8-1965 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1538 तारीख 28-9-1966 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 152 तारीख 24-1-1968 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 171 तारीख 27-10-1967 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1555 तारीख 12-8-1968 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1012 तारीख 28-7-1970 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1294 तारीख 26-9-1970 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 2057 तारीख 9-10-1970 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 61 तारीख 10-12-1970 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 383 तारीख 10-3-1971 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1304 तारीख 23-10-1972 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1224 तारीख 15-10-1974 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 297 (अ) तारीख 27-5-1975 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 730 तारीख 9-6-1975 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 459 (प्र) तारीख 25-8-1975 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 2462 तारीख 19-9-1975 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 125 तारीख 9-1-1976 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 38 (प्र) तारीख 23-1-1976 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 297 (अ) तारीख 27-5-1976 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1012 तारीख 28-7-1979 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 24 (अ) तारीख 25-1-1982 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 383 तारीख 14-5-1983 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 450 तारीख 18-6-1983 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 451 तारीख 18-6-1983 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 220 तारीख 23-2-1985 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 221 तारीख 23-2-1985 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 54 तारीख 18-1-1986 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 370 तारीख 24-5-1986 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1041 तारीख 29-11-1986 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 1055 तारीख 6-12-1986 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 115 तारीख 21-2-1987 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 287 तारीख 18-4-1987 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 803 तारीख 19-10-1987 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 974 तारीख 10-12-1987 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 716 तारीख 3-9-1988 द्वारा संशोधित
- मा.का.नि. सं. 810 तारीख 8-10-1988 द्वारा संशोधित

MINISTRY OF LABOUR

(Directorate General of Employment and Training)

New Delhi, the 19th July, 1989

G.S.R. 607.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 37 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and after consulting the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Apprenticeship Rules, 1962, namely:—

1.(a) These rules may be called the Apprenticeship (Amendment) Rules, 1989.

(b) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. After the Rule 4 'B' of Apprenticeship Rules, 1962 (hereinafter referred to as the said rules); Rules 4 'C' and 4 'D' shall be added as under:—

Rule 4 'C':—

(i) The Central Government may specify model contract forms for the following categories of Apprentices:
(I) Trade Apprentices; (II) Graduate, Technician and Technician (Vocational) Apprentices.

(ii) The model contract form as may be specified by the Central Government, with such variation as the circumstances of each case may require, be used for the respective purposes therein mentioned.

Rule 4 'D':—

The obligation of the employer and that of the trade apprentices shall be as specified in Schedule-V. The terms and conditions in respect of graduate, technician and technician (vocational) apprentices shall be as specified in Schedule-VI.

3. In rule 6A of the said rules, the following words shall be added at the end, namely:—

“The person so appointed shall be of the appropriate level commensurate with the number of seats located for apprenticeship training and size of the establishment.”

4. After Schedule-IV of the said rules, the following Schedules shall be added, namely:—

SCHEDULE-V
(See Rule 4B, 4C and 4D)

I. Obligations of Employer (both in the case of Major and Minor Trade Apprentices).

(Under section 11 of the Apprentices Act, 1961)

(1) The employer shall make suitable arrangements in the workshop for imparting a course of practical training to the apprentice in accordance with the programme approved by the Central/State Apprenticeship Adviser and the syllabus approved by the Central Government in consultation with the Central Apprenticeship Council.

(2) (a) Such of those employer as specified in Sub-section (4) of section 9 shall make suitable arrangements to impart course of basic training to the apprentice in accordance with the syllabus approved by the Central Government in consultation with the Central Apprenticeship Council, either in separate parts of the workshop building or in a separate building set-up by the employer.

(b) Such of those employer as specified in sub-section (5) of section 9 shall make suitable arrangements in a training institute set up by Government for imparting a course of basic training to the trade apprentice in accordance with the syllabus approved by the Central Government in consultation with the Central Apprenticeship Council.

(3) The employer shall release the apprentice for receiving related instructions as required by section 10 of the Apprentices Act, 1961, treating any time spent in attending such classes as part of his paid period of work.

(4)(a) The employer shall pay stipend to the apprentice at the rate as specified in from time to time under Rule 7 of Apprenticeship Rules, 1962.

(b) The stipend for a particular month shall be paid by the 10th day of the following month. No deductions shall be made from the stipend for the period during which the apprentice remains on casual or medical leave. Stipend shall, however, not be paid for the period for which the apprentice remains on extraordinary leave.

(5)(a) The weekly hours of work of an apprentice while undergoing practical training shall be as follows:—

- (i) the total number of hours per week shall be 42 to 48 hours (including the time spent on related instructions);
- (ii) apprentice undergoing basic training shall ordinarily work for 42 hours per week including the time spent on related instructions;
- (iii) apprentice during the second year of apprenticeship shall work for 42 to 45 hours per week including the time spent on related instructions;
- (iv) apprentice during the third and subsequent years of apprenticeship shall work for the same number of hours per week as the workers in the trade in the establishment in which the apprentice is undergoing apprenticeship training;

Provided that however that short term apprentice may be engaged to work upto a limit of 48 hours per week.

(b) No apprentice, other than a short term apprentice, shall be engaged on such training between the hours of 10 P.M. and 6 A.M. except with the prior approval of the Apprenticeship Adviser who may give his approval if he is satisfied that it is in the interest of the training of the apprentice or in public interest.

(6) Where the contract of apprenticeship is terminated on account of failure on the part of the employer to carry out the terms and conditions of the contract, he shall pay to the apprentice or his guardian (in the case of a minor) compensation in accordance with the rates as specified under Rule 6 of the Apprenticeship Rules, 1982.

(7) The employer shall allow leave to the apprentice as under:—

- (i) Casual leave for a maximum period of 12 days in a year. Any holidays intervening during the period of casual leave shall not be counted for the purpose of the limit of 12 days. Casual leave not used during any shall stand lapsed at the end of the year.
- (ii) Medical leave upto 15 days for each year of training shall be granted to the apprentice who is unable to attend duty owing to illness. The unused leave may be allowed to accumulate upto a maximum of 40 days. Any holidays intervening during the period of medical leave shall be treated as medical leave. The employer may call upon the apprentice to produce a medical certificate from a registered medical practitioner, as defined in the Apprenticeship Rules, 1962, in support of his medical leave. A medical certificate shall, however, be necessary if the leave exceed 6 days. It shall be open to the employer to arrange a special medical examination of the apprentice if he has reason to believe that the apprentice is not really ill or the illness is not of such a nature as to prevent his attendance.
- (iii) Casual leave shall not be combined with medical leave. If casual leave is preceded or followed by medical leave, the entire leave taken shall be treated either as medical or casual leave, provided that it shall not be allowed to exceed the maximum period prescribed in respect of medical or casual leave, as the case may be.
- (iv) Extraordinary leave upto a maximum of 10 days or more in a year may be granted to the apprentice, after he has taken the entire casual or medical leave, if the employer is satisfied with the genui-

ness of the grounds on which the leave is applied for.

- (v) (a) The apprentice engaged in a establishment which works for five days in a week (with a total of 45 hours per week) shall put in a minimum attendance of 200 days in a year on training, out of which one sixth, namely, 33 days shall be devoted to related instructions and 167 days to practical training;
- (b) The apprentice engaged in an establishment which works for 5-1/2 or 6 days in a week shall put in a minimum attendance of 240 days in a year on training, out of which one sixth, namely, 40 days shall be devoted to related instructions and 200 days to practical training.
- (vi) The apprentice, who for any reason is not able to undergo training for the period specified in sub-clause, shall be given an opportunity to make up for the short fall in the following year and shall be eligible to take the test conducted by the National Council:—

Only if he has completed the period of training and has put in a minimum attendance of 600 days or 800 days according as the period of training is three years or four years as the case may be in an establishment which work for 5 days in a week, only if he has completed the period of training and has put in a minimum attendance of 720 days or 960 days according as the period of training is three years or four years, as the case may be, in an establishment which works for 5-1/2 days or 6 days in a week.

- (vii) If the apprentice is not able to put in the minimum period of attendance specified in sub-clause (vi) during the period of training for circumstances beyond his control and the employer is satisfied with the grounds for short-fall in attendance and certifies that apprentice has otherwise completed the full apprenticeship course, he shall be considered as having completed the full period of training and shall be eligible to take the test conducted by the National Council.
- (viii) If the apprentice is not able to put in the minimum period of attendance specified in sub-clause (vi) during the period of training and has completed the full apprenticeship course, he shall not be considered as having completed the full period of training and the employer shall under sub-rule (2) of rule 5 extend his period of training until he completes the full apprenticeship course and the next test is held.
- (8) The employer shall allow to the apprentice such holidays as are observed in the establishment.
- Q (9) If personal injury is caused to an apprentice by accident arising out of and in the course of his training as an apprentice, the employer shall pay to the apprentice compensation in accordance with the provisions of the Workmen's Compensation Act, 1923, subject to the modification specified in the Schedule to the Apprentices Act, 1961.
- II. Obligations of Trade Apprentice (Both in case of Major and Minor Trade Apprentices) (Under section 12 of Apprentices Act, 1961).

(1) The apprentice shall abide by the rules and regulations of the establishment in all matters of conduct and discipline and carry out all lawful orders of the employer and superiors in the establishment.

(2) The apprentice shall conduct himself as a trainee and not as a worker, learn his trade conscientiously and diligently and endeavour, to qualify himself as a skilled Craftsman in his trade before the expiry of the period of training. Save as provided in the Apprentices Act, 1961, provisions of any law with respect to labour will not be applicable to him.

(3) The apprentice shall attend practical (basic and shop-floor) training and related instruction classes regularly.

(4) The apprentice shall appear for periodical tests that may be conducted by the employer or other authorities concerned by the National Council for Vocational Training for award of a certificate of proficiency in the trade.

(5) In the event of premature termination of contract of Apprenticeship for failure on the part of apprentice to carry out the terms and conditions of contract, the surety or the guardian may be bound to pay the employer, such amount as may be determined by the Central/State Apprenticeship Adviser as and towards the cost of training in accordance with rates as specified under rule 6 of the Apprenticeship Rules, 1962.

(6) Except in case of extreme urgency the apprentice shall submit applications for all leave except medical leave to the appropriate authority and obtain sanction before the leave is taken.

(7) The apprentice, his/her guardian (in case of minor) declares that no other contract of apprenticeship subsists already between him and any other employer (in respect of apprentice by the guardian) and undertakes that he shall not enter into any other contract of apprenticeship with any other employer (in respect of apprentice by the guardian) before the expiry or termination of this contract of apprenticeship.

(8) The Apprentice or his/her guardian (in case of minor) shall not enter into any other contract of apprenticeship with any other employer in respect of the apprentice, mentioned in the first recital before the expiry of termination of this contract of apprenticeship.

(9) The first six months of the period of apprenticeship training shall be treated as period on probation. Either party may make an application to the Central/State Apprenticeship Adviser for the earlier termination of contract, and when such an application is made the party making the application shall send by post a copy thereof to the other party to the contract. The Central/State Apprenticeship Adviser after considering the contents of the application and objections if any, held by other party may terminate the contract if he is satisfied that the parties to the contract if any of them have or has failed to carry out the terms and conditions of the contract and that it is desirable in the interests of the parties or any of them to terminate the same. Provided that the amount as stated in paras 1(4)(a) and 11(5) of this schedule shall become payable by one party to the other according as the failure is on the part of employer or the apprentices.

Provided further that no compensation shall be payable by the employer to the guardian of the apprentice if the employer makes an application to the Central/State Apprenticeship Adviser during the period the apprentice is on probation for the termination of the contract on the ground that the apprentice on the trade in which he has been engaged and that his guardian has refused to allow him to undergo apprenticeship training in another designated trade for which he is found suitable by the employer and if the Central/State Apprenticeship Adviser, after considering the contents of the application of the employer and the objections, if any filed by the other party, is satisfied that it is desirable in the interests of the parties or any of them to terminate the contract.

(10) It shall not be obligatory on the party of the employer to offer any employment to the apprentice on completion of period of his apprenticeship training in his establishment, nor shall it be obligatory on the part of the apprentice to accept an employment under the employer.

(11) Any disagreement or dispute between the employer and the guardian of the apprentice arising out of the contract shall be referred to the Central/State Apprenticeship Adviser for decision and any person aggrieved by the decision of the Central/State Apprenticeship Adviser, may, within 30 days from the date of communication to him of such decision, prefer an appeal against the decision to the Central/

State Apprenticeship Council and such appeal shall be heard and determined by the Committee of that Council appointed for the purpose. The decision of such committee shall be final.

SCHEDULE—VI

(See Rule 4-B)

TERMS AND CONDITIONS OF THE CONTRACT OF APPRENTICESHIP FOR GRADUATE, TECHNICIAN AND TECHNICIAN (VOCATIONAL) APPRENTICES

1. The period of training shall be one year (in the case of Sandwich students, the period of training shall be as stipulated in curriculum).

2. It shall not be obligatory on the part of the employer to offer any employment to the apprentice on completion of period of apprenticeship training in his establishment nor shall it be obligatory on the part of the Apprentice to accept an employment under the employer.

Note.—If, however, there is a condition in the contract of Apprenticeship that the Apprentice shall, after the successful completion of training serve the employer, the employer shall, on such completion be bound to offer suitable employment to the Apprentice and the Apprentice shall be bound to serve the Employer in that capacity for such period and for such remuneration as may be specified in the contract subject to the approval of the Central Apprenticeship Adviser.

3. Every apprentice undergoing apprenticeship training in an establishment shall be a trainee and not a worker and as such the provisions of any law with respect to labour shall not apply to or in relation to such apprentice.

4. (i) The apprentice shall abide by the rules and regulations of the establishment in all matters of conduct and discipline and safety and carry out all lawful orders of the employer and superiors in the establishment.

(ii) The apprentice shall learn his subject field conscientiously and diligently and attend to practical and instructional classes regularly ;

(iii) The apprentice shall maintain a record of his work during the period of his apprenticeship training in a proforma approved by the Apprenticeship Adviser ;

(iv) Where the contract of apprenticeship is terminated for failure on the part of the apprentice to carry out terms of contract, the apprentice shall refund to the employer as cost of training such amount as may be determined by the Apprenticeship Adviser. In such event, the apprentice shall not be entitled to enter into another contract of Apprenticeship under the Act with any other employer.

(v) The contract of apprenticeship can be terminated without compensation payable by the apprentice :—

(a) if he/she secures gainful employment (on production of copy of the appointment order) ; and

(b) if he/she is unable to continue training on medical grounds (on production of a certificate to this effect from a Medical Officer not below to rank of Civil Surgeon).

(vi) For breach of contract by the employer, the employer shall pay compensation to the apprentice as follows :—

For Engineering Graduate	Rs. 1400
For Diploma Holders	Rs. 1000
For Technician (Vocational)	Rs. 380

(vii) Continuance of payment of stipend shall depend on satisfactory performance of the apprentice during the training period

5 (i) The employer shall make suitable arrangement in his establishment for imparting a course of appren-

ticeship training to the apprentice in accordance with the provisions of the Act and Rules made thereunder and with the approval of the respective Regional Central Apprenticeship Adviser.

(ii) Every employer is required to formulate a "Training Programme" for the training of Graduate/Technician/Technician (Vocational) apprentices and get it approved by the respective Regional Central Apprenticeship Adviser.

(iii) The employer will arrange for a suitable person to be placed in charge of training of apprentices as laid down under the Act and Rules thereunder.

6. (i) A Graduate, Technician and Technician (Vocational) apprentice shall work according to the normal hours of work of the department in the establishment to which he/she is attached for training. They will be eligible for 12 days of Casual Leave and 15 days of Medical Leave with payment of stipend. Extra-ordinary Leave upto 10 days with or without payment of stipend may be granted at the discretion of the establishment.

(ii) The stipend for a particular month shall be paid before the 10th day of the following month.

[No. DGET-2 (5)/87-AP]
B. SATYANARAYANA, Dy. Secy.

1. Principal rules were published by GSR No. 1134 dt. 27-2-1962.

2. Amended by GSR No. 594 dated 28-3-1964.
3. Amended by GSR No. 155 dated 16-1-1965.
4. Amended by GSR No. 1242 dated 18-8-1965.
5. Amended by GSR No. 1538 dated 28-9-1966.
6. Amended by GSR No. 152 dated 24-1-1967.
7. Amended by GSR No. 1714 dated 27-10-1967.
8. Amended by GSR No. 1555 dated 12-8-1968.
9. Amended by GSR No. 1012 dated 28-7-1970.
10. Amended by GSR No. 1294 dated 26-8-1970.
11. Amended by GSR No. 2057 dated 9-10-1970.
12. Amended by GSR No. 61 dated 30-12-1970.
13. Amended by GSR No. 383 dated 10-3-1971.
14. Amended by GSR No. 1394 dated 23-10-1972.
15. Amended by GSR No. 1224 dated 15-10-1974.
16. Amended by GSR No. 297(E) dated 27-5-1975.
17. Amended by GSR No. 780 dated 9-6-1975.
18. Amended by GSR No. 459(E) dated 25-8-1975.
19. Amended by GSR No. 2462 dated 19-9-1975.
20. Amended by GSR No. 125 dated 9-1-1976.
21. Amended by GSR No. 38(E) dated 23-1-1976.
22. Amended by GSR No. 297(E) dated 27-5-1976.
23. Amended by GSR No. 1012 dated 28-7-1979.
24. Amended by GSR No. 24(E) dated 25-1-1982.
25. Amended by GSR No. 383 dated 14-5-1983.
26. Amended by GSR No. 450 dated 18-6-1983.
27. Amended by GSR No. 451 dated 18-6-1983.
28. Amended by GSR No. 720 dated 23-2-1985.
29. Amended by GSR No. 221 dated 23-2-1985.
30. Amended by GSR No. 54 dated 18-1-1986.
31. Amended by GSR No. 370 dated 24-5-1986.
32. Amended by GSR No. 1041 dated 29-11-1986.
33. Amended by GSR No. 1055 dated 6-12-1986.
34. Amended by GSR No. 115 dated 21-2-1987.
35. Amended by GSR No. 287 dated 18-7-1987.
36. Amended by GSR No. 863 dated 19-10-1987.
37. Amended by GSR No. 974 dated 10-12-1987.
38. Amended by GSR No. 716 dated 3-9-1988.
39. Amended by GSR No. 810 dated 8-10-1988.

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1989

सा.का.नि. 608—कर्मचारी भविष्य निर्धारण अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 7 की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा 6क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऐच्छित सरकार कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 में और संशोधन हेतु निम्नलिखित स्कीम बनानी है, अर्थात् :—

1 (1) यह स्कीम कर्मचारी परिवार पेंशन (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1989 कहलायेगी।

(2) यह स्कीम पहली अप्रैल 1988 से प्रभावी प्रवृत्त हुई मानी जायेगी।

2. कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 में,

(1) पैराग्राफ 28 के उप-पैराग्राफ (1) में "एक वर्ष" शब्दों के स्थान पर "तीन माह" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(2) पैराग्राफ 31 में "कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिये अग्रिम दिया है, गणनायोग्य सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है तो जीवन बीमा प्रसुविधा के रूप में 2000 रुपये की एक मुश्त राशि" शब्दों व अंकों के स्थान पर "कम से कम तीन माह की अवधि के लिये अग्रिम दिया है, गणनायोग्य सेवा की अवधि के दौरान मृत्यु हो जाती है तो जीवन बीमा प्रसुविधा के रूप में 5000 रुपये की एक मुश्त राशि" शब्दों व अंकों को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(3) पैराग्राफ 31क के उप-पैराग्राफ (1) में "एक वर्ष" शब्दों के स्थान पर "तीन माह" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

[संख्या एस-35011(2) 87-एस.एस.-II]

ए. के. भट्टारай, सचिव

पादटिप्पणी:—संबंधित पैराग्राफों के सततध में निम्नलिखित अधि-सूचनाओं द्वारा संशोधन किये गये :—

1. पैराग्राफ 28,

- (क) सा.का.नि. 1188 दिनांक 8-9-1972
- (ख) सा.का.नि. 298 दिनांक 14-3-1973
- (ग) सा.का.नि. 186 (ई) दिनांक 31-3-1973
- (घ) सा.का.नि. 360 (ई) दिनांक 28-4-1982
- (ङ) सा.का.नि. 87 (ई) दिनांक 16-2-1983
- (च) सा.का.नि. 1042 दिनांक 29-11-1986
- (छ) सा.का.नि. 500 दिनांक 18-6-1988

2. पैराग्राफ 31,

- (क) सा.का.नि. 1156 दिनांक 8-7-1971
- (ख) सा.का.नि. 186 (ई) दिनांक 31-3-1973
- (ग) सा.का.नि. 129 दिनांक 13-1-1981
- (घ) सा.का.नि. 360 (ई) दिनांक 28-4-1982
- (ङ) सा.का.नि. 87 (ई) दिनांक 16-2-1983

3. पैराग्राफ 31क,

- (क) सा.का.नि. 1156 दिनांक 8-7-1971
- (ख) सा.का.नि. 186 (ई) दिनांक 31-3-1973
- (ग) सा.का.नि. 360 (ई) दिनांक 28-4-1982
- (घ) सा.का.नि. 530 दिनांक 20-5-1982
- (ङ) सा.का.नि. 227 दिनांक 25-3-1989

संशोधन नोटिफिकेशन,

इन मामलों में संशोधन को 1-4-1988 की पूर्व तिथि से प्रभावी लागू किया गया है चूंकि इस स्कीम के अन्तर्गत परिवार पेंशन तथा सेवा निवृत्त व प्रत्याग्रह लाभों का दर्जा को पहले से ही 1-4-1988 से प्रभावी कर दिया गया था। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि स्कीम का पूर्व तिथि से प्रभावी संशोधन होता किन्तु के सी हिन में प्रतिकूल असर नहीं भलेगा।

New Delhi, the 27th July, 1989

G.S.R. 608.—In exercise of the powers conferred by Section 6-A read with sub-section (1) of Section 7 of the 'Employee' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Employee Family Pension Scheme, 1971, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Employees' Family Pension (Second Amendment) Scheme, 1989.

(2) It shall be deemed to have come into force on and from 1st April, 1988.

2. in the Employees' Family Pension Scheme, 1971;

(i) in paragraph 28, in sub-paragraph (1), for the words, "One year" the words, "three months", shall be substituted.

(ii) in paragraph 31, for the words and figures, "one year dies during the period of reckonable service a lumpsum of Rs. 2000", the words and figures, "three months dies during the period of reckonable service a lump sum of Rs. 5,000", shall be substituted.

(iii) in paragraph 31A, in sub-paragraph (1), for the words, "one year" the words, "three months", shall be substituted.

[No. S-35011/2/87-SS.II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

FOOT NOTE : The relevant paragraphs of this Scheme were previously amended by the following notifications :—

(1) Paragraph 28 :

- (a) G.S.R. No. 1188, dated 8-9-1972
- (b) G.S.R. No. 298 dated 14-3-1973
- (c) G.S.R. No. 186(E), dated 31-3-1973
- (d) G.S.R. No. 360(E), dated 28-4-1982
- (e) G.S.R. No. 87(E), dated 16-2-1983
- (f) G.S.R. No. 1042 dated 29-11-1986
- (g) G.S.R. No. 500, dated 18-6-1988

(2) Paragraph 31,

- (a) G.S.R. No. 1156 dated 8-7-1971
- (b) G.S.R. No. 186(E) dated 31-3-1973
- (c) G.S.R. No. 129 dated 13-1-1981
- (d) G.S.R. No. 360(E) dated 28-4-1982
- (e) G.S.R. No. 87(E) dated 16-2-1983

(3) Paragraph 31A,

- (a) G.S.R. No. 1156 dated 8-7-1971
- (b) G.S.R. No. 186(E) dated 31-3-1973
- (c) G.S.R. No. 360(E) dated 28-4-1982
- (d) G.S.R. 530 dated 20-5-1982
- (e) G.S.R. No. 227 dated 25-3-1989.

EXPLANATORY MEMORANDUM :

The amendment in this case has been given retrospective effect from 1st April, 1988 as the rate of family pension and retirement-cum-withdrawal benefits under this Scheme were earlier liberalised with effect from 1-4-1988. It is, however, certified that the amendment of the Scheme with retrospective effect will not affect the interest of any one adversely.